सूर्योदय 6:27 सूर्यास्त 5:45

आज का तापमान

शिमला	12.5 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	14.4 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,852.90
निफ्टी	22,888.95

सोना 1,49,000 चांदी 2,21,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 21 अक्तूबर 2026 | 5 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 177, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

भारत में बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश : भागवत

एजेंसी, नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में भी



बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश हो रही है। दुनिया में ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को दबाना चाहती हैं। उनका मकसद सत्ता परिवर्तन कर हालात सुधारना नहीं, बल्कि अपने पिट्ठू बैठाना है। भागवत मंगलवार को नागपुर संघ मुख्यालय में आयोजित विजयादशमी उत्सव में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत और हिंदू समाज को तोड़ना चाहते हैं और उन्हें ऐसे नेताओं का भी समर्थन मिलता है। आरएसएस हर साल विजयादशमी पर अपना स्थापना दिवस मनाता है। 1925 में इसी दिन संघ की स्थापना हुई थी। भागवत ने कार्यक्रम में शस्त्र पूजन किया।

मुंबई के कुर्ला में 13 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी, तीन बच्चों समेत 9 लोग घायल

एजेंसी, नई दिल्ली। मुंबई के कुर्ला इलाके में मंगलवार सुबह 13 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 3 बच्चों समेत 9 लोग घायल हुए। आग सुबह करीब 6:53 बजे कुर्ला वेस्ट की कोहिनूर एचडीआईएल बिल्डिंग नंबर-5 के इलेक्ट्रिक डक्ट में लगी। दमकलकर्मियों ने सुबह 7:21 बजे तक आग पर काबू पा लिया। नगर निगम के अधिकारी के मुताबिक, धुएं के कारण 8 लोगों का दम घुटने लगा, जबकि एक व्यक्ति के दाएं पैर में चोट आई। घायलों में 5 साल का बच्चा, दो किशोरियां और एक बुजुर्ग शामिल हैं। सभी को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग, पुलिस, बिजली कंपनी और नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। आग लगने के कारणों और नुकसान का पता लगाया जा रहा है।

यूसुफ पठान को 20 करोड़ की जमीन 5.5 करोड़ में

एजेंसी, वडोदरा। गुजरात सरकार ने



सांसद यूसुफ पठान को वडोदरा में 978 वर्ग मीटर का प्लॉट देने की मंजूरी दे दी है। इसकी कुल कीमत 20.53 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसमें 500 वर्ग मीटर जमीन फ्री दी जाएगी, जिसकी कीमत 10.50 करोड़ रुपए है। वहीं, बाकी 478 वर्ग मीटर जमीन के लिए तय कीमत का 55% यानी करीब 5.52 करोड़ रुपए देने होंगे। इस संबंध में नगर निगम को जरूरी आदेश जारी कर दिए गए हैं। नगर निगम आयुक्त ने प्लॉट आवंटन का प्रस्ताव मंजूरी के लिए स्थायी समिति के सामने रखा है। हालांकि, प्लॉट के मालिकाना हक लेने के लिए अभी अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। इस जमीन को लेकर गुजरात सरकार और यूसुफ पठान के बीच 14 साल से विवाद था। यूसुफ पठान ने 14 जून को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। उनके साथ टीएमसी के 19 अन्य सांसदों के भी पार्टी छोड़ने का दावा किया गया था।

पैरा एशियन गेम्स- डिस्कस थ्रो में भारत का क्लीन स्वीप

भारत ने अब तक 9 गोल्ड, 11 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज सहित 35 मेडल जीते

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने पैरा एशियन गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों के डिस्कस थ्रो की दो स्पर्धाओं में 5 मेडल जीतकर क्लीन स्वीप किया। देवेंद्र कुमार ने गोल्ड, राकेश ने सिल्वर और प्रदीप कुमार ने ब्रॉन्ज जीता। वहीं, प्रणव सूरमा ने गोल्ड और राम रतन सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भारत ने दूसरे दिन एथलेटिक्स, पैरा टेबल टेनिस, शूटिंग, पावरलिफ्टिंग और स्विमिंग में कुल 24 मेडल जीते।

निषाद कुमार ने हाई जंप 47 में गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता, जबकि दीप्ति जीवनजी और सिमरन शर्मा ने भी गोल्ड मेडल अपने नाम किए। भारत के अब तक 9 गोल्ड, 11 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज सहित कुल 35 मेडल हो गए हैं।







प्रणव सूरमा ने डिस्कस थ्रो में गोल्ड अपने नाम किया

प्रणव सूरमा ने एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के डिस्कस थ्रो एफ51/52/53 फाइनल में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 932 रजा पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि भारत के ही राम रतन सिंह 809 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इस तरह भारत ने इवेंट में गोल्ड और सिल्वर दोनों मेडल अपने नाम किए। प्रणव ने छह प्रयासों में 11.66 मीटर का बेस्ट थ्रो किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीर चलाकर दिल्ली में रावण दहन किया

भारत के सांस्कृतिक केंद्रों की दुनिया में पहचान : मोदी





एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी दशहरा के मौके पर दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन मैदान पहुंचे। उन्होंने वहां रामलीला में शामिल कलाकारों की आरती उतारी। फिर प्रतीकात्मक तीर चलाकर रावण दहन किया।

उधर, पटना के गांधी मैदान में बिहार के सबसे ऊंचे 90 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ। रावण दहन देखने के लिए गांधी मैदान में करीब 2.5 लाख लोग पहुंचे। अमित शाह ने पंजाब के लुधियाना में रिमोट का बटन दबाकर रावण का पुतला दहन किया। मध्य प्रदेश के रायसेन में विजयादशमी पर 20 साल के गोविंद यादव ने 40 किलो वजनी वीर हनुमान का मुखौटा धारण किया। उन्होंने 40 दिन तक ब्रह्मचर्य का पालन और व्रत किया। इसके बाद बावड़ीपुरा हनुमान मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दशहरा मैदान पहुंची। गोविंद ने करीब 5 घंटे तक मुखौटा पहने रखा। यह परंपरा रायसेन में 71 साल से निभाई जा रही है। पीएम ने कहा भारत अपने सांस्कृतिक केंद्रों को दुनिया में नई पहचान दिला रहा है। बीते दिनों में कई साइट्स को यूनेस्को में शामिल किया गया है। दिवाली को भी यूनेस्को में शामिल किया गया है। यह करोड़ों भारतीयों की सामूहिक शक्ति का परिणाम है। साथियों विजयदशमी विजय का पर्व है, जीत का पर्व है। यह हमें साहस देता है कि शत्रु कितना भी बड़ा हो लेकिन सच्चाई और मानवता से जीत हमारी होता है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली में द्वारका सेक्टर-10 में दशहरा समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने रावण के पुतले पर प्रतीकात्मक तीर चलाकर रावण दहन किया।

भगवान राम से विकसित भारत की प्रेरणा लेनी है



मोदी ने कहा हमारे सामने विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य है। इसके लिए भी भगवान राम से भी प्रेरणा लेनी है। एक राष्ट्र सभी तरक्की लेता जब उसके पास आत्म सम्मान का भाव होता है। सदियों तक हमारी धरोहरों को लूटकर विदेश ले जाया गया। लेकिन आज हम अपनी उन धरोहरों को वापस ला रहे हैं। बीते 12 सालों में 650 से ज्यादा मूर्तियों को भारत वापस लाया गया है।

विजयदशमी पर योगी ने महायोगी गोरखनाथ का किया विशेष पूजन, सुख समृद्धि की कामना की

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में विजयदशमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन-अनुष्ठान किया। गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष पारंपरिक परिधान में सीएम योगी ने गोरक्षपीठ की परंपरा का अनुसरण करते हुए मंगलवार सुबह विधि-विधानपूर्वक महायोगी गोरखनाथ की पूजा-आराधना कर चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की।



इसी के साथ गोरक्षपीठ में विजयदशमी उत्सव को मनाने की शुरुआत हुई। पहला विशिष्ट अनुष्ठान दो घंटे से अधिक समय तक चला। सीएम योगी मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ व अन्य साधु-संतों के साथ, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यगण व वेदपाठी छात्रों के वैदिक मंत्रोच्चार, शंख, डमरू, घंट, तुरही की गूंज के बीच गुरु गोरखनाथ के मुख्य मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे। वहां नाथपंथ के विधान से महायोगी गोरखनाथ की विशिष्ट पूजा की। उन्हें विविध पूजन सामग्री के साथ शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ का ज्वारा चढ़ाया, आरती उतारी और हाथ से चंवर झलकर श्रद्धासेवा अर्पित की। गुरु गोरखनाथ की आराधना करने के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर में प्रतिष्ठित अखंड ज्योति, समस्त देव विग्रहों, नाथपंथ के मनीषियों के विग्रहों, अखंड धूना, यज्ञशाला, भीम सरोवर का विशिष्ट पूजन किया। उन्होंने करबद्ध होकर महायोगी गोरखनाथ और सभी देव विग्रहों की परिक्रमा भी की। पूजन के क्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ सहित अन्य संतों की समाधि स्थल पर भी पहुंचे।

दिल्ली में खाद्य सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं : रेखा

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, काली घटा स्वीट्स समेत कई प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारों के मद्देनजर राजधानी में मिठाई निर्माताओं और उनसे जुड़े प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई इकाइयों में स्वच्छता, साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के भंडारण और उन्हें संभालने के निर्धारित तौर-तरीकों में कमियां सामने आईं।

विभागीय टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से प्रवर्तन व निगरानी के तहत खाद्य पदार्थों के नमूने भी एकत्र किए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ खाद्य पदार्थ उपलब्ध हों तथा त्योहारों की खुशियों के बीच किसी के स्वास्थ्य से समझौता न हो। जनहित और जनस्वास्थ्य की रक्षा के लिए जागरूकता, जवाबदेही और निर्धारित मानकों का पालन आवश्यक है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को निरीक्षण के दौरान



स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन पर जोर

विद्या विहार (हस्तसाल) औद्योगिक क्षेत्र स्थित काली घटा स्वीट्स की निर्माण इकाई में स्वच्छता और साफ-सफाई संबंधी व्यवस्थाएं असंतोषजनक पाई गईं। इसके उत्तम नगर स्थित आउटलेट में भी सुधार की जरूरत बताई गई। दोनों परिसरों से केसर रसभरी, आलू भुजिया, घी और पालक बूंदी के चार नमूने लिए गए।

चांदनी चौक स्थित भीकाराम चांदमल प्राइवेट लिमिटेड के निरीक्षण में स्वच्छता और साफ-सफाई से जुड़ी कई कमियां मिलीं। यहां से खोया और रसभरी के नमूने एकत्र किए गए। नरेला औद्योगिक परिसर स्थित अमन मिठाईवाला की दोनों निर्माण इकाइयों में नियमों के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करने में कमियां पाई गईं। यहां से बर्फी और मिल्क केक के नमूने लिए गए। टीम को ओखला फेज-II स्थित एवरग्रीन स्वीट हाउस के भंडारण क्षेत्र में कीटों की सक्रियता देखी गई। निरीक्षण के दौरान पानी की जांच संबंधी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी और कर्मचारी बिना दस्तानों के खाद्य पदार्थ संभालते पाए गए। विभाग ने यहां से बूंदी दाना और खोया के नमूने लिए। बादली औद्योगिक क्षेत्र स्थित पुरी बेकर और बंसीवाला स्वीट्स इकाइयों का निरीक्षण किया गया। यहां से पीले रंग वाली रसमलाई और केक बनाने में इस्तेमाल होने वाले फैट इमल्शन के नमूने एकत्र किए गए।

परविंदर झोटा हत्याकांड की जांच करेगी सीबीआई, शाह ने परिवार को दिया भरोसा

एजेंसी, लुधियाना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को पंजाब दौरे पर रहे। उन्होंने लुधियाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली में अभिव्यक्ति की आजादी की बात करने वाले काला झंडा दिखाने वाले को पीटते हैं। यहां नशे के विरोध पर मार दिया जाता है।



मानसा में नशे का विरोध करने पर कत्ल किए गए नशा विरोधी एक्टिविस्ट परविंदर झोटा के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवार से कहा कि आज यानी बुधवार को 12 बजे सीबीआई टीम मानसा पहुंच जाएगी। झोटा के पिता भीम सिंह ने बताया कि शाह ने उन्हें एक-दो दिन में इंसाफ मिलने का भरोसा दिया है। इससे पहले वह संगरूर में आप मंत्री हरपाल चीमा से सवाल पूछने को लेकर तंग किए जाने के बाद सुसाइड करने वाले गुलजार के परिजनों से मिले। उन्होंने परिजनों को 2-3 महीने में इंसाफ मिलने का आश्वासन दिया। अमित शाह ने कहा कि वह गुलजार के भोग (अंतिम अरदास) में आएंगे।

दिल्ली में अभिव्यक्ति की आजादी की बात करने वाले काला झंडा दिखाने वाले को पीटते हैं

पंजाब दौरे में सबसे पहले उन्होंने गुरदासपुर में बिक्रमजीत के परिवार से 15 मिनट तक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिक्रमजीत की मां सुरजीत कौर के पैर छुए। अमित शाह ने परिवार को सीबीआई जांच और इंसाफ का भरोसा दिया। इन तीनों मामलों में केंद्रीय गृह मंत्रालय पंजाब सरकार से रिपोर्ट तलब कर चुका है। वहीं शाह के दौरे से पहले पंजाब सीएम भगवंत मान ने मानसा के एक्टिविस्ट परविंदर झोटा की हत्या की सीबीआई जांच का ऐलान कर दिया।

सीएम सुक्खू ने रिमोट से किया रावण मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतलों का दहन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में दशहरा पर्व उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। राजधानी शिमला के ऐतिहासिक जाखू मंदिर में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रिमोट का बटन दबाकर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया। इस दौरान आसमान में उठती आग की लपटों के बीच जय श्रीराम के जयघोष गूंज उठे और पूरा परिसर उत्सव के रंग में सराबोर हो गया। जाखू मंदिर में दशहरा उत्सव का विशेष महत्व है। यहां हनुमान जी की विशाल प्रतिमा की मौजूदगी में हर वर्ष बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने वाला यह आयोजन श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बनता है। इस अवसर पर स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में पर्यटक भी पहुंचे और ऐतिहासिक परंपरा के साक्षी बने।



जाखू मंदिर में हजारों लोगों की मौजूदगी में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

जाखू मंदिर शिमला के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा दूर से ही नजर आती है और शहर की पहचान बन चुकी है। दशहरे के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष रौनक रही। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों के दहन के साथ लोगों ने बुराई, अहंकार और अन्याय के अंत का संदेश याद किया। जाखू में दशहरा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक सहभागिता और पर्यटन आकर्षण का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ट्रंप बोले- पेरिस जल्द मुस्लिम शहर बन जाएगा

एजेंसी, पेरिस। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा कि पेरिस जल्द मुस्लिम शहर बन जाएगा। उन्होंने फ्रांस में जारी हिंसा के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की इमिग्रेशन पॉलिसी को जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप लंबे समय से इमिग्रेशन पर सख्ती की वकालत करते रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने करीब 8 साल पहले मैक्रों को चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों से आने वाले लोगों को बड़ी संख्या में फ्रांस में एंट्री देना गलती है। इसके बावजूद सरकार ने इसे रोकने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, फ्रांस में करीब 46% लोग ईसाई हैं। करीब 43% लोग किसी धर्म को नहीं मानते। मुस्लिम आबादी करीब 9% है।

पांच साल में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है।

मुख्यमंत्री ने देहरादून में आईएसबीटी के निकट एक होटल में आयोजित 'उत्तराखंड उदय कॉन्क्लेव' में विभिन्न विषयों पर पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए सरकार की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को योग्यता और मेहनत के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम



समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तराखंड

कर रही है। उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड इसे लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। उनके अनुसार, यह महिलाओं को समान अधिकार देने और उनके सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर धामी ने कहा कि राज्य सरकार की नीति भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की है। भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में 59 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। उन्होंने इसे प्रदेश के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक बताते हुए कहा कि सरकार यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए सड़क, स्वास्थ्य, यातायात और सुरक्षा सुविधाओं को बेहतर कर रही है। उन्होंने धार्मिक और पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात भी कही।

भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू

देश में अब न्यूजीलैंड के कीवीफ्रूट कपड़े जैसे सामान मिलेंगे सस्ते

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट मंगलवार से लागू हो गया है। इसके तहत न्यूजीलैंड में सभी भारतीय सामानों को 100% ड्यूटी-फ्री एंट्री मिलेगी। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 20 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.90 लाख करोड़ रुपए का निवेश भी करेगा।

यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा करते हुए बताया कि इसका मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 2.4 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर साल 2030 तक करीब 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर यानी लगभग 38,000 करोड़ तक पहुंचाना है। न्यूजीलैंड भारत के 100% टैरिफ लाइन्स यानी सभी प्रोडक्ट कैटेगरी



पर जीरो इम्पोर्ट ड्यूटी की सुविधा दे रहा है। यह भारत के इतिहास में ऐसा पहला एफटीए है, जिसमें लागू होने के पहले ही दिन से सभी प्रोडक्ट्स पर पूरी तरह से ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिला है। इस कदम से भारतीय एक्सपोर्टर्स को होने वाला वह नुकसान खत्म हो जाएगा, जो उन्हें एफटीए से पहले लगने वाले 10% तक के टैरिफ की वजह से उठाना पड़ता था।

पर्व

भगवान रघुनाथ की रथयात्रा के साथ होगा देवमहाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव का आगाज

आज देव-मानस मिलन की गवाह बनेगी रघुनाथ की नगरी

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवमहाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के इंतजार की घड़ियां समाप्त हो गई हैं। देवी-देवताओं के महामिलन और देवपरंपराओं के इस अनूठे पर्व का इंतजार कुल्लू जनपद के लोग सालभर करते हैं। आखिरकार वह घड़ी आ गई है, जब देवभूमि कुल्लू एक बार फिर देव-मानस मिलन की साक्षी बनेगी।

आज भगवान रघुनाथ जी की भव्य रथयात्रा के साथ सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव का विधिवत आगाज होगा। रघुनाथ जी के सम्मान में निकलने वाली इस ऐतिहासिक रथयात्रा में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों देवी-देवताओं, हजारों देवलुओं, स्थानीय लोगों और पर्यटकों के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा के लिए ढालपुर मैदान



में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, देव धुनों और भगवान रघुनाथ जी के जयघोष के बीच पूरा ढालपुर देवमय होगा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा पारंपरिक मार्ग से रथ मैदान से ढालपुर मैदान की चानणी तक निकाली जाएगी। इस दौरान श्रद्धालु भगवान रघुनाथ जी के रथ की पवित्र डोर खींचकर पुण्य कमाएंगे। रथयात्रा के बाद देवी-देवता भगवान रघुनाथ जी से मिलन करेंगे और फिर अपने-अपने अस्थायी शिविरों में सात दिनों तक विराजमान रहेंगे। इस दौरान ढालपुर में देव आस्था, लोक संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दशहरा उत्सव के दौरान भगवान रघुनाथ जी सहस्त्र सेना के साथ लंका पर चढ़ाई करेंगे। उत्सव का समापन 27 अक्तूबर को

- राज्यपाल करेंगे सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ, सीएम सुक्खू करेंगे समापन
- लाव-लश्कर के साथ कुल्लू पहुंचे जिलेभर के देवी-देवता, श्रीराम जी सहस्त्र सेना के साथ करेंगे लंका पर चढ़ाई

ऐतिहासिक लंका दहन के साथ होगा। इस दिन भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा निकाली जाएगी और लंका दहन की परंपरा निभाई जाएगी।

उत्सव के शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल कविंद्र गुप्ता विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के बाद शाम को अंतरराष्ट्रीय लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र में सात दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन करेंगे। सांस्कृतिक संध्याओं में देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। वहीं, 27 अक्तूबर को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू उत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे।

1265 जवान संभालेंगे सुरक्षा का जिम्मा

अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए 1265 पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। पुलिस के विभिन्न दस्तों और डॉग स्क्वायड के साथ उत्सव स्थल तथा आसपास के क्षेत्रों में निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए 155 सीसीटीवी कैमरे और पांच ड्रोन भी इस्तेमाल किए जाएंगे। पुलिस ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की दृष्टि से उत्सव स्थल को छह सेक्टरों में बांटा है, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने



बताया कि इस बार उत्सव के लिए 347 देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय आयोजन में देवपरंपराओं के साथ ग्लोबल डांस, लेजर शो, ड्रोन शो और देश-विदेश की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। 21 अक्तूबर को राज्यपाल उत्सव का शुभारंभ करेंगे, जबकि 27 अक्तूबर को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ऐतिहासिक लंका दहन के साथ उत्सव का समापन करेंगे।

हिमाचल में टिकाऊ सड़कों के लिए नया रोडमैप तैयार

कोलतार की जगह नई तकनीक से बनेंगी टिकाऊ सड़कें, घटेगा रखरखाव का खर्च

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदाओं, भूस्खलन और भारी बारिश से सड़कों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने जलवायु अनुकूल सड़कों का रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत पारंपरिक बिटुमिन यानी कोलतार के विकल्प के रूप में सीमेंट कंक्रीट और अपशिष्ट प्लास्टिक मिश्रित तकनीक से टिकाऊ सड़कें बनाने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य सड़कों की आयु बढ़ाने के साथ मरम्मत पर होने वाले खर्च को कम करना और आपदा के दौरान भी संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना है।



हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों, पर्यटन, बागवानी और आपातकालीन सेवाओं की जीवनरेखा हैं। वर्ष 2023 की प्राकृतिक आपदा के दौरान मंडी, कुल्लू और चंबा समेत कई जिलों में सड़क संपर्क लंबे समय तक बाधित रहा था। इससे सेब ढुलाई, पर्यटकों की आवाजाही और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग अब ऐसी निर्माण तकनीकों पर ध्यान दे रहा है, जो बारिश और बदलती जलवायु के प्रभाव को बेहतर ढंग से झेल सकें।

विभाग के रोडमैप के अनुसार, सीमेंट कंक्रीट की सड़कें शुरुआती चरण में पारंपरिक सड़कों की तुलना में करीब 30 प्रतिशत अधिक खर्चीली हो सकती हैं। हालांकि, इनकी टिकाऊ क्षमता और रखरखाव की जरूरत को देखते हुए लंबे समय में लाभ मिलने की उम्मीद है। प्लास्टिक मिश्रित निर्माण सामग्री से तैयार सड़कों की आयु 20 से 30 वर्ष तक होने का दावा किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य ऐसी सड़कें विकसित करना है, जो भारी बारिश और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इससे सेना, पर्यटकों और सेब ढुलाई करने वाले वाहनों के लिए संपर्क व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

अब तक विभाग पानी से प्रभावित संवेदनशील स्थानों पर सड़क के छोटे हिस्सों की मरम्मत करता रहा है। कुछ स्थानों पर 100 से 500 मीटर तक प्लास्टिक मिश्रित सड़कें भी बनाई गई हैं। इन प्रयोगों में पानी के रिसाव को रोकने और सड़क की टिकाऊ क्षमता बढ़ाने के सकारात्मक परिणाम सामने आने का दावा किया गया है। हालांकि, इन तकनीकों का व्यापक उपयोग करने से पहले उनके प्रदर्शन का आकलन जरूरी होगा।

नई योजना में सड़क के साथ जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके तहत जरूरत के अनुसार पक्के कलवर्ट, नालियां और जल निकासी मार्ग विकसित किए जाएंगे, ताकि पानी सड़क की सतह और आधार को नुकसान न पहुंचाए। इसके अतिरिक्त पहाड़ियों को स्थिर रखने के लिए जैव अभियांत्रिकी, रॉक बोल्टिंग और वायर क्रेट जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इन उपायों से भूस्खलन के जोखिम को कम करने और सड़क की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

वर्ष 2023 की प्राकृतिक आपदा में लोक निर्माण विभाग को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने की जानकारी दी गई थी। प्रदेश के कई हिस्सों में सड़कें क्षतिग्रस्त होने और संपर्क मार्ग बाधित होने से राहत एवं बचाव कार्य भी प्रभावित हुए थे। सामान्य परिस्थितियों में भी सड़कों की मरम्मत और रखरखाव पर भारी खर्च करना पड़ता है।

ऐसे में विभाग का जोर केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी मजबूती, जल निकासी और ढलानों की सुरक्षा को भी निर्माण योजना का अनिवार्य हिस्सा बनाने पर है। नई तकनीकों का प्रभावी और वैज्ञानिक तरीके से इस्तेमाल होने पर सड़कों की आयु बढ़ाने, मरम्मत का खर्च घटाने और आपदा के समय यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद मिल सकती है।

अंडर-19 रग्बी में शिमला की टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अंडर-19 राज्यस्तरीय मेजर गेम्स प्रतियोगिता के तहत आयोजित रग्बी मुकाबलों में जिला शिमला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चंबा में हाल ही में संपन्न हुई प्रतियोगिता में शिमला के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, टीम भावना और अनुशासन का परिचय दिया। टीम की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से साबित किया कि मेहनत, लगन और आपसी तालमेल के दम पर खेल के मैदान में बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।



प्रतियोगिता में जिला शिमला की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मशोबरा, एमईएस हाई स्कूल मशोबरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चौपाल और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कैना के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने एकजुट होकर खेलते हुए टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिला शिमला की टीम के कोच नंदलाल शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के दौरान शानदार खेल दिखाया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और आपसी तालमेल के कारण टीम सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही। खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अपने कौशल और क्षमता का बेहतर प्रदर्शन किया।

कोच नंदलाल शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ खेलते हुए जिला शिमला और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल में शबनम ने बढ़ाया हिमाचल का गौरव मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिले के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के शेखूपुर गांव की अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी शबनम जस्सल को श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी है। उन्होंने शबनम की इस उपलब्धि को हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का विषय बताया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बेटियां खेलों के क्षेत्र में लगातार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल की महिला खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं। शबनम जस्सल की उपलब्धि भी इसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है। उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिलाया है।

उन्होंने कहा कि शबनम की सफलता प्रदेश की उभरती हुई महिला खिलाड़ियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी उपलब्धि से अन्य युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प जरूरी हैं।

मुख्यमंत्री ने शबनम जस्सल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वह आने वाले समय में भी सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि शबनम अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन से हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ देश का गौरव भी बढ़ाती रहेंगी।

सुन्नी में शस्त्र पूजन के साथ संघ का पथ संचलन

सुन्नी में विजयादशमी पर शस्त्र पूजन, संघ ने सामाजिक समरसता और राष्ट्र आराधना का दिया संदेश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के सुन्नी में मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से शस्त्र पूजन और पथ संचलन का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में संघ के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पथ संचलन सरस्वती विद्या मंदिर से शुरू होकर सुन्नी बाजार से गुजरा। इसके बाद शस्त्र पूजन और बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विजयादशमी के महत्व, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों पर विचार रखे गए।



◆ सरस्वती विद्या मंदिर से सुन्नी बाजार तक निकला पथ संचलन शस्त्र पूजन के बाद हुआ बौद्धिक कार्यक्रम

प्रचार प्रमुख प्रताप सिंह समयाल मुख्य वक्ता रहे, जबकि पूर्व आईपीएस अधिकारी रामेश्वर ठाकुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बौद्धिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रताप सिंह समयाल ने विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज को सकारात्मक विचारों के साथ आगे बढ़ने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पर्व से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

प्रताप सिंह समयाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका के बारे में जानकारी दी। संघ के 101वें वर्ष के संदर्भ में उन्होंने समाज में जातिवाद जैसी कुरीतियों पर चिंता जताई और सामाजिक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सामाजिक समरसता मजबूत होने से समाज में आपसी सहयोग और सद्भाव की भावना विकसित होती है।

समयाल ने राष्ट्र आराधना और संघ की पंच परिवर्तन योजना पर भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र आराधना में विश्वास करता है और हिंदू समाज को संगठित करने के लिए कार्य करता है। उन्होंने समाज के लोगों से देशहित में पंच परिवर्तन के विचारों को अपनाने का आह्वान किया। उनके अनुसार, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन कर विजयादशमी की परंपरा का निर्वहन किया। पथ संचलन के माध्यम से भी संघ की परंपराओं और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। आयोजन में राष्ट्र के प्रति समर्पण, सामाजिक सद्भाव और सामूहिक जिम्मेदारी जैसे विषय प्रमुख रहे।

राकेश कुमार प्रजापति के उपन्यास में रिश्तों और जीवन की उभरीं संवेदनाएं



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राकेश कुमार प्रजापति ने अपना पहला उपन्यास 'लाइटर दैन येस्टरडे' प्रस्तुत किया है। उनकी इस साहित्यिक कृति में जीवन की भागदौड़, सफलता की चाह और रिश्तों के महत्व को संवेदनशीलता के साथ उकेरा गया है। उपन्यास दादा और पोते के स्नेहिल रिश्ते के माध्यम से यह बताने का प्रयास करता है कि सफलता हासिल करने की दौड़ में व्यक्ति कई बार उन अपनों से दूर हो जाता है, जो उसके जीवन को वास्तविक अर्थ देते हैं।

यह कृति पाठकों को आत्मसंतोष, सच्ची खुशी और मानवीय संवेदनाओं पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है। इसमें रिश्तों की अहमियत और जीवन को समझने के नजरिए पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ साहित्य के क्षेत्र में राकेश कुमार प्रजापति की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है। उनके इस पहले उपन्यास के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। आशा जताई गई कि उनकी रचना पाठकों के बीच अपनी विशेष पहचान बनाएगी और उनका साहित्यिक सफर आगे भी जारी रहेगा।

33 वर्षों की सेवा के बाद कंपनी कमांडर दिनेश ठाकुर हुए सेवानिवृत्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश होमगार्ड की तीसरी बटालियन शिमला में कंपनी कमांडर के पद पर सेवाएं दे रहे जुंगा क्षेत्र के कढ़यार गांव निवासी दिनेश ठाकुर करीब 33 वर्षों के सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति पर होमगार्ड कमांडेंट शिमला कुलदीप कपिल की ओर से प्रीतिभोज और विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और विभाग के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।



◆ डीजी डिस्क से सम्मानित दिनेश ठाकुर ने 33 साल की सेवा के बाद ली सेवानिवृत्ति

दिनेश ठाकुर ने वर्ष 1993 में होमगार्ड विभाग में जवान के रूप में सेवाकाल शुरू किया था। उनकी कार्यकुशलता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए वर्ष 1995 में उन्हें सेक्शन ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद विभिन्न पदों पर सेवाएं देते हुए उन्होंने वर्ष 2016 में कंपनी कमांडर का पदभार संभाला। वह अक्तूबर 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहे।

अपने लंबे सेवाकाल के दौरान दिनेश ठाकुर ने सामान्य ड्यूटी के साथ मेलों के आयोजन, कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस प्रशासन के सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोरोना महामारी और विभिन्न आपदा संबंधी परिस्थितियों में भी उन्होंने समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2003 में उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित अर्धकुंभ के दौरान भी उन्होंने ड्यूटी दी।

वर्ष 2005 से 2016 तक उन्होंने केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), जुंगा में प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दीं और होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षित करने में योगदान दिया। इसके अलावा विभागीय आवश्यकताओं के अनुसार उन्होंने बटालियन में प्रशासनिक अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला।

पंचायत वेटेरनरी सहायकों ने अनुबंध लाभ के लिए मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पशुपालन विभाग में कार्यरत पंचायत वेटेरनरी सहायकों ने पांच साल की सेवा पूरी होने के बावजूद अनुबंध पर नहीं लाए जाने पर रोष जताया है। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से अनुबंध का लाभ देने की मांग की है। कर्मचारियों के अनुसार, इस संबंध में भेजी गई फाइल को वित्त विभाग से मंजूरी नहीं मिली है। वर्ष 2016-18 बैच के पशु औषधियोजकों को वर्ष 2020 में पंचायत वेटेरनरी सहायकों के पदों पर नियुक्त किया गया था। उनकी पांच साल की सेवा सितंबर 2025 में पूरी हो चुकी है, लेकिन अब तक उन्हें अनुबंध पर नहीं लाया गया है। वर्तमान व्यवस्था के तहत उन्हें पांच साल तक केवल 7,500 रुपये मासिक वेतन दिया जाता है। अनुबंध का लाभ नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने सवाल उठाया कि उनसे पहले नियुक्त वर्ष 2015-17 बैच के कर्मचारियों को वर्ष 2023 में अनुबंध का लाभ दिया गया था। ऐसे में पात्रता पूरी करने के बावजूद 2016-18 बैच को लाभ से वंचित रखना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द राहत देने की मांग की है।

खेलों से निखरेगी युवाओं की प्रतिभा, नशे से दूरी बनेगी पहचान : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेलों से युवाओं का शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ व सुदृढ़ बनता है। साथ ही वे नशे और अन्य असामाजिक गतिविधियों से भी दूर रहते हैं। शिक्षा मंत्री रविवार को जुब्बल उपमंडल के शुराचली क्षेत्र के ढाडी में नवयुवक मंडल ढाडी की ओर से आयोजित 'विकेश पनाटू मेमोरियल' वॉलीबाल प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए युवक मंडल को बधाई दी और उसे 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।



◆ ढाडी में वॉलीबाल प्रतियोगिता का समापन, युवक मंडल को 50 हजार रुपए देने की घोषणा

रोहित ठाकुर ने कहा कि वॉलीबाल पहाड़ी क्षेत्रों का लोकप्रिय खेल है। शिमला जिले ने इस खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 70 वर्षों में प्रदेश में खेल छात्रावासों की संख्या आठ थी, जो अब बढ़कर 12 हो गई है। इन छात्रावासों में प्रदेशभर के खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। खेलों के माध्यम से अब तक 300 युवाओं को खेल कोटे से रोजगार मिला है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शुराचली क्षेत्र से उनका भावनात्मक और पारिवारिक जुड़ाव है। इस क्षेत्र के विकास को हमेशा प्राथमिकता दी गई है। सरस्वती नगर-झड़ाशली मुख्य मार्ग को 17 करोड़ रुपये की लागत से स्तरोन्नत किया जा रहा है। चार करोड़ रुपये की लागत से 15 नई सड़कों का निर्माण किया गया है तथा 11 सड़कों को पक्का किया गया है। वार्षिक मरम्मत योजना के तहत एक करोड़ रुपये से पांच किलोमीटर लंबी भोलाड़-छुपाड़ी सड़क को भी स्तरोन्नत किया गया है।

उन्होंने बताया कि भोलाड़ में एक करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य जारी है, जिसे 31 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। चामशू में पब्बर नदी पर 5.55 करोड़ रुपये की लागत से पुल बनाया जा रहा है। इससे जुब्बल और रोहड़ू विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा। पिछले चार वर्षों में शुराचली और खनाशनी क्षेत्र में 35, जबकि पूरे जुब्बल विधानसभा क्षेत्र में 193 नई सड़कें स्वीकृत हुई हैं।

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश 21वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचा है। परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में भी प्रदेश ने 18वें स्थान

शिमला के हर वार्ड में बनेगी हाइड्रोलिक पार्किंग, बढ़ेंगी सुविधाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में पार्किंग की समस्या दूर करने के लिए नगर निगम हाइड्रोलिक पार्किंग बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत शहर के प्रत्येक वार्ड में लगभग 100 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग विकसित करने के लिए संभावित स्थलों को चिह्नित किया जाएगा। इस योजना का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्रालय की टीम मंगलवार को शिमला पहुंचेगी। नगर निगम के अधिकारी टीम को उन स्थानों का निरीक्षण करवाएंगे, जहां पार्किंग निर्माण की संभावनाएं हैं। नगर निगम प्रशासन को उम्मीद है कि योजना के सिरे चढ़ने से शहर में करीब 5000 अतिरिक्त वाहनों को खड़ा करने की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। इससे स्थानीय लोगों को पार्किंग की समस्या से राहत मिलेगी और सड़कों के किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों की समस्या कम करने में भी मदद मिलेगी। शिमला की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां पार्किंग के लिए पर्याप्त जमीन उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि सीमित जगह के कारण नई पार्किंग विकसित करना आसान नहीं है। ऐसे में हाइड्रोलिक पार्किंग को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा है। इस तकनीक के माध्यम से कम जगह में अधिक वाहनों को खड़ा किया जा सकता है। नगर निगम की ओर से विभिन्न वार्डों में ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां भौगोलिक और तकनीकी परिस्थितियों के अनुसार पार्किंग का निर्माण संभव हो। केंद्रीय टीम के निरीक्षण के बाद संभावित स्थलों और योजना की व्यवहार्यता को लेकर आगे की प्रक्रिया तय होने की उम्मीद है।

घेराबंदी श्रीकांत शर्मा का विपक्ष पर प्रहार, बोले- मतदाता सूचियों की शुद्धता से कांग्रेस में बौखलाहट

श्रीकांत शर्मा ने कांग्रेस-आप की राष्ट्रनीति पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं मथुरा से विधायक श्रीकांत शर्मा ने विजयादशमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की दुहाई देते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक आचरण राष्ट्रविरोधी ताकतों को अप्रत्यक्ष समर्थन देने वाला है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रति और तिरंगा लेकर चलने वाले विपक्षी नेताओं को अपने आचरण पर भी आत्ममंथन करना चाहिए।



भाजपा प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा।

श्रीकांत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई और घुसपैठ रोकने के लिए केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत की सख्त नीतियों के कारण आतंकवाद और सीमा पार से संचालित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर भी वोट बैंक की राजनीति करते हैं।

मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर कांग्रेस को घेरा : भाजपा प्रदेश प्रभारी ने मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस के विरोध पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूचियों का शुद्ध और पारदर्शी होना आवश्यक है। उनके अनुसार, जिन नामों के पते अथवा वास्तविक निवास का सत्यापन नहीं हो पाया है, उनकी नियमानुसार जांच की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी और अपात्र नामों को हटाने की प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय विपक्ष को निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग करना चाहिए।

श्रीकांत शर्मा ने कहा कि भाजपा की बढ़ती राजनीतिक ताकत से विपक्षी दल परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी भाजपा मजबूत होती है, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित अन्य विपक्षी दल अपने मतभेद भुलाकर एकजुट होने लगते हैं। उन्होंने दिल्ली के राजनीतिक घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए विपक्ष की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आतंकवाद पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वहीं, पंजाब में नशे की समस्या को लेकर भी उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। ऐसे अवसर पर समाज को आपसी मतभेद भुलाकर राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए।

पंजाब सरकार पर भी साधा निशाना

भाजपा नेता ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में नशा माफिया और अवैध गतिविधियों पर अपेक्षित नियंत्रण नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार और माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई जरूरी है। भाजपा इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता रहा है और अब सत्ता परिवर्तन तथा व्यवस्था परिवर्तन जैसे मुद्दों के जरिए राजनीतिक माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। उनके अनुसार, विपक्ष की बयानबाजी उसकी राजनीतिक मंशा को उजागर करती है। अंत में श्रीकांत शर्मा ने विजयादशमी को सत्य, न्याय और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक बताते हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती सर्वोपरि है। उन्होंने प्रदेशवासियों से पर्व की भावना के अनुरूप सकारात्मकता और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का विरोध कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही हैं। उनके अनुसार, मतदाता सूची में पारदर्शिता बनाए रखना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है।





आभार

हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचारपत्र भारतेन्दु शिखर द्वारा प्रकाशित विशेषांक में सहयोग देने पर सभी विज्ञापनदाता बंधुओं का हृदय से आभार। आशा है भविष्य में भी आपका सहयोग यथावत बना रहेगा।

धनेश गौतम
ब्यूरो चीफ भारतेंदु शिखर
कुल्लू एवं लाहुल स्पीति


सुंदर ठाकुर
विधायक एवं अध्यक्ष
दशहरा उत्सव कमेटी


डॉक्टर अमित शर्मा
उपायुक्त एवं उपाध्यक्ष
दशहरा उत्सव कमेटी


राम सिंह मियां
अध्यक्ष APMC
कुल्लू एवं लाहुल-स्पीति


तेजा ठाकुर
कांग्रेस युवा नेता



एन एच पी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)
NHPC Limited
(A Government of India Navratna Enterprise)

Great Place To Work. Certified JAN 2026-JAN 2027 INDIA



अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा-26 के अवसर पर पार्बती-II पावर स्टेशन की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ व अभिनन्दन



सौजन्य से : पार्बती-II पावर स्टेशन (800 मेगावाट), नगवाईं

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं



किशन ठाकुर
अध्यक्ष
बॉक्सिंग एसोसिएशन जिला कुल्लू





वर्ष 1977 से कला संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन सहित समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर रूप से कार्यरत हिमाचल प्रदेश की अग्रणी संस्था सूत्रधार कला संगम कुल्लू के स्वर्ण जयंती वर्ष के पावन अवसर पर आपको परिवार व प्रियजनों सहित

कुल्लू दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश सेन
अध्यक्ष, सूत्रधार
कला संगम कुल्लू

With Best Complements on Dushehra Festival - 2026" From:-
HARISONS HYDEL CONSTRUCTION CO. PVT. LTD.
H.O. Akhara Bazar Kullu (H.P.)-175101
BRAHMGANGA HYDRO ELECTRIC PROJECT (5MW)
MANIKARAN, DISTT. KULLU (H.P.)- 175105.
Email: hhcpl_kullu@yahoo.co.in Mob: 98160-24893
CLEAN ENERGY, GREEN ENERGY



Heartiest Congratulations on the occasion of
Dussehra Festival 2026 From

Usaka Hydro Powers Pvt. Ltd.

V.P.O Badai (Khalara Nallah), Tehsil & Distt. Kullu (H.P)

Thanking You.
For Usaka Hydro Powers (P) Ltd.



कुल्लू दशहरा उत्सव
सत्यमेव जयते हिमाचल प्रदेश सरकार

अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा 2026

की हार्दिक शुभकामनाएं


श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू
माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश


श्री कविंद्र गुप्ता
माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश


श्री सुन्दर सिंह ठाकुर
विधायक विधानसभा क्षेत्र कुल्लू एवं
अध्यक्ष दशहरा उत्सव समिति

देव महा समागम कुल्लू दशहरा के शुभारंभ अवसर पर

श्री कविंद्र गुप्ता

माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश
के पधारने पर हार्दिक अभिनंदन

मुख्य आकर्षण

- सांस्कृतिक संध्याएं
- ग्लोबल डांस
- लेज़र शो
- ड्रोन शो
- खेलकूद प्रतियोगिताएँ
- लालड़ी लोक नृत्य
- कुल्लू कार्निवाल


डा. अमित कुमार शर्मा, भा.प्र.से.
उपायुक्त कुल्लू एवं उपाध्यक्ष
कुल्लू दशहरा उत्सव समिति


अभिषेक एस., भा.पु.से.
पुलिस अधीक्षक, कुल्लू

आयोजक – दशहरा उत्सव समिति, कुल्लू (हि.प्र.)

दिल्ली रैली से पहले पंजाब कांग्रेस ने मतदाता सूची जांच अभियान तेज किया

गांवों में चौपाल लगाकर मतदाता सूची खंगालेगी पंजाब कांग्रेस, दिल्ली रैली की तैयारियां तेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली से पहले पंजाब कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने अभियान को जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए सभी जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) के प्रधानों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अगले एक महीने के लिए कार्यक्रमों का विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इसके तहत मतदाता सूचियों की जांच, नए मतदाताओं के नामों का सत्यापन और गांवों में चौपाल बैठकें आयोजित की जाएंगी। पार्टी का लक्ष्य मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को उठाने के साथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और दिल्ली रैली में अधिक से अधिक नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है।



पंजाब कांग्रेस के प्रधान परगट सिंह।

पंजाब में इस अभियान के समन्वय की जिम्मेदारी संभाल रहे एसआइआर के मुख्य समन्वयक हरदीप सिंह किंगड़ा ने जिला प्रधानों को पत्र लिखकर तय कार्यक्रम के अनुसार काम करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी नेतृत्व ने अभियान को केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित न रखकर गांवों और बूथों तक पहुंचाने पर जोर दिया है। इसके लिए वरिष्ठ नेताओं, ब्लॉक प्रधानों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 26 अक्टूबर को जिला कांग्रेस कमेटियों के प्रधान प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इनमें वरिष्ठ नेताओं को शामिल कर अभियान के उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। इसके अगले दिन, 27 अक्टूबर को वरिष्ठ कांग्रेस नेता ब्लॉक प्रधानों के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों में मतदाता सूची सत्यापन अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा होगी।

28 अक्टूबर को ब्लॉक प्रधान बूथ स्तर पर बैठकें करेंगे। इन बैठकों में बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) की भूमिका, मतदाता सूची में दर्ज नामों की जांच और नए मतदाताओं से संबंधित जानकारी जुटाने पर जोर दिया जाएगा। पार्टी की योजना है कि प्रत्येक स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर अभियान को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाए। कांग्रेस की ओर से 27 अक्टूबर से चार नवंबर तक मतदाता सूचियों की जांच का कार्यक्रम तय किया गया है। इस दौरान नए मतदाताओं के नामों और सूची में दर्ज अन्य विवरणों की पड़ताल की जाएगी। पार्टी कार्यकर्ता मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या नाम छूटने से जुड़े मामलों की जानकारी जुटाएंगे। पांच नवंबर को ब्लॉक प्रधान जांच की गई सूचियों और नए दर्ज नामों की समीक्षा करेंगे।

इस प्रक्रिया के माध्यम से पार्टी मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं की पहचान करने और उन्हें संबंधित स्तर पर उठाने की तैयारी कर रही है। बूथ स्तर पर होने वाली बैठकों में कार्यकर्ताओं को यह भी बताया जाएगा कि मतदाता सूची की जांच करते समय किन पहलुओं पर विशेष ध्यान देना है।

कांग्रेस ने आठ से 24 नवंबर तक गांवों में चौपाल बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई है। इन बैठकों में स्थानीय लोगों को शामिल किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता यह जानने का प्रयास करेंगे कि मतदाता सूची से किन लोगों के नाम हटे हैं और कितने बुजुर्ग मतदाता इससे प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और विवरणों की जांच से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

मोहाली में 3.81 करोड़ लेकर यूनिट का नहीं किया समझौता, रेरा ने प्रमोटर को दिया झटका

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली



सुषमा एम्पीरिया प्रोजेक्ट में 3.81 करोड़ रुपये लेने के बावजूद व्यावसायिक इकाई का बिक्री समझौता नहीं करने के मामले में रेरा पंजाब ने प्रमोटर को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। प्राधिकरण ने मृत आवंटी के कानूनी वारिसों के पक्ष में सेल एग्रीमेंट करने और यूनिट का हस्तांतरण पूरा करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही निर्धारित अवधि के लिए 12 प्रतिशत सालाना की दर से सुनिश्चित रिटर्न देने तथा वास्तविक और वैध कब्जा सौंपने में देरी होने पर नियमानुसार ब्याज चुकाने के निर्देश दिए हैं।

रेरा सदस्य अरुणवीर वशिष्ट ने 14 अक्टूबर 2026 को मामले में फैसला सुनाया। शिकायत मेजर जनरल शमशेर सिंह चौहान के निधन के बाद उनके कानूनी वारिसों ने दायर की थी। प्राधिकरण ने प्रमोटर को कारपेट एरिया में कथित कमी से संबंधित दस्तावेज भी पेश करने के निर्देश दिए हैं।

शिकायत के अनुसार, मेजर जनरल शमशेर सिंह चौहान ने 29 जनवरी 2020 को परियोजना में कंप्लीट बिजनेस यूनिट नंबर-12 बुक कराई थी। इसके लिए उन्होंने 3.81 करोड़ रुपये की मूल बिक्री कीमत का भुगतान किया था। हालांकि, उनके पक्ष में लिखित और पंजीकृत बिक्री समझौता नहीं किया गया। 22 नवंबर 2020 को चौहान का निधन हो गया। इसके बाद उनके कानूनी वारिसों ने यूनिट अपने नाम करवाने के लिए जरूरी दस्तावेज जमा कराए, लेकिन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई।

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बुकिंग के समय यूनिट का कारपेट एरिया 5040 वर्ग फुट बताया गया था, जबकि बाद के विवरण में करीब 817 वर्ग फुट की कमी सामने आई। उन्होंने लगभग 69.23 लाख रुपये की अतिरिक्त वसूली किए जाने का भी आरोप लगाया।

न्यूज ब्रीफ

झोटा हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपने का पंजाब सरकार का फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने परमिंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परिवार की मांग को स्वीकार करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे परमिंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ पंजाब सरकार मजबूती से खड़ी है। उन्होंने नशा तस्करों के खिलाफ अभियान जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार कोई भी सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे से पहले लिया गया है।

कड़े बेचने वाले हेमराज की चमकी किस्मत लॉटरी में जीते 21 लाख रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। कहते हैं कि किस्मत कब बदल जाए, कोई नहीं जानता। ऐसा ही आनंदपुर साहिब निवासी हेमराज के साथ हुआ, जो कड़े बेचने की फड़ी लगाते हैं। हेमराज ने चार अक्टूबर को घोषित राजश्री-50 रवि वीकली लॉटरी के ड्रॉ में 21 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार जीता। यह टिकट आनंदपुर साहिब स्थित मनराज लॉटरी से खरीदी गई थी। इसके अगले दिन, पांच अक्टूबर को जीरकपुर स्थित मनचंदा लॉटरी की ओर से बेची गई टिकट पर भी 21 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार निकला। वहीं, 17 अक्टूबर को नागपुर में एक अन्य टिकट पर 21 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार लगा।

गिल पैलेस में आग लगने से करोड़ों रुपए का सामान जलकर हुआ राख

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब। बस्सी पठाना के मुख्य मार्ग पर स्थित गिल पैलेस में दशहरे के दिन तड़के भीषण आग लग गई। हादसे में पैलेस में रखा करोड़ों रुपये का फर्नीचर और अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। आग से आगामी दिनों में होने वाली शादियों की बुकिंग भी प्रभावित होने की आशंका है। पैलेस के मालिक अमनदीप सिंह ने बताया कि सुबह करीब चार बजे एक राहगीर ने फोन कर आग लगने की सूचना दी। इसके बाद तुरंत अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचित किया गया। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि पैलेस में नवीनीकरण का काम चल रहा था। आग में सोफे, कुर्सियां, मेज, मैटिंग, सजावटी फूल और अन्य सामान जल गया। आगामी दिनों में कई विवाह समारोह आयोजित होने थे। मालिक ने कहा कि प्रभावित परिवारों से बातचीत कर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी, ताकि उनके समारोह प्रभावित न हों।

मोहाली में पत्नी-बेटे के निधन से दुखी ठेकेदार ने की आत्महत्या

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। खरड़ के छज्जू माजरा स्थित मॉडल टाउन में 57 वर्षीय सरकारी ठेकेदार शरणजीत सिंह ने लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के बेडरूम में बिस्तर के पास फर्श पर खून से लथपथ मिला। बताया जा रहा है कि बेटे और पत्नी की मौत के बाद से वह मानसिक तनाव में थे। शरणजीत सिंह अपनी पांच बेटियों और 73 वर्षीय सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार पिता छिंदर सिंह के साथ रहते थे। मंगलवार दोपहर उनके पिता एक पोती के साथ सीपी मॉल गए हुए थे। इसी दौरान दूसरी पोती सुखमनी ने फोन कर पिता को गोली लगने की सूचना दी। घर पहुंचने पर छिंदर सिंह ने बेटे को घायल अवस्था में पाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शरणजीत को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी के अनुसार, शरणजीत के बेटे अमनजीत सिंह की वर्ष 2018 में और पत्नी डॉ. सुखदीप कौर की वर्ष 2025 में मौत हो गई थी। इसके बाद से वह परेशान रहने लगे थे और उन्होंने सरकारी ठेके लेने का काम भी छोड़ दिया था। पुलिस ने पिता के बयान के आधार पर कार्रवाई की है।

डेंटिस्ट अपहरण केस में गोपनीय जानकारी लीक सीबीआई अदालत ने कर्मचारी का किया तबादला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



सेक्टर-21 निवासी डेंटिस्ट डॉ. मोहित धवन के अपहरण मामले में सीबीआई अदालत से जुड़ी गोपनीय जानकारियां लीक होने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता डॉ. धवन ने आरोप लगाया है कि अदालत की कार्यवाही से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं बाहर पहुंच रही हैं और इनका लाभ मामले के आरोपित पुलिसकर्मी उठा रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने एक कर्मचारी का तबादला कर दिया है। साथ ही, मामले की आगे की सुनवाई खुली अदालत के बजाय बंद कमरे में करने का निर्णय लिया गया है, ताकि संवेदनशील जानकारियां सार्वजनिक न हों और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित न हो।

डॉ. मोहित धवन ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन सेल में तैनात रहे इंस्पेक्टर हरिंदर सिंह सेखों उन पर लगातार समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। उनके अनुसार, सेखों अपने परिवार, मित्रों और परिचितों के माध्यम से भी उन्हें परेशान कर रहे हैं। इस संबंध में डॉ. धवन ने कार्रवाई की मांग करते हुए सीबीआई अदालत में आवेदन दिया था। उनका कहना है कि अदालत की कार्यवाही से जुड़ी गोपनीय जानकारी आरोपितों तक पहुंचने से मामले की निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होने की आशंका है।

अदालत ने कर्मचारियों की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताई। न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि कुछ कर्मचारी काम के प्रति लापरवाह और अक्षम होने के बावजूद अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अदालत में तैनाती हासिल करने में सफल हो रहे हैं। गोपनीय सूचनाएं बाहर जाने की शिकायत के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई बंद कमरे में करने का फैसला लिया है।

सीबीआई के अनुसार, यह मामला सात जनवरी 2022 का है। डॉ. धवन को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश के तहत चंडीगढ़ के सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत में पेश होना था। आरोप है कि सुबह करीब 10:20 से 10:30 बजे के बीच सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उन्हें एक निजी हुंडई आई-20 कार में बैठा लिया।

पठानकोट में रिश्वत लेते एसएचओ गिरफ्तार नाम हटाने के लिए मांगे थे पांच लाख रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पठानकोट जिले के धार कलां थाने में तैनात इंस्पेक्टर एवं एसएचओ गुलशन कुमार को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने एक मामले में शिकायतकर्ता का नाम हटाने के बदले पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। विजिलेंस टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली है।

विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता के अनुसार, अमृतसर के एक सेवानिवृत्त एलआईसी प्रबंधक ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि पठानकोट जिले के गांव ढांगू सारा में स्थित उसके छोटे भाई के रेस्तरां 'मधुबन' में झगड़ा हुआ था। इस घटना में दोनों पक्षों के कुछ लोगों को मामूली चोटें आई थीं। इसके बाद पुलिस ने रेस्तरां के कर्मचारी कृष्णा और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धार कलां थाने में प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायतकर्ता का नाम भी मामले में संदिग्ध व्यक्ति के रूप में शामिल किया गया था।

शिकायत के मुताबिक, थाना धार कलां के एसएचओ इंस्पेक्टर गुलशन कुमार ने शिकायतकर्ता का नाम मामले से हटाने के बदले पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में 2.5 लाख रुपये किश्तों में देने पर सहमति बनी। इसमें पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपये दिए जाने थे।

शिकायतकर्ता ने कथित रिश्वत मांगने से संबंधित बातचीत भी रिकॉर्ड कर ली थी। इसके बाद उसने विजिलेंस ब्यूरो की संबंधित रेंज से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी और कार्रवाई की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस ब्यूरो की पठानकोट टीम ने मामले की जांच की और निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की योजना बनाई। टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किश्त देने के लिए भेजा। इसी दौरान इंस्पेक्टर गुलशन कुमार को एक लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। विजिलेंस टीम ने मौके से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली।

आठ साल पुराने मामले में पटियाला अदालत ने सुनाई एक साल की कैद

मानहानि मामले में सजा के खिलाफ ऊपरी अदालत जाएंगे कांग्रेस नेता सिमरजीत सिंह बैंस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



कांग्रेस नेता और लुधियाना के आत्म नगर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस ने आपराधिक मानहानि मामले में मिली एक साल की कैद की सजा को चुनौती देने का फैसला किया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेंगे। बैंस ने स्पष्ट किया कि उनकी कानूनी लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है और वह न्याय पाने के लिए सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

पटियाला की अदालत ने आठ साल पुराने आपराधिक मानहानि मामले में बैंस को एक साल की कैद की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब बैंस लोक इंसाफ पार्टी के प्रमुख थे। उस समय उन्होंने पंजाब के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा पर दवाइयों और नशा मुक्ति केंद्रों से संबंधित कथित अनियमितताओं को लेकर आरोप लगाए थे। इन बयानों के बाद ब्रह्म मोहिंद्रा ने अपनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद अदालत में मामले की सुनवाई शुरू हुई, जो कई वर्षों तक जारी रही। फैसले से पहले इस मामले में कुल 297 बार सुनवाई हुई।

पत्रकारों से बातचीत में बैंस ने कहा कि वह सबसे पहले सत्र न्यायालय में फैसले को चुनौती देंगे। यदि वहां से उन्हें राहत नहीं मिलती है, तो वह पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि वह न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं और अदालतों के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे। उनके अनुसार, सजा सुनाए जाने के बावजूद उनके लिए जनहित के मुद्दे उठाने का सिलसिला जारी रहेगा।

बैंस ने कहा कि वह पंजाब में भ्रष्टाचार और समाज विरोधी गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। आगे भी जनता से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में जब यह मामला दर्ज हुआ था, तब वह और ब्रह्म मोहिंद्रा अलग-अलग राजनीतिक दलों से जुड़े हुए थे। हालांकि, अब दोनों कांग्रेस से संबंधित हैं। बैंस ने दावा किया कि उस समय उनके बयान पंजाब के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाने के उद्देश्य से दिए गए थे।

बैंस ने बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मानहानि मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनाई थी। बैंस ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में अपना विश्वास जताते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मामलों पर आवाज उठाना जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एक साल की सजा से उनके हौसले कमजोर नहीं होंगे। वह जनता से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात कहते रहेंगे और कानूनी लड़ाई भी जारी रखेंगे।

मानसा में हेड कांस्टेबल ने परिवार पर चलाई गोलियां, बेटे की मौत, खुद भी दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, मानसा। पंजाब के मानसा में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। झुझार नगर में मानसा खुर्द रोड स्थित अपने निर्माणाधीन मकान में पंजाब पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने अपने ही परिवार पर गोलियां चला दीं। घटना में उसके एक बेटे की मौत हो गई, जबकि पत्नी और दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद हेड कांस्टेबल ने खुद को भी गोली मारकर जान दे दी।



◆ पत्नी और दूसरा बेटा गंभीर घायल, पारिवारिक विवाद के चलते जताई गई घटना की आशंका

हेड कांस्टेबल गुरविंदर सिंह मानसा के उपायुक्त के गनमैन के रूप में तैनात था। वह सोमवार शाम को ही अपने परिवार के साथ नए मकान में रहने आया था। परिवार में उसकी पत्नी हरप्रीत कौर और दो बेटे जोत सिंह व दिलशान सिंह थे। मंगलवार सुबह उसने अपने सरकारी हथियार से परिवार के सदस्यों पर गोलियां चला दीं। इस दौरान बेटे जोत सिंह की मौत हो गई, जबकि पत्नी और दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए बठिंडा के अस्पताल में रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलने के बाद मानसा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव चौधरी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से सरकारी हथियार कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना के वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच से जुड़े जरूरी साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए हैं। घायल मां-बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

सचिन पायलट की तारीफ और राहुल के बयान से कैप्टन की वापसी को लेकर बढ़ीं चर्चाएं

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। पंजाब कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में बदलाव और पार्टी की चुनावी तैयारियों के बीच कैप्टन का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। कांग्रेस ने हाल ही में अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह प्रगट सिंह को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, चुनावी तैयारियों की निगरानी के लिए सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। इसी बीच पायलट की ओर से कैप्टन की तारीफ किए जाने और राहुल गांधी द्वारा उन्हें अपना पसंदीदा नेता बताए जाने से राजनीतिक अटकलों को और बल मिला है।



राहल गांधी, कैप्टन अमरिंदर सिंह और सचिन पायलट

समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में सचिन पायलट से पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की संभावना के बारे में सवाल किया गया। इस पर पायलट ने कहा कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कैप्टन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने पंजाब की अच्छी सेवा की है और वह बहुत बड़े कद के नेता हैं। हालांकि, पायलट ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी कैप्टन से इस विषय पर कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है कि कैप्टन भविष्य में किसी पार्टी में शामिल होने या मौजूदा पार्टी छोड़ने को लेकर क्या योजना बना रहे हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम इससे पहले राहुल गांधी के एक बयान के कारण भी चर्चा में आया था। छात्रों के साथ इंस्टाग्राम पर आयोजित सवाल-जवाब सत्र में राहुल गांधी से पूछा गया कि भाजपा में उनका पसंदीदा नेता कौन है। इस पर उन्होंने कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिया। राहुल ने कहा कि उनके और कैप्टन के बीच अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कैप्टन को मिलनसार बताते हुए उनके सैन्य इतिहास के ज्ञान की भी सराहना की। राहुल के इस बयान को दोनों नेताओं के पुराने व्यक्तिगत संबंधों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि गांधी परिवार के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध बने रहेंगे, लेकिन राजनीतिक रूप से वह भाजपा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ उनके निजी रिश्ते अपनी जगह हैं। व्यक्तिगत स्तर पर वह जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। हालांकि, उन्होंने निजी संबंधों और राजनीतिक विचारधारा को अलग-अलग रखने की बात कही है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह का कांग्रेस में कई दशकों का राजनीतिक अनुभव रहा है। वह दो बार पंजाब के मुख्यमंत्री रहे। उनका पहला कार्यकाल वर्ष 2002 से 2007 तक और दूसरा कार्यकाल वर्ष 2017 से 2021 तक रहा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता में वापसी की थी।

हालांकि, बाद के वर्षों में कैप्टन और कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के बीच मतभेद बढ़ने लगे। नवजोत सिंह सिद्धू के साथ उनका टकराव भी पार्टी के भीतर विवाद का प्रमुख कारण बना। जुलाई 2021 में सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद नेतृत्व और चुनावी वादों को लेकर विवाद और गहरा गया। 18 सितंबर 2021 को कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

आधी रात के बाद भी उड़ान भरेगा विमान चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बढ़ेगा संचालनकाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, चंडीगढ़ से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। एयरपोर्ट पर धीरे-धीरे 24 घंटे उड़ानों के संचालन की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शीतकालीन उड़ान समय-सारिणी में देर रात और आधी रात के बाद भी विमानों की आवाजाही के लिए समय निर्धारित किया गया है। नई समय-सारिणी के तहत अब चंडीगढ़ से बेंगलुरु के लिए आधी रात के बाद उड़ान रवाना होगी, जबकि मुंबई से आने वाली उड़ान भी देर रात एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। इससे यात्रियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे और रात के समय भी हवाई संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है।

आधी रात 12:45 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान : शीतकालीन समय-सारिणी के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु जाने वाली उड़ान चंडीगढ़ से रात 12:45 बजे रवाना होगी। यह विमान सुबह 9:10 बजे बेंगलुरु से उड़ान भरकर दोपहर 12:20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। इसके बाद दोपहर 1:50 बजे शारजाह के लिए रवाना होगा और रात 11:05 बजे वापस चंडीगढ़ पहुंचेगा। इसके बाद यही विमान आधी रात के बाद फिर बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगा। इस उड़ान का फ्लेक्सी किराया 7,823 रुपये बताया गया है।



मुंबई से चंडीगढ़ आने वाली इंडिगो की उड़ान भी शीतकालीन समय-सारिणी में देर रात संचालित होगी। यह विमान रात 10:05 बजे मुंबई से उड़ान भरकर लगभग दो घंटे 15 मिनट बाद रात 12:20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। इस उड़ान का फ्लेक्सी किराया 9,823 रुपये बताया गया है। वर्तमान में चंडीगढ़ से मुंबई के लिए सुबह 5:15 बजे रवाना होने वाली इंडिगो की उड़ान दिन की पहली उड़ान है।

अब तक चंडीगढ़ एयरपोर्ट को 24 घंटे परिचालन के लिए उपलब्ध बताया जाता था, लेकिन देर रात उड़ानों की संख्या सीमित थी। ग्रीष्मकालीन समय-सारिणी में चंडीगढ़ से रात 10:55 बजे पुणे के लिए आखिरी उड़ान रवाना होती थी। इसके बाद रात में दूसरी उड़ान के रवाना होने का विकल्प नहीं था। नई समय-सारिणी में बदलाव से एयरपोर्ट पर देर रात विमानों की आवाजाही बढ़ेगी। इससे यात्रियों को सुविधाजनक समय पर यात्रा करने का अवसर मिलेगा और चंडीगढ़ एयरपोर्ट के 24 घंटे संचालन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

लद्दाख को मिलेगा पहला सरकारी मेडिकल कॉलेज, 2027-28 से शुरू होगी पढ़ाई

लेह मेडिकल कॉलेज के लिए 103 नियमित पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

भारतेन्दु संवाददाता, लेह

लद्दाख में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शैक्षणिक सत्र 2027-28 से लेह में क्षेत्र का पहला सरकारी मेडिकल कॉलेज शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस फैसले से लद्दाख में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है। साथ ही, क्षेत्र में चिकित्सकीय प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं के दीर्घकालिक विकास को भी गति मिल सकती है।

मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के लिए 103 नियमित पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्ती किए जाने की तैयारी है। इससे कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक शैक्षणिक और सहायक कर्मचारियों की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी। लद्दाख में सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना लंबे समय से अपेक्षित थी। अब केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद इस दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हुआ है। कॉलेज खुलने से स्थानीय विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिल सकेंगे और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।



निर्माण के साथ भर्ती की तैयारी

इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए लद्दाख के उपराज्यपाल ने 13 जुलाई 2026 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखा था। इसमें मेडिकल कॉलेज के लिए फैकल्टी और सहायक कर्मचारियों की भर्ती शुरू करने से पहले बुनियादी ढांचे का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा होने की शर्त में छूट देने का अनुरोध किया गया था। इसका उद्देश्य निर्माण कार्य के साथ-साथ कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता आसान बनाना था। अब शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कॉलेज शुरू करने की मंजूरी मिलने के बाद इसके संचालन की तैयारियों पर ध्यान दिया जाएगा। 103 नियमित पदों पर चरणबद्ध भर्ती और बुनियादी ढांचे से जुड़ी प्रक्रिया इस दिशा में महत्वपूर्ण होंगी। मेडिकल कॉलेज की स्थापना से लद्दाख में चिकित्सा शिक्षा का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय विद्यार्थियों को अवसर मिलने के साथ क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के दीर्घकालिक विकास को भी सहारा मिल सकता है।

लेह में मेडिकल कॉलेज शुरू होने से क्लिनिकल प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यह संस्थान भविष्य में लद्दाख की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देने में योगदान दे सकता है। हालांकि, कॉलेज में उपलब्ध सीटों, पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रिया के विस्तृत विवरण की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

लद्दाख में बढ़ेंगे चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर

लद्दाख में सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना लंबे समय से अपेक्षित थी। अब केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद इस दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हुआ है। कॉलेज खुलने से स्थानीय विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिल सकेंगे और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। लेह में मेडिकल कॉलेज शुरू होने से क्लिनिकल प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यह संस्थान भविष्य में लद्दाख की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देने में योगदान दे सकता है। हालांकि, कॉलेज में उपलब्ध सीटों, पाठ्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रिया के विस्तृत विवरण की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद लद्दाख में लागू हुआ संशोधन विनियमन

लद्दाख के सभी आठ जिलों में बनेंगी पहाड़ी विकास परिषदें

भारतेन्दु संवाददाता, लेह



लद्दाख के सभी आठ जिलों में स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के गठन का रास्ता साफ हो गया है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 'लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (संशोधन) विनियमन, 2026' को अधिसूचित कर दिया है। यह विनियमन 19 अक्टूबर 2026 से प्रभावी हो गया है। इसके तहत केंद्रशासित प्रदेश के सभी आठ जिलों में पहाड़ी परिषदों के गठन का प्रावधान लागू होगा।

हाल ही में साकूं को नया जिला बनाए जाने के बाद लद्दाख में जिलों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। ऐसे में सभी जिलों में पहाड़ी परिषदों के गठन से स्थानीय स्तर पर विकास और प्रशासन से जुड़े मामलों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने की व्यवस्था को विस्तार मिलेगा। यह कदम क्षेत्र की स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए संशोधित विनियमन को अधिसूचित किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'लद्दाख

◆ नए जिले साकूं समेत लद्दाख के सभी जिलों में बनेंगी परिषदें

स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (संशोधन) विनियमन, 2026' को लागू किए जाने के बाद इसे 19 अक्टूबर से प्रभावी करने के लिए अधिसूचित किया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14 अक्टूबर को इन संशोधनों को मंजूरी दी थी। इसके छह दिनों के भीतर ही उपराज्यपाल ने विनियमन को अधिसूचित कर दिया। इससे सभी आठ जिलों में पहाड़ी परिषदों के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आधार तैयार हो गया है।

लद्दाख जैसे भौगोलिक और क्षेत्रीय विविधता वाले केंद्रशासित प्रदेश में स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास योजनाओं का महत्व अधिक है। पहाड़ी परिषदों के गठन का प्रावधान इसी संदर्भ में अहम है। इसके माध्यम से जिलों में स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े विषयों को संस्थागत रूप देने की दिशा में काम किया जा सकेगा।

संशोधित विनियमन की अधिसूचना के बाद अब सभी आठ जिलों में परिषदों के गठन से संबंधित आगे की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में परिषदों के गठन की समयसीमा, सदस्यों की संख्या और उनके अधिकारों से जुड़ा विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

स्मार्ट मीटर के खर्च पर सज्जाद लोन का हमला-

मुफ्त बिजली के वादे पर घिरी उमर सरकार सज्जाद लोन बोले- वोट देने वालों से हुआ मजाक

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में स्मार्ट मीटर लगाने की व्यवस्था और 200 यूनिट मुफ्त बिजली के चुनावी वादे को लेकर सियासत तेज हो गई है। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली कनेक्शन लेने के लिए कुछ उपभोक्ताओं को चार से पांच हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। लोन के मुताबिक, स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी प्रत्येक घर के लिए अधिकतम चार मीटर केबल उपलब्ध कराती है।

इसमें दो मीटर इनपुट और दो मीटर आउटपुट के लिए होते हैं। यदि बिजली के खंभे से घर तक कनेक्शन पहुंचाने के लिए इससे अधिक केबल की जरूरत पड़ती है, तो अतिरिक्त केबल का खर्च उपभोक्ता को स्वयं उठाना पड़ता है। इससे उन परिवारों की परेशानी बढ़ सकती है, जिनके घर बिजली के खंभों से दूर स्थित हैं और जिनकी आमदनी सीमित है। लोन ने दावा किया कि अतिरिक्त खर्च वहन नहीं करने पर उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन मिलने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने चुनाव के दौरान किए गए 200 यूनिट मुफ्त बिजली के वादे पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, सरकार को सत्ता में आए दो साल बीतने के बावजूद लोगों को मुफ्त बिजली का लाभ नहीं मिला है।

लोन ने आरोप लगाया कि मुफ्त बिजली का वादा चुनाव में वोट हासिल करने का एक प्रमुख माध्यम बना था, लेकिन अब लोगों को कनेक्शन और स्मार्ट मीटर के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान स्मार्ट मीटर व्यवस्था की आलोचना करने वालों की सरकार में अब लोगों को इसी व्यवस्था के लिए खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे मतदाताओं के साथ मजाक करार दिया। सज्जाद लोन के इन आरोपों से स्मार्ट मीटर नीति और मुफ्त बिजली के वादे को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। अब सरकार के जवाब और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर नजर रहेगी।

राजौरी में गुफा से हथियारों का जखीरा बरामद, जांच तेज

भारतेन्दु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान एक गुफा से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। कोटरंका तहसील के पंच गब्बर स्थित चोर हिल क्षेत्र में मिली इस सामग्री में नौ यूबीजीएल ग्रेनेड, एके-47 की एक मैगजीन और 18 कारतूस शामिल हैं। बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और मामले की जांच तेज कर दी गई है।



जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम को सुरक्षा बलों ने चोर हिल इलाके में तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान एक गुफा के अंदर संदिग्ध सामग्री छिपाकर रखे जाने का पता चला। जब सुरक्षा बलों ने गुफा की जांच की, तो वहां से नौ यूबीजीएल ग्रेनेड, एक एके-47 मैगजीन और 18 कारतूस बरामद हुए। इसके बाद सुरक्षा बलों ने गोला-बारूद को सुरक्षित तरीके से अपने कब्जे में ले लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि गुफा में हथियार और गोला-बारूद किसने छिपाए थे और इन्हें यहां रखने के पीछे क्या उद्देश्य था। पहाड़ी क्षेत्र में हथियारों की बरामदगी को देखते हुए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी या अन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा बल बरामद सामग्री से जुड़े तथ्यों और क्षेत्र की गतिविधियों की जांच कर रहे हैं।

दरबार मूव की तारीख तय, दो नवंबर से जम्मू में शुरू होगा सरकारी कामकाज

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार के सामान्य प्रशासनिक विभाग (जीएडी) ने वर्ष 2026-27 के शीतकालीन सत्र के लिए दरबार मूव को लेकर आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित होने वाले सरकारी कार्यालय दो नवंबर 2026, सोमवार को जम्मू में दोबारा खुलेंगे। सरकार के इस फैसले के साथ ही सचिवालय और अन्य संबंधित विभागों के कार्यालयों को जम्मू स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। दरबार मूव के तहत कर्मचारियों को यात्रा के लिए 25 हजार रुपये का विशेष यात्रा भत्ता भी दिया जाएगा।

सरकारी आदेश संख्या 1664-2026 के अनुसार, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह वाले सरकारी कार्यालय 30 अक्टूबर, शुक्रवार को कार्यालय समय समाप्त होने के बाद श्रीनगर में बंद हो जाएंगे। वहीं, छह दिवसीय कार्य सप्ताह वाले कार्यालय 31 अक्टूबर, शनिवार को बंद किए जाएंगे। इसके बाद संबंधित कार्यालयों को जम्मू में निर्धारित तिथि पर कामकाज शुरू करने की व्यवस्था करनी होगी। प्रशासनिक स्तर पर कर्मचारियों और कार्यालयों के स्थानांतरण को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

मिलेगा 25 हजार रुपए का विशेष यात्रा भत्ता



दरबार मूव के तहत श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित होने वाले पात्र कर्मचारियों को 25 हजार रुपये का विशेष यात्रा भत्ता दिया जाएगा। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को कार्यालयों के स्थानांतरण के दौरान होने वाले यात्रा खर्च में सहायता प्रदान करना है। दरबार मूव जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक व्यवस्था की एक पुरानी परंपरा है, जिसके तहत मौसम के अनुसार सरकारी कार्यालयों का संचालन जम्मू और श्रीनगर से किया जाता है। गर्मियों में राजधानी सचिवालय श्रीनगर में कार्य करता है, जबकि सर्दियों के दौरान सरकारी कामकाज जम्मू से संचालित किया जाता है। दरबार मूव के दौरान कर्मचारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर सड़क परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) की बसों की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके साथ ही यात्रा के दौरान सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। कर्मचारियों के स्थानांतरण के दौरान प्रशासनिक कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी।

21 साल में नहीं बना सेब पैक-हाउस, केंद्र ने मांगे 4.16 करोड़



भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सेब उत्पादकों के लिए प्रस्तावित आधुनिक पैक-हाउस परियोजना 21 साल बाद भी शुरू नहीं हो सकी। अब केंद्र सरकार ने परियोजना के लिए जारी 1.42 करोड़ रुपये की सहायता राशि पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज जोड़कर कुल 4.16 करोड़ रुपये वापस मांगे हैं। यह परियोजना सेब की ग्रेडिंग, पैकिंग और भंडारण की आधुनिक सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 28 सितंबर 2005 को जम्मू-कश्मीर बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (जेकेएचपीएमसी) को 1.42 करोड़ रुपये जारी किए थे। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 3.88 करोड़ रुपये थी। इसका उद्देश्य कटाई के बाद सेब के नुकसान को कम करना और उत्पादकों को बेहतर बाजार मूल्य दिलाना था।

जेएंडके के पूर्व आइपीएस राम प्रकाश का निधन



भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासनिक हलकों से जुड़ी पुरानी शख्सियत तथा पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) अधिकारी राम प्रकाश का रविवार को चंडीगढ़ में निधन हो गया। वह जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन कैडर में तैनात रहे थे। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासन में कई वरिष्ठ पदों पर जिम्मेदारियां निभाईं। पेशेवर ईमानदारी और कार्यशैली के लिए उन्हें पुलिस तथा प्रशासनिक हलकों में याद किया जाता था। राम प्रकाश का करियर केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री जीएम शाह के साथ उनका कथित टकराव भी उनके सेवाकाल का चर्चित प्रसंग रहा। इस घटनाक्रम के कारण उनका नाम प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा में रहा।

माता वैष्णो देवी के दरबार में रिकॉर्ड भीड़



भारतेन्दु संवाददाता,कटड़ा। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। शारदीय नवरात्र के दौरान अब तक करीब चार लाख श्रद्धालु माता के दरबार में माथा टेक चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष श्रद्धालुओं की कुल संख्या एक करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। साफ मौसम और कटड़ा में उत्सव जैसे माहौल के बीच देशभर से भक्त लगातार पहुंच रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, 11 अक्टूबर को 47,574 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि 17 अक्टूबर को यह संख्या 48,500 रही। सोमवार रात 10 बजे तक 32,400 से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। वहीं, भवन परिसर में आयोजित शतचंडी महायज्ञ में भी श्रद्धालु उत्साह से भाग ले रहे हैं। नवरात्र के दौरान भक्तों की निरंतर आमद से कटड़ा में धार्मिक गतिविधियां तेज हैं और बाजारों में भी रौनक बनी हुई है।

जम्मू-कश्मीर में 24 अक्टूबर को बारिश और हिमपात के आसार

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 23 अक्टूबर तक मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, 24 अक्टूबर को मौसम करवट ले सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार इस दिन ऊंचे इलाकों में हल्की बारिश और हिमपात होने के आसार हैं। कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

मौसम विभाग के नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक 20 से 23 अक्टूबर तक प्रदेश में सामान्यत: शुष्क मौसम बना रहेगा। हालांकि, 23 अक्टूबर की दोपहर बाद मौसम में बदलाव शुरू हो सकता है। इसके बाद 23 अक्टूबर की देर रात से 24 अक्टूबर की सुबह तक कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने 24 अक्टूबर को सामान्यत: बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान छिटपुट से लेकर कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्का हिमपात होने की संभावना है। इससे पहाड़ी इलाकों में मौसम का मिजाज बदल सकता है।

पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्टूबर से मौसम फिर सामान्यत: शुष्क होने की संभावना है। यह स्थिति 31 अक्टूबर तक बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने इस बीच किसानों को कटाई और अन्य कृषि संबंधी कार्य जारी रखने की सलाह दी है। विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, फिलहाल 24 अक्टूबर को संभावित मौसम परिवर्तन पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा।

रजोरी में नागरिकों को मिली सेना की ट्रेनिंग

सशक्त नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र: सेना ने दिया सुरक्षा प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, राजौरी



जम्मू-कश्मीर के राजौरी में भारतीय सेना ने नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आम लोगों को आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 'अपनी सेना के साथ प्रशिक्षण' नाम से आयोजित इस पहल की थीम 'सशक्त नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र' रखी गई। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को जीवनरक्षक कौशल सिखाने के साथ आधुनिक युद्ध की चुनौतियों, व्यक्तिगत सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण में साइबर अपराध से बचाव और आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने जैसे विषयों को भी शामिल किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा नेटवर्क को अधिक मजबूत और आधुनिक बनाना है, ताकि किसी संकट या आपात स्थिति में आम लोग अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जीवन बचाने से जुड़े बुनियादी कौशल और सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप और उससे उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूक किया गया।

राजौरी की डीआइजी अनीता शर्मा ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में युद्ध और अनिश्चितताओं के बीच नागरिकों को जीवनरक्षक कौशल से लैस करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पहली बार सेना इस प्रकार की पहल में शामिल हुई है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले नागरिक अपने क्षेत्रों और मोहल्लों में अन्य लोगों को भी इन जानकारियों से अवगत करा सकेंगे।

प्रतियोगिता 25 अक्टूबर को होगा तीसरा संस्करण, 21 और 42 किलोमीटर की दौड़ में उतरेंगे प्रतिभागी

कश्मीर मैराथन में 1800 से ज्यादा धावक दिखाएंगे दम

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर की खूबसूरत वादियों में 25 अक्टूबर को कश्मीर मैराथन का तीसरा संस्करण आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में देश और दुनिया के 1800 से अधिक धावक अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाएंगे। पर्यटन विभाग इस मैराथन को खेल प्रतियोगिता के साथ-साथ कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के एक बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। इस बार प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पंजीकरण के आंकड़ों के अनुसार, मैराथन में 73 विदेशी धावक भी शामिल हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय यात्राओं से जुड़ी सलाह और मध्य पूर्व के मौजूदा हालात का असर विदेशी प्रतिभागियों की भागीदारी पर पड़ा है। इसके बावजूद आयोजन को लेकर तैयारियां जारी हैं और विभाग को प्रतियोगिता के सफल आयोजन की उम्मीद है।

◆ कश्मीर मैराथन में 73 विदेशी भी होंगे शामिल

पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मैराथन के लिए अब तक 513 घरेलू और 1221 स्थानीय धावकों ने पंजीकरण कराया है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को दो श्रेणियों में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा। इनमें 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन और 42 किलोमीटर की फुल मैराथन शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 1416 धावकों ने हाफ मैराथन के लिए पंजीकरण कराया है, जबकि 391 प्रतिभागी फुल मैराथन में दौड़ेंगे। पंजीकरण कराने वालों में 1614 पुरुष और 193 महिलाएं शामिल हैं। इस तरह प्रतियोगिता में महिला धावकों की भागीदारी भी देखने को मिलेगी।



कश्मीर मैराथन का उद्देश्य केवल धावकों को प्रतिस्पर्धा का मंच उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि घाटी की प्राकृतिक सुंदरता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना भी है। पर्यटन विभाग इस आयोजन के माध्यम से कश्मीर को खेल पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। मैराथन में देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले धावकों के साथ विदेशी प्रतिभागियों की मौजूदगी से घाटी की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय पर्यटन कारोबार, होटल और अन्य संबंधित क्षेत्रों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

इस बार स्थानीय धावकों की भागीदारी और उनके प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए अलग पुरस्कारों की व्यवस्था भी खास आकर्षण रहेगी। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। 25 अक्टूबर को होने वाली इस मैराथन पर खेल प्रेमियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों की नजरें रहेंगी। आयोजन की सफलता से कश्मीर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और घाटी की सकारात्मक पहचान मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

एक जांबाज

पायलट स्मित मच्छार और नतमस्तक दुनिया



पायलट स्मित मच्छार।

आसमान की ऊंचाइयों को छूना हर किसी का सपना हो सकता है, लेकिन उन ऊंचाइयों पर अपने साहस, कौशल, कर्तव्यनिष्ठा एवं दूरदर्शिता की अमिट छाप छोड़ना हर किसी के बस की बात नहीं होती। एक पायलट केवल हवाई जहाज उड़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की उम्मीदों, विश्वास और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर लेकर चलता है। कई बार ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं, जब आसमान में हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे विमान में किसी अनहोनी के कारण निर्णय लेने के लिए कुछ पल ही मिलते हैं। ऐसे समय में एक छोटी सी चूक के भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं और पायलट की असली अग्निपरीक्षा होती है।

ऐसे ही साहस, धैर्य और समर्पण का दूसरा नाम पायलट स्मित पच्छार हैं। उनके साथ कॉकपिट में बैठे सह-पायलट ने अचानक घातक हमला कर दिया। इस अप्रत्याशित हमले में खून से लथपथ होने के बावजूद स्मित पच्छार ने अपना धैर्य नहीं खोया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी मानसिक संतुलन बनाए रखा और कॉकपिट के साथ वाला दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। इसके बाद सहयोगी यात्रियों की मदद से 14,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे विमान को सुरक्षित जमीन पर उतारने में सफलता मिली। उस समय विमान में 174 यात्री सफर कर रहे थे, जिनमें बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान और महिलाएं शामिल थे। ऐसे संकट के समय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

यह सर्वविदित है कि पायलट बनने का सफर आसान नहीं होता। इसके लिए वर्षों के प्रशिक्षण, अनुशासन, तकनीकी ज्ञान, मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। पायलट की आंखें आसमान की ओर जरूर होती हैं, लेकिन उसका ध्यान उन तमाम जिम्मेदारियों पर केंद्रित रहता है, जिन्हें निभाकर उसे सुरक्षित उड़ान सुनिश्चित करनी होती है। विमान में बैठे यात्रियों के लिए पायलट केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचने का भरोसा होता है।

हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे विमान में मौसम का अचानक बदल जाना, तकनीकी कठिनाइयां, सीमित दृश्यता, बवंडर और आपातकालीन परिस्थितियां कई बार गंभीर चुनौतियां पैदा कर देती हैं। ऐसे समय में पायलट की सूझबूझ, निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भय होना स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद उचित निर्णय लेना ही वास्तविक बहादुरी है। विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देना ही किसी व्यक्ति के साहस और व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान होती है।

हमें यह भी याद रखना होगा कि सुरक्षित उड़ान केवल एक पायलट के प्रयासों का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह पूरी टीम के समन्वय से संभव होती है। इसमें पायलट के साथ सह-पायलट, विमान रखरखाव कर्मचारी, हवाई यातायात नियंत्रक और अनेक अन्य पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान देते हैं। किंतु जब विमान में बैठा सह-पायलट ही पायलट पर हमला कर दे, तो परिस्थितियां असाधारण रूप से गंभीर हो जाती हैं।

ऐसे समय में पायलट स्मित पच्छार ने जिस तरह धैर्य, साहस और समर्पण का परिचय दिया, वह न केवल काबिलेतारीफ है, बल्कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में स्वयं को संभालते हुए अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा भी देता है। उनका साहस यह संदेश देता है कि संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, धैर्य और विवेक के साथ उसका सामना किया जा सकता है। विमान में सवार 174 यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी इस घटना ने यह स्पष्ट किया कि एक जिम्मेदार पायलट का कर्तव्य केवल विमान उड़ाना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में यात्रियों की जान की रक्षा करना भी है। ऐसी बहादुरी की मिसाल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक है।



विजय शर्मा

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

आराम भी जरूरी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने काम, जिम्मेदारियों और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। विद्यार्थी पढ़ाई में व्यस्त हैं, कर्मचारी कार्यालय के काम में उलझे हैं और कारोबारी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस व्यस्त दिनचर्या में अक्सर लोग अपने स्वास्थ्य, परिवार और मानसिक शांति के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। ऐसे में अवकाश का महत्व और भी बढ़ जाता है। अवकाश केवल काम से छुट्टी लेने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शरीर और मन को नई ऊर्जा देने का अवसर भी है।

अवकाश का अर्थ केवल कार्यालय, विद्यालय या किसी संस्थान से छुट्टी लेना नहीं है। इसका व्यापक अर्थ है अपनी नियमित दिनचर्या से कुछ समय निकालकर स्वयं को तरोताजा करना, परिवार के साथ समय बिताना और अपनी रुचियों को पूरा करना। लगातार काम करने से व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क पर थकान का प्रभाव पड़ता है। इससे उसकी कार्यक्षमता कम होने लगती है और छोटी-छोटी बातों पर तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, समय-समय पर मिलने वाला अवकाश व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और काम के प्रति उसकी रुचि बनाए रखता है।

विद्यार्थियों के जीवन में भी अवकाश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों के लिए समय मिलना आवश्यक है। लगातार पुस्तकों में व्यस्त रहने से विद्यार्थी मानसिक थकान महसूस कर सकते हैं। यदि उन्हें उचित अंतराल पर आराम और मनोरंजन का अवसर मिले, तो वे अधिक एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर सकते हैं। हालांकि, अवकाश का उपयोग केवल मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों पर समय बिताने में नहीं करना चाहिए। इसके बजाय विद्यार्थी पुस्तकें पढ़ सकते हैं, खेलों में भाग ले सकते हैं, प्रकृति के बीच समय बिता सकते हैं और अपने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं।

नौकरीपेशा लोगों के लिए अवकाश का महत्व अलग-अलग रूपों में सामने आता है। कार्यालय में लंबे समय तक काम करने, समयसीमा पूरी करने और लगातार जिम्मेदारियां निभाने से मानसिक दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में छुट्टी लेकर कुछ समय अपने लिए निकालना उपयोगी साबित होता है। इससे व्यक्ति अपने अधूरे घरेलू कार्य पूरे कर सकता है, स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकता है और परिवार के साथ बेहतर समय बिता सकता है। अवकाश के बाद जब वह काम पर लौटता है, तो उसके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह होता है। इससे उसकी कार्यक्षमता और निर्णय लेने की क्षमता में भी सुधार हो सकता है।

परिवार के लिए भी अवकाश विशेष महत्व रखता है। वर्तमान समय में परिवार के अधिकांश सदस्य अपनी-अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं। माता-पिता नौकरी और घरेलू कार्यों में उलझे रहते हैं, जबकि बच्चे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में समय बिताते हैं। ऐसे में परिवार के सभी सदस्यों को एक साथ बैठने और बातचीत करने के अवसर कम मिलते हैं। छुट्टियों के दौरान परिवार के साथ यात्रा करना, किसी धार्मिक स्थल पर जाना, गांव में रिश्तेदारों से मिलना या घर पर ही समय बिताना आपसी संबंधों को मजबूत बना सकता है। इससे बच्चों को परिवार के महत्व और सामाजिक मूल्यों को समझने का अवसर भी मिलता है।

अवकाश का संबंध केवल व्यक्तिगत जीवन से नहीं, बल्कि कार्यस्थल की उत्पादकता से भी है। जिन संस्थानों में कर्मचारियों के आराम और व्यक्तिगत जीवन का ध्यान रखा जाता है, वहां काम का वातावरण बेहतर बन सकता है। कर्मचारियों को निर्धारित छुट्टियां मिलना आवश्यक है, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। बीमारी, पारिवारिक आवश्यकता और अन्य जरूरी परिस्थितियों में अवकाश की सुविधा विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है। हालांकि, अवकाश लेते समय काम की जिम्मेदारियों का ध्यान रखना और आवश्यक सूचना देना भी उतना ही जरूरी है।

आज के डिजिटल युग में एक नई समस्या सामने आई है। कई लोग छुट्टी के दौरान भी कार्यालय के संदेशों, ईमेल और काम से जुड़े फोन में उलझे रहते हैं। इससे उन्हें वास्तविक आराम नहीं मिल पाता। इसलिए अवकाश के दौरान काम से उचित दूरी बनाना और अपने समय का सही उपयोग करना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर ही कार्य संबंधी संदेशों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही, छुट्टियों की योजना इस प्रकार बनानी चाहिए कि आराम, मनोरंजन और जरूरी कार्यों के बीच संतुलन बना रहे।

अंततः कहा जा सकता है कि अवकाश समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन को व्यवस्थित और बेहतर बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। जिस प्रकार मशीन को लगातार चलाने से उसकी क्षमता प्रभावित होती है, उसी प्रकार मनुष्य को भी निरंतर काम के बीच विश्राम की आवश्यकता होती है। उचित अवकाश व्यक्ति को स्वस्थ, प्रसन्न और अधिक जिम्मेदार बनाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में आराम और मनोरंजन के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। काम और अवकाश के बीच संतुलन बनाकर ही एक स्वस्थ, सुखी और संतोषपूर्ण जीवन जिया जा सकता है।

-शिवांश धाकड़

जब गोपियों के प्रेम ने निरुत्तर कर दिया उद्धव को

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जो मानव जीवन को गहन आध्यात्मिक संदेश देते हैं। इन्हीं में से एक अत्यंत प्रसिद्ध प्रसंग है उद्धव और गोपियों का संवाद, जिसमें ज्ञान, योग और तप की तुलना प्रेम, भक्ति और समर्पण से होती है। यह कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जहां ज्ञान बुद्धि को प्रकाशित करता है, वहीं प्रेम आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है।



एआई निर्मित चित्र।

उद्धव भगवान श्रीकृष्ण के चचेरे भाई होने के साथ-साथ उनके परम मित्र भी थे। वे रूप, वेशभूषा और व्यक्तित्व में भी श्रीकृष्ण के समान दिखाई देते थे। उद्धव महान विद्वान, योगी और ब्रह्मज्ञानी थे। उन्होंने वेद, उपनिषद, योग और तपस्या के माध्यम से अद्वितीय ज्ञान प्राप्त किया था। उनके ज्ञान की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई थी, किंतु वे प्रेम और भक्ति को ज्ञान की अपेक्षा कम महत्व देते थे।,

उनके लिए प्रेम केवल मोह और सांसारिक आसक्ति का दूसरा नाम था। यही कारण था कि भगवान श्रीकृष्ण उन्हें प्रेम के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना चाहते थे। एक दिन श्रीकृष्ण ने उद्धव से कहा कि वे गोकुल और वृंदावन जाकर वहां के गोप-गोपियों को ब्रह्मज्ञान का उपदेश दें और उन्हें विरह की पीड़ा से मुक्त करें। भगवान का उद्देश्य केवल गोपियों तक संदेश पहुंचाना नहीं था, बल्कि उद्धव को प्रेम की उस गहराई का अनुभव कराना था, जिसे केवल तर्क और ज्ञान से समझा नहीं जा सकता।

भगवान की आज्ञा पाकर उद्धव मथुरा से वृंदावन के लिए रवाना हुए। जब उनका रथ वृंदावन के निकट पहुंचा तो गोपियों ने दूर से उन्हें देखा। उनकी वेशभूषा और स्वरूप श्रीकृष्ण से मिलता-जुलता था, इसलिए क्षणभर के लिए गोपियों को लगा कि उनके प्रिय श्याम स्वयं लौट आए हैं, लेकिन जैसे ही रथ निकट आया, उन्हें ज्ञात हुआ कि यह श्रीकृष्ण नहीं, बल्कि उनके प्रिय सखा उद्धव हैं। जब उद्धव ने बताया कि वे श्रीकृष्ण का संदेश लेकर आए हैं, तब सभी गोपियां उत्सुकता से उनके चारों ओर एकत्र हो गईं।



शिवालिक अवस्थी
धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

उद्धव ने श्रीकृष्ण का संदेश सुनाने के साथ-साथ अपना ब्रह्मज्ञान भी प्रस्तुत करना आरंभ किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को निराकार परमब्रह्म का चिंतन करना चाहिए। परमात्मा का वास्तविक स्वरूप निराकार और अनंत है, जिसे योग, ध्यान और तपस्या के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने गोपियों से कहा कि वे श्रीकृष्ण के रूप और उनके विरह में डूबे रहने के बजाय निराकार ब्रह्म का ध्यान करें। उनके अनुसार प्रेम, मोह और आसक्ति मनुष्य को बंधन में डालते हैं, जबकि ज्ञान उसे मुक्त करता है। उद्धव की बातें सुनकर गोपियां शांत रहीं। वे उनके ज्ञान का सम्मान करती थीं, किंतु उनके अनुभव में एक कमी स्पष्ट दिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद एक गोपी मुस्कुराते हुए बोली, 'उद्धव भैया, आप ज्ञान में निस्संदेह महान हैं, लेकिन वह ज्ञान किस काम का जिसमें प्रेम का रस ही न हो? हमारे लिए श्रीकृष्ण ही परमब्रह्म हैं। हमें किसी निराकार सत्य की खोज नहीं करनी, क्योंकि हमारा संपूर्ण अस्तित्व तो पहले ही कृष्ण में समर्पित हो चुका है।

दूसरी गोपी ने कहा, 'आप विरह की बात करते हैं, लेकिन विरह तो दो शरीरों का होता है। जहां मन, प्राण और आत्मा एक हो जाएं, वहां दूरी का कोई अर्थ नहीं रह जाता। कृष्ण हमारे हृदय में बसते हैं, इसलिए हमें उनसे अलग होने का अनुभव ही नहीं होता।' गोपियों ने प्रेम की ऐसी व्याख्या की जिसने उद्धव के समस्त तर्कों को मौन कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रेम किसी बंधन का नाम नहीं, बल्कि पूर्ण स्वतंत्रता का अनुभव है। प्रेम में अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान होता है। प्रेम में स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण होता है। प्रेम सीमाओं में बंधा नहीं रहता, बल्कि मर्यादाओं का पालन करते हुए भी अनंत बना रहता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नशे की समस्या पर चुप्पी नहीं, जागरूकता और संवाद से ही मिलेगा समाधान

समाज के ताने-बाने में एक कड़वा सच यह भी छिपा है कि आज नशा एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्या बन चुका है। यह केवल व्यक्ति के शरीर को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, रिश्तों और भविष्य को भी खोखला कर देता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस विषय पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए, उसी पर अक्सर परिवार, समाज और स्वयं पीड़ित व्यक्ति चुप्पी साध लेते हैं। यही चुप्पी नशे की समस्या को और अधिक गंभीर बना देती है।



परिवार की चुप्पी बढ़ा रही नशे की समस्या

एआई निर्मित चित्र।

हमारे समाज में नशे को बीमारी के बजाय चरित्र की कमजोरी या नैतिक पतन के रूप में देखा जाता है। इसी कारण इसे सामाजिक कलंक मान लिया जाता है। यदि किसी परिवार का बेटा, बेटी या अन्य सदस्य नशे की लत का शिकार हो जाए तो परिवार को समाज में बदनामी का डर सताने लगता है। माता-पिता को चिंता रहती है कि इससे परिवार की प्रतिष्ठा प्रभावित होगी, बच्चों के विवाह में बाधा आएगी और लोग उन्हें हीन दृष्टि से देखेंगे। लोक-लाज के कारण अधिकांश परिवार इस समस्या को घर की चारदीवारी तक सीमित रखना चाहते हैं।

दूसरी ओर, नशे की लत से जूझ रहा युवा भी मानसिक दबाव में रहता है। उसे डर होता है कि यदि सच्चाई सामने आ गई तो परिवार का गुस्सा, मारपीट या घर से निकाले जाने जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मग्लानि और हीन भावना के कारण वह किसी से अपनी परेशानी साझा नहीं कर पाता और धीरे-धीरे अकेलेपन में सिमट जाता है।

शुरुआत में परिवार भी अक्सर सच्चाई स्वीकार नहीं कर पाता। वे स्वयं को यह कहकर दिलासा देते हैं कि यह केवल गलत संगति का असर है और बच्चा जल्द ही ठीक हो जाएगा। यही इंकार की मानसिकता समय रहते उपचार और परामर्श लेने से रोक देती है। परिणामस्वरूप नशे की लत गहराती चली जाती है। वास्तविकता यह है कि नशा कोई अपराध नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक निर्भरता से जुड़ी एक बीमारी है। इसका इलाज डांट-फटकार या सजा नहीं, बल्कि चिकित्सकीय सहायता, काउंसलिंग और परिवार के सहयोग से संभव है। दुर्भाग्य से समाज में इस विषय को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं है। पीड़ित को सहानुभूति और उपचार की आवश्यकता होती है, लेकिन उसे अक्सर तानों और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। नशे पर साधी गई चुप्पी कभी भी समाधान नहीं बन सकती, बल्कि यह समस्या को और गहरा कर देती है। समय पर पहचान और उपचार न मिलने से पीड़ित व्यक्ति अवसाद, सामाजिक अलगाव और मानसिक तनाव का शिकार हो सकता है। कई मामलों में यह स्थिति अपराध, हिंसा या आत्महत्या जैसे गंभीर परिणामों तक पहुंच जाती है। इसलिए जैसे ही माता-पिता या परिवार को बच्चों में नशे के लक्षण दिखाई दें, उन्हें बिना झिझक चिकित्सकीय सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श और नशामुक्ति केंद्रों की मदद लेनी चाहिए। समाज को भी नशे के शिकार व्यक्ति को अपराधी या चरित्रहीन मानने के बजाय एक मरीज के रूप में स्वीकार कर उसे सहानुभूति, सहयोग और विश्वास देना चाहिए। परिवार, समाज और प्रशासन यदि मिलकर जागरूकता बढ़ाएं, खुलकर संवाद करें और समय पर उचित सहायता उपलब्ध कराएं, तभी नशे की बढ़ती चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। चुप्पी नहीं, बल्कि जागरूकता, संवेदनशीलता, समय पर उपचार और सामूहिक प्रयास ही इस सामाजिक बुराई से लड़ने का सबसे प्रभावी उपाय हैं।



डॉ. राज कुमारी

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

आज की प्रमुख हस्ती

रंगमंच से सिनेमा तक का सफर

कुलभूषण खरबंदा हिंदी और पंजाबी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। 21 अक्टूबर 1944 को जन्मे खरबंदा ने अपने अभिनय से समानांतर सिनेमा से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बनाई। फिल्म शान (1980) में शाकाल की खलनायक भूमिका ने उन्हें विशेष लोकप्रियता दिलाई। इस किरदार में उनके प्रभावशाली अभिनय को आज भी याद किया जाता है।



कुलभूषण खरबंदा
जन्म : 21 अक्टूबर 1944

खरबंदा का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत के हसन अब्दाल में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। भारत के विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आ गया। परिवार के विभिन्न शहरों में रहने के कारण उनकी पढ़ाई जोधपुर, देहरादून और दिल्ली में हुई। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मिंटो सर्किल स्कूल में भी शिक्षा प्राप्त की। बाद में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में ही उनकी रुचि रंगमंच की ओर बढ़ी और वे वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा गठित नाट्य समूह 'अभियान' से जुड़ गए।

खरबंदा ने वर्ष 1974 में दिल्ली के रंगमंच समूह 'यात्रिक' के साथ अपने अभिनय सफर की शुरुआत की। रंगमंच ने उन्हें अभिनय की बारीकियां सीखने और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का अवसर दिया। फिल्मों में आने के बाद उन्होंने समानांतर सिनेमा में कई उल्लेखनीय भूमिकाएं निभाईं। इस दौर में उनका अभिनय गंभीर विषयों और जटिल मानवीय भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए पहचाना गया।

महेश भट्ट की फिल्म अर्थ (1982), एक चादर मैली सी (1986) और वारिस (1988) उनकी प्रमुख फिल्मों में शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने दीपा मेहता की चर्चित 'एलिमेंट्स ट्रिलॉजी' की तीनों फिल्मों—फायर (1996), अर्थ (1998) और वॉटर (2005)—में भी काम किया। इन फिल्मों के माध्यम से उन्होंने विभिन्न सामाजिक और मानवीय विषयों पर आधारित कहानियों में अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। फिल्मों के साथ रंगमंच से उनका जुड़ाव भी बना रहा। करीब दो दशक के अंतराल के बाद वे कोलकाता के पदातिक थिएटर में विनय शर्मा के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक आत्मकथा के जरिए मंच पर दिखाई दिए।

कुदरत की गोद में आस्था का धाम बैजनाथ का सिद्ध बाबा काठक मंदिर

हिमाचल प्रदेश की देवभूमि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और पौराणिक स्थलों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां के कण-कण में देवी-देवताओं से जुड़ी मान्यताएं और लोक आस्थाएं देखने को मिलती हैं। जिला कांगड़ा का बैजनाथ क्षेत्र भी इसी आध्यात्मिक और प्राकृतिक विरासत को संजोए हुए है। धौलाधार पर्वतमाला, हरे-भरे चाय बागान, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक मंदिर इस क्षेत्र को विशेष पहचान दिलाते हैं।



एआई निर्मित चित्र।

बैजनाथ में स्थित विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर, महाकाल मंदिर, आशापुरी मंदिर, शीतला माता मंदिर और बीड़-बिलिंग जैसे पर्यटन स्थल वर्षभर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन्हीं धार्मिक स्थलों की शृंखला में मुख्य बैजनाथ से लगभग चार-पांच किलोमीटर दूर बिनवा नदी के किनारे स्थित काठक गांव का श्री सिद्ध बाबा बालकनाथ मंदिर भी श्रद्धा और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। काठक बाबा के नाम से प्रसिद्ध यह मंदिर स्थानीय लोगों की गहरी आस्था का प्रतीक है। मान्यता है कि यहां बाबा बालकनाथ सिद्ध रूप में विराजमान हैं और सच्चे मन से प्रार्थना करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मंदिर के आसपास बहती बिनवा नदी, झरनों की मधुर ध्वनि और प्राकृतिक वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। इस मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक रोचक लोककथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि वर्षों पहले ग्रामीणों ने रात के समय पहाड़ी क्षेत्र में अद्भुत दृश्य देखा। उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ जैसे किसी स्थान पर बारात सज रही हो, जहां ढोल-नगाड़ों और वाद्य यंत्रों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। पहाड़ी के चारों ओर प्रकाश दिखाई दिया और सुबह जब ग्रामीणों ने उस स्थान की खोज की तो वहां एक गुफानुमा स्थान में बाबा की पिंडी स्थापित मिली। लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार मानकर वहां मंदिर का निर्माण किया।

समय के साथ यह छोटा मंदिर श्रद्धा का बड़ा केंद्र बन गया। स्थानीय लोग बाबा काठक को अपने कुलदेवता के रूप में पूजते हैं। मंदिर में वर्षभर धार्मिक अनुष्ठान होते रहते हैं, जबकि नवरात्र के दौरान यहां विशेष आयोजन किए जाते हैं। भजन-कीर्तन, भंडारे और धार्मिक कार्यक्रमों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है। मंदिर में अखंड धूना जलता रहता है, जिसकी विभूति श्रद्धालु आस्था के रूप में ग्रहण करते हैं। भक्तों का विश्वास है कि इससे उन्हें मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। मंदिर परिसर में भगवान शिव, मां दुर्गा, भैरव और हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। काठक मंदिर की विशेष परंपराएं भी इसे अन्य धार्मिक स्थलों से अलग पहचान देती हैं। यहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के बाद विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। नवविवाहित जोड़े और भक्त मंदिर परिसर की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।



तुलसी राम डोगरा

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



ब्लॉग

मैं एक वर्षा की बूंद

अतुल कुमार, गांव गड़खल, तहसील कसौली जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश)

सूरज और सागर के
मिलन से जन्म ले खड़ी हूं
बादलों रूपी रथ
चढ़कर मैं चल पड़ी हूं।।
धरती से मिलने,
फूलों में खिलने
नदियों से खेलने,
पत्थरों को झेलने।।
फसलों में घुलने,
फल फूल में झूलने।।
हरियाली बिखेरने,
जीवनचक्र फेरने।।
मेरा होगा बलिदान,
खुश होगा किसान
खुश होगा बागवान,
बनेगा कोई मकान।।
सेहत का रखने ध्यान,
पवित्र करने स्नान
जीव को देने जान, घर आए को सम्मान।।
बनने को पानी, नदियों की कहानी
झीलों की जवानी, जग को दिखानी।।
रसोई है बनानी, दवा है खिलानी
पूजा है करानी, जान है बचानी
सागर से आना, फिर सागर से मिल जाना
यही जीवन चक्र है, मुझे मानव को समझाना।।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

हिमाचल में बदलेगा मौसम, 24-25 अक्टूबर को बारिश-बर्फबारी के आसार

पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा मौसम, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी संभव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला । हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज आने वाले दिनों में बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 24 और 25 अक्टूबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। वहीं, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। हालांकि, मौसम विभाग ने इसे लेकर फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की है। अगले तीन दिन यानी 21 से 23 अक्टूबर तक प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है। इस बीच सुबह और शाम के समय ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है और जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार 21, 22 और 23 अक्टूबर को प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क



बना रहेगा। इसके बाद 24 और 25 अक्टूबर को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं। मैदानी क्षेत्रों में मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 26 अक्टूबर को प्रदेश में फिर से मौसम साफ रहने का अनुमान है। बारिश और बर्फबारी को लेकर फिलहाल कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

प्रदेश में इन दिनों दिन के समय धूप खिलने से मौसम सुहावना बना हुआ है, जबकि सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ रही है। मंगलवार को शिमला, मनाली सहित कई क्षेत्रों में धूप निकली। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है।

कई शहरों में सामान्य से नीचे रहा पारा

मौसम विभाग की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार लाहौल-स्पीति जिले के ताबो में प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री और केलांग में 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा। किन्नौर जिले के कल्पा में तापमान 4 डिग्री, मनाली में 5.5 डिग्री और भुंतर में 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को पालमपुर और चंबा में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। नाहन में यह सामान्य से 2.7 डिग्री, मंडी में 2.6 डिग्री और बिलासपुर में 2.5 डिग्री कम रहा। सुंदरनगर और भुंतर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री, जबकि सोलन में 1.4 डिग्री कम दर्ज किया गया। इसके विपरीत शिमला में न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक है।

नवरात्र समापन पर गोविंद सागर झील में मां दुर्गा का हुआ विसर्जन

भारतेन्दु संवाददाता,अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। शारदीय नवरात्र के नौ दिवसीय पर्व के विधिवत समापन के बाद सोमवार को बिलासपुर के धौलरा मंदिर परिसर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का गोविंद सागर झील के लुहणू मैदान में श्रद्धा और उल्लास के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र मां दुर्गा के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने नम आंखों से माता रानी को विदाई दी।

इस अवसर पर आयोजित विशेष पूजा-अर्चना और विसर्जन यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, उनकी धर्मपत्नी डॉ. मल्लिका नड्डा, बिलासपुर सदर के विधायक त्रिलोक जमवाल, झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल और श्री नैना देवी जी के विधायक रणधीर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

धौलरा मंदिर परिसर से गोविंद सागर झील के लुहणू मैदान तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक पहाड़ी वेशभूषा में सजी महिलाओं ने भजन-कीर्तन और नृत्य के माध्यम से माता रानी को विदाई दी। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। पूरे मार्ग पर 'जय माता दी' के जयकारे गूंजते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा।

प्रतिमा विसर्जन के साथ ही नवरात्र उत्सव का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। इसमें स्थानीय लोगों के साथ दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी रही। मां दुर्गा की विदाई के दौरान भक्तों ने अगले वर्ष फिर से माता के आगमन की कामना की।

न्यूज ब्रीफ

लूहणू कनैता में रास्ते पर बजरी डालने पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर । आम रास्ते पर निर्माण सामग्री रखकर लोगों की आवाजाही बाधित करने के आरोप में थाना सदर बिलासपुर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान गांव लूहणू कनैता में सड़क किनारे बजरी का ढेर लगा हुआ मिला। जांच में सामने आया कि स्थानीय निवासी धनी राम पुत्र प्रेम लाल ने सड़क किनारे बजरी रखी थी, जिससे आम रास्ते का करीब एक-चौथाई हिस्सा बाधित हो गया था। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग पर बाधा उत्पन्न करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

चौंलगढ़-खजुरटी सड़क की टायरिंग पर रजत ठाकुर ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। धर्मपुर क्षेत्र की चौंलगढ़-खजुरटी सड़क पर चल रहे टायरिंग कार्य को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रजत ठाकुर ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सड़क की गुणवत्ता की तकनीकी जांच करवाने की मांग की है। रजत ठाकुर ने आरोप लगाया कि ठेकेदार हमीरपुर स्थित हॉट मिक्स प्लांट से गर्म तारकोल लाकर सड़क पर टायरिंग कर रहा है, जबकि चौंलगढ़ की दूरी करीब 50 किलोमीटर है। उनके अनुसार, इतनी दूरी तक तारकोल लाने से उसके ठंडा होने की आशंका है, जिससे सड़क निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों के अनुसार ही निर्माण सामग्री का इस्तेमाल होना चाहिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मांग की कि सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रक्रिया की उचित जांच होने तक काम रोक दिया जाए। रजत ठाकुर ने कहा कि सरकारी धन से बनने वाली सड़कों के निर्माण में किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। संबंधित विभाग की जवाबदेही तय कर सामग्री और टायरिंग कार्य की तकनीकी जांच करवाई जानी चाहिए, ताकि अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई हो सके।

शस्त्र पूजन से संस्कृति संरक्षण और राजपूत समाज की एकजुटता पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। इंडियन राजपूत यूनाइटेड फेडरेशन की ओर से शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेशभर की विभिन्न राजपूत सभाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक चौहान ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। संगठन की ओर से पिछले वर्ष भी यह आयोजन किया गया था। दीपक चौहान ने समाज के लोगों से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन किसी समुदाय के विरोध में नहीं है, बल्कि आर्थिक रूप से पिछड़े और जरूरतमंद राजपूत परिवारों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना चाहता है। उन्होंने कहा कि संगठित होकर ही समाज अपनी मांगों को प्रभावी तरीके से उठा सकता है। यूजीसी के मुद्दे पर उन्होंने संबंधित प्रावधानों का विरोध करते हुए कहा कि संगठन इस विषय पर अपनी आपत्ति पहले से दर्ज करवाना चाहता है।

हिमाचल पर बढ़ते कर्ज को लेकर परमार ने सरकार से मांगा श्वेतपत्र

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। हिमाचल प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार से राज्य की आर्थिक स्थिति, बढ़ते कर्ज और विकास कार्यों की प्रगति पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनता को सरकारी खजाने की वास्तविक स्थिति और ऋण के उपयोग का स्पष्ट हिसाब मिलना चाहिए। परमार ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अक्टूबर 2026 में सरकार ने 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण लिया है और प्रदेश का कुल कर्ज एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। उन्होंने सरकार से ऋण के उपयोग, ब्याज भुगतान, केंद्र से मिलने वाली सहायता और राज्य के राजस्व का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पर्यटन, बागवानी, कृषि और जलविद्युत प्रदेश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार हैं। सरकार को सड़कों, अस्पतालों, शिक्षा, पेयजल और रोजगार से जुड़ी योजनाओं की स्थिति भी स्पष्ट करनी चाहिए। परमार ने लंबित विकास परियोजनाओं, स्वीकृत बजट और जारी धनराशि का जिलेवार ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता को आश्वासनों के बजाय पारदर्शी आंकड़ों और विकास कार्यों के वास्तविक परिणामों के आधार पर जानकारी मिलनी चाहिए।

हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र गांवों में लगाएंगे निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों ने हरिद्वार में आयोजित पांच दिवसीय शैक्षणिक शिविर में मर्म चिकित्सा और एक्यूप्रेशर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। अब प्रशिक्षित विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करेंगे। योग विभाग के प्राध्यापक चर्चित कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, इंटीग्रेटेड मल्टीपैथी हेल्थकेयर रिसर्च सेंटर और पतंजलि योगपीठ के अंतरराष्ट्रीय योग एवं औषधीय केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी हासिल की। विद्यार्थियों ने हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा आरती में भाग लेकर भारतीय संस्कृति को भी करीब से जाना। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मर्म बिंदुओं और एक्यूप्रेशर की तकनीकों से परिचित करवाया गया। इन पद्धतियों का उपयोग दर्द और तनाव से राहत के लिए किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थी गांवों में शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे।

रिवालसर बाजार में सड़क चौड़ीकरण कार्य पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर

मंडी जिले के मंडी-कलखर वाया रिवालसर सड़क मार्ग के रिवालसर बाजार हिस्से में सड़क विस्तारीकरण कार्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में कथित खामियों पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया है कि जिस सड़क को चौड़ा कर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने की उम्मीद थी, वह कुछ हिस्सों में पहले से भी अधिक संकरी नजर आ रही है। वहीं, पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षित आवाजाही के लिए फुटपाथों का निर्माण भी नहीं किया गया है। इससे बाजार में यातायात व्यवस्था और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

करीब 25 किलोमीटर लंबे इस सड़क मार्ग का निर्माण एवं सुधार कार्य विश्व बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। परियोजना पर 200 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान बताया जा रहा है। इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बावजूद रिवालसर बाजार में सड़क की चौड़ाई और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क विस्तारीकरण का उद्देश्य यातायात



को सुचारू बनाना और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, लेकिन बाजार क्षेत्र में इन उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नजर नहीं आ रहा है।

रिवालसर बाजार में फुटपाथ की व्यवस्था नहीं होने के कारण पैदल चलने वाले लोगों को वाहनों के बीच सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सड़क की सीमित चौड़ाई के कारण वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है और बार-बार लगने वाले जाम से स्थानीय निवासियों, दुकानदारों, वाहन चालकों तथा राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों का कहना है कि बाजार जैसे व्यस्त क्षेत्र में पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध करवाना जरूरी है।

नगर पंचायत रिवालसर के अध्यक्ष लाभ सिंह ठाकुर ने भी सड़क विस्तारीकरण कार्य में खामियां होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इस मामले को सरकार के ध्यान में लाया जा रहा है, ताकि सड़क से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सके। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और स्वीकृत नक्शे के अनुरूप हुआ है या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए।

आजाद हिंद फौज के बलिदानियों को उचित सम्मान देने की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी । आजाद हिंद सरकार के स्थापना दिवस पर हिमाचल स्वतंत्रता सेनानी परिषद के महासचिव डॉ. अतुल ठाकुर और अध्यक्ष जगदीश गुलेरिया ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, इंडियन इंडिपेंडेंस लीग और आजाद हिंद फौज के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सैनिक परिवारों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। डॉ. अतुल ठाकुर ने बताया कि 21 अक्टूबर, 1943 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार का गठन किया था। उन्होंने कहा कि आजाद हिंद सरकार ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अनुसार, आजाद हिंद फौज के हजारों सैनिकों ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और अनेक वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के तीन हजार से अधिक सैनिकों ने भी आजाद हिंद फौज के अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने विशेष रूप से धर्मशाला के कैप्टन राम सिंह ठाकुरी का उल्लेख किया, जिन्होंने नेताजी के निर्देश पर प्रसिद्ध कदमताल गीत 'कदम-कदम बढ़ाए जा' की धुन तैयार की थी। यह गीत आज भी देशभक्ति और सैनिकों के उत्साह का प्रतीक है। डॉ. ठाकुर ने कहा कि आजाद हिंद फौज के सैनिकों और उनके परिवारों के योगदान को उचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि स्वतंत्रता के बाद इन सैनिकों के योगदान को अपेक्षित पहचान क्यों नहीं मिली और उनके परिवारों की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दिया गया।

चंबा की उड़नपरी सीमा ने मंडी के एथलीट अमन से की सगाई

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जापान में आयोजित एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली चंबा की धाविका सीमा अब मंडी की बहू बनने जा रही हैं। सीमा ने मंडी जिले की बल्ह घाटी के एथलीट अमन के साथ सगाई कर ली है। उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया पर सगाई की जानकारी साझा करने के साथ समारोह की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। सीमा ने बताया कि उनकी शादी ओलंपिक खेलों के बाद होगी। सगाई की खबर सामने आने के बाद उनकी तस्वीरें दिनभर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रहीं। तस्वीरों में सीमा और अमन करीबी रिश्तेदारों की मौजूदगी में सगाई की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर लौटने के बाद सीमा ने ओलंपिक में पदक जीतने को अपना अगला लक्ष्य बताया था। वह इन दिनों इसी लक्ष्य को हासिल करने की तैयारियों में जुटी हैं। सीमा की उपलब्धियों के साथ अब उनके नए जीवन की शुरुआत की खबर भी प्रशंसकों के बीच चर्चा में है।

गांव नारा में लगेंगी सोलर लाइटें, पक्की होगी सड़क, समस्याओं से मिलेगी राहत

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार, हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने जनसमस्या निवारण अभियान के तहत ग्राम पंचायत नारा के गांव नारा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि गांव में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि गांव के लिंक रोड को पक्का करने और सोलर लाइटें लगाने के लिए जल्द धनराशि मंजूर की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण का अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पक्की होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, जबकि सोलर लाइटें लगने से गांव में रात के समय रोशनी की बेहतर व्यवस्था हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि गांव में पैदल



◆ग्रामीण सुविधाओं के विस्तार को धनराशि मंजूर होगी, अधिकारियों को दिए निर्देश

पुल के निर्माण, वोल्टेज की समस्या के स्थायी समाधान और पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और जनसमस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास और लोगों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। किसानों, बागवानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती से तैयार गेहूं, मक्की और हल्दी के लिए अलग से ऊंचे दाम निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही गाय और भैंस के दूध के दामों में भी वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि एचपीशिवा परियोजना के माध्यम से प्रदेश के निचले क्षेत्रों में फल उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विजयादशमी पर विधायक इंद्र सिंह गांधी ने लिया मां का आशीर्वाद

भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर । विजयादशमी के पावन अवसर पर बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने रिवालसर की सरकी धार में विराजमान मां नैना भगवती के पवित्र दरबार में शीश नवाया और माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मां भगवती से समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

◆ मां नैना भगवती के दरबार में नवाया शीश बल्ह क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की



विधायक इंद्र सिंह गांधी ने विजयादशमी के शुभ अवसर पर क्षेत्र की उन्नति, जनकल्याण और लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने माता रानी से प्रार्थना की कि बल्ह क्षेत्र में सुख-समृद्धि बनी रहे और सभी लोगों का जीवन खुशियों से परिपूर्ण हो। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्व हमारी आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं। ऐसे अवसरों पर देवी-देवताओं के दरबार में शीश नवाकर समाज की सुख-शांति और कल्याण की कामना की जाती है।

इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सकारात्मकता, आपसी सद्भाव और खुशहाली बने रहने की कामना की। विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है और लोगों को सत्य एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

टिक्कर-सनेड़ और फाफड़ा मार्गों पर खर्च होंगें 30 लाख, सोलर लाइट से जगमगाएगा उखली चौक

मुख्यमंत्री ने सड़क सुधार के लिए 30 लाख किए मंजूर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर

उखली पंचायत के भगोट वार्ड में मंगलवार को जनसंपर्क अभियान के तहत पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा का ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने टिक्कर-सनेड़ और फाफड़ा गांवों के संपर्क मार्गों के पुनर्निर्माण के लिए कुल 30 लाख रुपये स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि इन सड़कों की हालत लंबे समय से खराब थी, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पुनर्निर्माण होने से स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी।

डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत टिक्कर-सनेड़ संपर्क मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए 18 लाख रुपये जारी किए गए हैं। वहीं, फाफड़ा मोड़ से फाफड़ा गांव तक सड़क की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 12 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन दोनों मार्गों के सुधरने से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा



मिलेगी और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर भगोट वार्ड के वार्ड पंच लेखराज ने गांव की अन्य समस्याएं भी उनके समक्ष रखीं। उन्होंने विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डॉ. वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार गांवों में सड़क, रोशनी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर के प्रवेश बिंदु के रूप में महत्वपूर्ण उखली चौक पर सोलर हाई मास्ट लाइट लगाने को भी मंजूरी दी गई है। इसके स्थापित होने से चौक दूधिया रोशनी से जगमगाएगा और लोगों को सुविधा मिलेगी। सौर ऊर्जा से संचालित यह व्यवस्था मुख्यमंत्री के हरित हिमाचल के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करेगी।

डॉ. वर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार पर हिमाचल प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को प्रतिवर्ष मिलने वाली लगभग आठ से दस हजार करोड़ रुपये की राजस्व घाटा अनुदान राशि (आरडीजी) बंद किए जाने से राज्य की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा है।

बिलासपुर में पशुशालाओं से 65 लीटर अवैध शराब बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 65 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। वहीं, झंडूता क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला भी सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, थाना कोट कहलूर की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तहसील श्री नैना देवी जी के मजारी गांव में दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। पहली कार्रवाई में पुलिस ने अमरीक सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह की पशुशाला की तलाशी ली। इस दौरान वहां से 35 लीटर अवैध कसीदशुदा शराब बरामद की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने उसी गांव में दिलबाग सिंह पुत्र सुच्चा सिंह की पशुशाला के शेड की तलाशी ली। यहां से 30 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त की गई। दोनों स्थानों से कुल 65 लीटर शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1) के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां तैयार की जा रही थी और इसे कहां बेचने की योजना थी।

◆मजारी गांव में दो स्थानों पर दबिश, झंडूता में महिला से मारपीट का मामला दर्ज

एनआईटी की रैंकिंग में सुधार, राजकीय महाविद्यालय ने भी प्रदेशभर में हासिल किया पहला स्थान

हमीरपुर शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेशभर में बना अव्वल

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश का जिला हमीरपुर शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। आधारभूत शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक जिले में गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। वहीं, एनएससीबीएम राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर ने प्रदेश स्तर पर दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। इन उपलब्धियों से स्पष्ट है कि जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता, बेहतर प्रबंधन और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उच्च शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश की ओर से आयोजित टियर वाइज इंटरनल रैंकिंग ऑफ गवर्नमेंट कॉलेजेज ऑफ हिमाचल प्रदेश (शैक्षणिक सत्र 2025-26) में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर ने टियर-1 श्रेणी में प्रदेशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस रैंकिंग प्रक्रिया में प्रदेश के 142 राजकीय महाविद्यालयों ने भाग लिया था। इनमें हमीरपुर महाविद्यालय ने 1100 में से 1034.5 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान



पूर्व प्राचार्य डॉ. सतीश सोनी

प्राप्त किया। यह उपलब्धि महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशासनिक व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने भी प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित सरकारी डिग्री कॉलेजों और संस्कृत महाविद्यालयों की पुस्तकालय ग्रेडिंग में हमीरपुर महाविद्यालय ने पांच स्तरों में से लेवल-4 हासिल किया। यह दूसरा सर्वोच्च स्तर है। इस श्रेणी में महाविद्यालय ने प्रदेशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। दोनों उपलब्धियों से संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और पुस्तकालय सुविधाओं की मजबूती सामने आई है।

महाविद्यालय में इन उपलब्धियों की नींव पूर्व प्राचार्य डॉ. सतीश सोनी के कार्यकाल में किए गए प्रयासों से मजबूत हुई। उनके नेतृत्व में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने, विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने के अवसर उपलब्ध करवाने तथा प्रशासनिक सुधारों पर विशेष ध्यान दिया गया।

वर्तमान प्राचार्य डॉ. संगीता सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार, डिजिटल सुविधाओं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। महाविद्यालय परिवार ने पूर्व प्राचार्य डॉ. सतीश सोनी और वर्तमान प्राचार्य डॉ. संगीता सिंह के योगदान की सराहना करते हुए सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी।

फरीदाबाद में एसआरएस के दो प्रोजेक्ट पर हरेरा की चेतावनी

खरीदारों को हरेरा की हिदायत, एसआरएस के दो प्रोजेक्ट में पैसा लगाने से बचें

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने जरूरी स्वीकृति और पंजीकरण के बिना रियल एस्टेट परियोजनाओं में प्लॉट और फ्लैट बेचने वाले प्रमोटरों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा), पंचकूला ने एसआरएस रियल एस्टेट लिमिटेड की फरीदाबाद में विकसित की जा रही दो परियोजनाओं को लेकर आम जनता, घर खरीदारों और निवेशकों को सावधान किया है। प्राधिकरण के अनुसार, कंपनी ने इन परियोजनाओं का रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के तहत अनिवार्य पंजीकरण नहीं कराया है। ऐसे में लोगों को इन परियोजनाओं में किसी भी तरह की बुकिंग, खरीदारी, निवेश या भुगतान नहीं करने की सलाह दी गई है।

हरेरा ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण वाली परियोजनाओं में लेनदेन करने से खरीदारों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह का निवेश करने से पहले संबंधित परियोजना की पंजीकरण स्थिति की जांच करना जरूरी है।

◆ **हरेरा की चेतावनी से एसआरएस की फरीदाबाद परियोजनाओं पर उठे सवाल**

प्राधिकरण ने एसआरएस रियल एस्टेट लिमिटेड की जिन दो परियोजनाओं को लेकर चेतावनी जारी की है, उनमें पहली परियोजना 19.02 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसके लिए 25 अगस्त 2009 को लाइसेंस संख्या 49 जारी किया गया था। दूसरी परियोजना 5.95 एकड़ क्षेत्र में है, जिसके लिए 9 अक्टूबर 2011 को लाइसेंस संख्या 78 जारी किया गया था।

हरेरा ने आम लोगों को इन दोनों परियोजनाओं में किसी भी प्रकार का वित्तीय लेनदेन करने से बचने की सलाह दी है।

पंजीकरण के बिना बिक्री और विज्ञापन नियमों के खिलाफ

रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के तहत निर्धारित नियमों के अनुसार, कोई भी प्रमोटर हरेरा में पंजीकरण कराए बिना किसी ऐसी परियोजना में भूखंड, अपार्टमेंट या भवन का विज्ञापन, विपणन, बुकिंग अथवा बिक्री नहीं कर सकता, जिसके लिए पंजीकरण अनिवार्य है। इन प्रावधानों का उल्लंघन कर किए जाने वाले लेनदेन से खरीदारों के सामने कानूनी और आर्थिक जोखिम पैदा हो सकते हैं। प्राधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में होने वाले नुकसान या विवाद की जिम्मेदारी हरेरा की नहीं होगी। इसलिए खरीदारों को किसी भी परियोजना में पैसा लगाने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पुष्टि करनी चाहिए।

शाहाबाद में पुलिस ने दो बड़े नशा तस्करों को दबोचा

पुलिस की दो मुठभेड़ों में एक तस्कर घायल, दूसरे से 40 लाख का चिट्टा बरामद

भारतेन्दु संवादाता, शाहाबाद। कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद में नशा तस्करी के आरोपितों और पुलिस के बीच सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक दो बार मुठभेड़ हुई। पहली मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने कार चालक गौरव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पुलिस टीम पर फायरिंग कर उसका साथी संजू खेतों की ओर फरार हो गया। पुलिस ने पीछा करते हुए मंगलवार सुबह मारकंडा के पास उसे घेर लिया। यहां भी आरोपित ने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों की कार से करीब 40 लाख रुपये कीमत का 200 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) और संजू के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया है।



थाना शाहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिद्धू ने बताया कि 19 अक्टूबर की रात शहर शाहाबाद पुलिस चौकी प्रभारी पीएसआइ मांगे राम अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गांव जंधेड़ी निवासी गौरव और कैथल निवासी संजू कार में चिट्टा लेकर शाहाबाद की ओर आ रहे हैं। दोनों अनाज मंडी के रास्ते नशीले पदार्थ की बिक्री करने पहुंच सकते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जंधेड़ी रोड पर नहर के पास नाकाबंदी कर दी।

कुछ देर बाद पुलिस को संदिग्ध कार आती दिखाई दी। टीम ने कार रुकवाकर उसमें सवार युवकों को काबू करने का प्रयास किया तो कंडक्टर सीट पर बैठे युवक ने पुलिस पर गोली चला दी। हालांकि, गोलीबारी में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और आरोपित को रुकने की चेतावनी दी। इस दौरान फायरिंग करने वाला युवक खेतों की ओर भाग गया, जबकि कार चालक गौरव को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें से 200 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई है। गौरव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मारकंडा के पास दोबारा हुई मुठभेड़

फरार आरोपित संजू की तलाश में पुलिस टीम लगातार जुटी रही। मंगलवार सुबह पीएसआइ मांगे राम, उप निरीक्षक नरेश कुमार और राजेश कुमार, एएसआइ गजराज, प्रवीन कुमार तथा मुख्य सिपाही सार्जेंट की टीम को आरोपित मारकंडा के पास दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन उसने दोबारा पुलिस टीम पर दो गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली संजू की टांग में लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे काबू कर लिया। घायल आरोपित को उपचार के लिए शाहाबाद स्थित आदेश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से एक देसी कट्टा भी बरामद किया गया। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिद्धू के अनुसार, गौरव को अदालत में पेश किया गया है। उसके खिलाफ हिमाचल प्रदेश के अलावा कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद और बाबैन थानों में छह मामले दर्ज हैं।

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग की छापेमारी

मिठाई-पनीर के सात नमूने जांच को भेजे गए

भट्टू मंडी में मिठाइयों की गुणवत्ता जांची, नमूने फेल होने पर दुकानदारों पर होगी कार्रवाई

भारतेन्दु संवादाता, फतेहाबाद। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को विभागीय टीम ने भट्टू मंडी की विभिन्न दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि कुमार राठी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान मिठाइयों और पनीर सहित सात खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए गए। इन सभी नमूनों को गुणवत्ता की जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय टीम ने अभियान के दौरान खोया बर्फी के दो नमूने लिए। इसके अलावा रसगुल्ले, बूंदी के लड्डू, बेसन बर्फी, गुलाब जामुन और पनीर का एक-एक नमूना एकत्र किया गया। इस तरह कुल सात नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के मिठाई विक्रेताओं और अन्य खाद्य कारोबारियों में हलचल देखने को मिली। टीम ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़े मानकों का पालन करने के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि कुमार राठी ने बताया कि त्योहारों के दौरान मिठाइयों और दुग्ध उत्पादों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटी या घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसीलिए विभाग की ओर से बाजारों में नियमित जांच की जा रही है, ताकि लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के साथ खाद्य कारोबारियों को नियमों के प्रति जागरूक करना भी है।

राठी ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट में यदि कोई नमूना निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरता या उसमें मिलावट पाई जाती है, तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की बिक्री में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।



जांच अभियान के दौरान बिना वैध लाइसेंस या पंजीकरण के खाद्य कारोबार चलाने वाले दुकानदारों को भी चेतावनी दी गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य कारोबार करने वालों के लिए निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। लाइसेंस और पंजीकरण संबंधी शर्तों की अनदेखी करने पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने भरोसा दिलाया कि त्योहारों के पूरे मौसम में जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग की टीमें बाजारों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करेंगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करेंगी।

परनाला में सड़क और नाले पर खर्च होंगे 90 लाख रुपए

भारतेन्दु संवादाता, बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ के परनाला गांव में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में दो विकास कार्य शुरू किए गए हैं। विधायक राजेश जून ने मंगलवार को 90 लाख रुपये की लागत से होने वाले इन कार्यों का शुभारंभ किया। इनमें 20 लाख रुपये की लागत से परनाला से औद्योगिक क्षेत्र की ओर जाने वाली फिरनी वाली सड़क का निर्माण और 70 लाख रुपये की लागत से जल निकासी नाले का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ-साथ जलभराव की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि अशोक राठी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया और क्षेत्र में विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जताई। इस दौरान विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, गलियों और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इन सुविधाओं के बेहतर होने से लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में सहूलियत मिलती है और गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने बताया कि परनाला से औद्योगिक क्षेत्र की ओर जाने वाली फिरनी वाली सड़क के निर्माण पर 20 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सड़क बनने से औद्योगिक क्षेत्र की ओर आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी।



◆ **परनाला गांव में सड़क और नाला निर्माण से जलभराव की समस्या होगी दूर**

हरियाणा पुलिस में बड़ा फेरबदल

28 अधिकारियों के हुए तबादले

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) और एचपीएस (हरियाणा पुलिस सेवा) अधिकारियों के स्थानांतरण और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। इस फेरबदल का उद्देश्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस विभाग के प्रशासनिक कामकाज को अधिक प्रभावी बनाना है।

आदेश के अनुसार आईपीएस अधिकारी बी. सतीश बालन आईजी रेलवे एवं कमांडो के साथ आईजी प्रथम भारतीय रिजर्व बटालियन, भोंडसी का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। डॉ. अंशु सिंगला को डीसीपी मुख्यालय गुरुग्राम के साथ पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, भोंडसी के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। धीरज कुमार को पुलिस मुख्यालय पंचकूला में एसपी के पद से स्थानांतरित कर एआईजी प्रशिक्षण नियुक्त किया गया है। उन्हें हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एसपी का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।



फोटो एआई द्वारा जनरेट की गई है।

आईपीएस अधिकारी मोहित हांडा को राज्यपाल हरियाणा का अतिरिक्त सैन्य सचिव नियुक्त किया गया है। वह एसपी लोकायुक्त का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे। उपासना को एसपी जींद बनाया गया है। उनके पास एसपी आतंकवाद निरोधक दस्ते का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। वहीं, कुलदीप सिंह को एसपी जींद से स्थानांतरित कर एसपी सीआईडी हरियाणा नियुक्त किया गया है।

एचपीएस अधिकारी नूपुर बिश्नोई को एआईजी कल्याण, पुलिस मुख्यालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। पूजा डाबला को एसपी सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो नियुक्त किया गया है। डीएसपी अमित बेनीवाल को हिसार और डीएसपी जसपाल सिंह को गनौर में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां तत्काल संभालने के निर्देश दिए हैं।

पहले ब्यांत में 18.5 किलो दूध देने वाली मुर्रा झोटी 7.11 लाख में बिकी

पशुपालक वेदपाल मेचु की मेहनत रंग लाई, रोहतक के खरीदार ने लगाई ऊंची बोली

भारतेन्दु संवादाता, जुई (भिवानी)। बेहतर नस्ल, उचित देखभाल और मेहनत के दम पर पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। इसका उदाहरण भिवानी जिले के जुई बिचली गांव के पशुपालक वेदपाल मेचु ने पेश किया है। उनकी मुर्रा नस्ल की झोटी 7 लाख 11 हजार रुपये में बिकी है। झोटी की कीमत और दूध उत्पादन क्षमता क्षेत्र के पशुपालकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।



वेदपाल मेचु की झोटी ने हासिल की ऊंची कीमत

रोहतक निवासी विशाल अहलावत ने वेदपाल मेचु की इस झोटी को खरीदा है। झोटी ने अपने पहले ही ब्यांत में प्रतिदिन 18 किलो 500 ग्राम दूध उत्पादन कर अपनी क्षमता का परिचय दिया। बेहतर दूध उत्पादन और मुर्रा नस्ल की विशेषताओं के चलते इसे इतनी बड़ी कीमत मिली। इस बिक्री से पशुपालन के क्षेत्र में अच्छी नस्ल के पशुओं की मांग और उनकी आर्थिक उपयोगिता भी सामने आई है।

पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसान और पशुपालक अच्छी नस्ल के पशुओं का चयन करके, उन्हें संतुलित आहार देकर और उचित देखभाल के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ा सकते हैं। इससे उनकी आमदनी में वृद्धि होने के साथ पशुपालन को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

वेदपाल मेचु की झोटी की बिक्री को क्षेत्र के पशुपालकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है। इसकी उपलब्धि से पशुपालकों में बेहतर नस्ल के पशुओं के पालन और दूध उत्पादन बढ़ाने को लेकर उत्साह है।

इस अवसर पर करतार मेचु, संदीप मेचु, विनोद सामोता, राकेश श्योराण, नवनीत शर्मा, सचिन रापड़िया, ईश्वर सिंघवा, अशोक मेचु और पूर्व सरपंच सोमबीर मेचु उपस्थित रहे। झोटी की बिक्री ने जुई बिचली गांव के पशुपालक वेदपाल मेचु को क्षेत्र में पहचान दिलाई है।

बीघड़ में पेड़ से टकराई बाइक पूर्व विधायक के चालक की हुई मौत

भारतेन्दु संवादाता, फतेहाबाद। जिले के गांव बीघड़ में बनावाली हेड के पास सोमवार रात हुए सड़क हादसे में 30 वर्षीय प्रदीप की मौत हो गई। वह गांव शेखुपुर दड़ोली का निवासी था और पिछले करीब तीन वर्षों से भाजपा के पूर्व विधायक दुड़ाराम की गाड़ी पर चालक के रूप में कार्यरत था। हादसे के बाद परिवार में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे मोटरसाइकिल पर फतेहाबाद से अपने पैतृक गांव लौट रहा था। इसी दौरान गांव बीघड़ में बनावाली हेड के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसे गंभीर चोटें आईं। रात के समय अंधेरा होने और सड़क पर आवाजाही कम होने के कारण हादसे का तुरंत पता नहीं चल पाया। मंगलवार सुबह वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने सड़क किनारे प्रदीप का शव और क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल देखी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदीप को नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया।

रनहेड़ा खेड़ा के सामुदायिक भवन पर खर्च होंगे 1.28 करोड़ रुपए, मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

विधायक मूलचंद शर्मा ने सुंदरीकरण कार्य का किया शिलान्यास

भारतेन्दु संवादाता, फरीदाबाद। नगर निगम के वार्ड नंबर-एक के अंतर्गत आने वाले रनहेड़ा खेड़ा गांव के सामुदायिक भवन का 1.28 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण किया जाएगा। विधायक मूलचंद शर्मा ने इस विकास कार्य का शिलान्यास किया। भवन को वातानुकूलित बनाने के साथ ही यहां सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इससे गांव के लोगों को विवाह-शादियों और अन्य सामाजिक समारोहों के आयोजन में बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

विधायक मूलचंद शर्मा ने बताया कि वर्ष 2019 में उन्होंने इस सामुदायिक भवन का निर्माण करवाया था। अब ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसके सुंदरीकरण की योजना तैयार की गई है। नगर निगम की ओर से इस कार्य को पूरा कराया जाएगा। भवन के नवीनीकरण से ग्रामीणों को समारोह आयोजित करने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। इससे आसपास के लोगों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।



नगर निगम ने सामुदायिक भवन के सुंदरीकरण के लिए बजट मंजूर कर दिया है। इसके तहत भवन के फर्श पर टाइल्स लगाई जाएंगी। इसके अलावा भवन को वातानुकूलित बनाया जाएगा, जिससे गर्मी के मौसम में भी लोगों को कार्यक्रम आयोजित करने में परेशानी न हो। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। वर्ष 2014 से पहले गांव विकास सुविधाओं के लिए तरसता था, लेकिन अब यहां बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

गांव में हुआ बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

शिलान्यास कार्यक्रम में वार्ड नंबर-एक के पार्षद मुकेश डागर भी मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि गांव में गलियों को सीमेंटेड बनाया जा चुका है। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइटें लगाने और सीवर लाइन बिछाने का काम भी किया गया है। उन्होंने इन विकास कार्यों का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शहरी आवास और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे, ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

तीन साल की परीशा ने याददाश्त के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में बनाया नाम

35 सब्जियों, फलों और देशों के झंडों के नाम एक मिनट में बताने में माहिर

भारतेन्दु संवादाता, रेवाड़ी। जिले के गांव गोठड़ा पाली निवासी तीन वर्षीय परीशा ने अपनी असाधारण याददाश्त और निरंतर अभ्यास के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराकर परिवार और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इतनी कम उम्र में अलग-अलग श्रेणियों की वस्तुओं और जीवों के नाम याद रखना और उन्हें तेजी से बताना उसकी खास प्रतिभा है। परीशा ने पांच अक्टूबर को रिकॉर्ड के लिए आवेदन किया था। सात अक्टूबर को उसने निर्धारित मानकों के अनुसार क्वालीफाई किया, जबकि 19 अक्टूबर को उसका प्रमाणपत्र परिवार को प्राप्त हुआ।

परीशा के पिता प्रदीप गोठड़ा प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं और मां सोनम यादव गृहिणी हैं। सोनम ने बताया कि बेटी



◆ **डेढ़ साल की उम्र से अभ्यास याददाश्त ने दिलाई रिकॉर्ड में जगह**

की याद रखने और चीजों को पहचानने की क्षमता को देखते हुए उन्होंने करीब डेढ़ साल की उम्र से ही उसे अभ्यास कराना शुरू कर दिया था। उस समय परीशा ठीक से बोल भी नहीं पाती थी, लेकिन इशारों के माध्यम से शरीर के आठ से दस अंगों के नाम बता देती थी। इसके बाद परिवार ने उसे अलग-अलग वस्तुओं, फलों, सब्जियों और जीवों के नाम पहचानने तथा याद रखने का अभ्यास कराया।

विश्व रिकॉर्ड की तैयारी शुरू

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। अब परीशा को योग और भगवद्गीता के श्लोकों का अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि उसकी प्रतिभा को और निखारा जा सके। परिवार का दावा है कि इस श्रेणी में रिकॉर्ड बनाने वाली परीशा पहली बच्ची है और हरियाणा में भी इससे पहले किसी बच्चे ने ऐसी उपलब्धि हासिल नहीं की है।

पदकवीर 20 साल बाद भारत को मिला रजत, संदीप अब पुर्तगाल और मलेशिया में दिखाएंगे दमखम

एथेंस में संदीप कड़वासरा ने रजत जीतकर बढ़ाया देश का मान

भारतेन्दु संवादाता, लोहारू। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर लोहारू की पहचान चमकाने वाले गांव झांझड़ा श्योराण के वेटलिफ्टर संदीप कड़वासरा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ग्रीस की राजधानी एथेंस में आयोजित विश्व मास्टर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2026 में संदीप ने 60 किलोग्राम पुरुष भार वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। इस वर्ग में भारत को 20 साल बाद रजत पदक मिलने की जानकारी सामने आई है। संदीप की इस उपलब्धि से लोहारू सहित आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता को कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और सहयोग का परिणाम माना जा रहा है।

संदीप ने अपनी इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय अपने सहयोगियों और लगातार किए गए अभ्यास को दिया। उन्होंने अपना पदक लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया को समर्पित किया। संदीप के अनुसार, विधायक के सहयोग से ही उन्हें इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। विधायक राजबीर फरटिया ने संदीप को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि की सराहना की।



लोहारू के संदीप कड़वासरा ने एथेंस में लहराया तिरंगा

विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि संदीप कड़वासरा क्षेत्र के लिए गौरव हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर लोहारू के साथ पूरे हरियाणा का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि दूसरे खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। संदीप ने यह साबित किया है कि लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की जा सकती है।

हरियाणा मास्टर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट महेश श्योराण ने बताया कि संदीप भारतीय मास्टर वेटलिफ्टिंग टीम में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। वह अपने निजी कोच गोपाल कृष्ण और भाई डीडी शर्मा के मार्गदर्शन में सुबह-शाम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। नियमित अभ्यास के साथ वह आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियों में जुटे हैं।

पुर्तगाल और मलेशिया की प्रतियोगिताओं पर नजर

एथेंस में रजत पदक जीतने के बाद संदीप का अगला लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए और पदक हासिल करना है। वह 29 अक्टूबर से पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में आयोजित होने वाली इंटरनेशनल मास्टर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद दिसंबर में मलेशिया के पेनांग में होने वाली कॉमनवेल्थ मास्टर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी हिस्सा लेंगे। लगातार दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से संदीप को अपनी प्रतिभा दिखाने के नए अवसर मिलेंगे। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और उनके समर्थकों को उम्मीद है कि वह आगामी प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतेंगे। एथेंस में मिली सफलता ने उनके हौसले को और मजबूत किया है।

दिल्ली में दशहरे की धूम, 221 फीट के रावण से लेकर 30 फीट के कॉकरोच तक खास आकर्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में दशहरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार शाम विभिन्न स्थानों पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा। इस बार कई रामलीला आयोजनों में पारंपरिक पुतलों के साथ सामाजिक बुराइयों को दर्शाने वाले अनोखे पुतले भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कहीं 30 फीट ऊंचे कॉकरोच का पुतला जलाने की चर्चा है, तो कहीं 221 फीट ऊंचे रावण के पुतले को लेकर उत्साह बना हुआ है। राजधानी के कई आयोजन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। **आईपी एक्सटेंशन में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन पर नजर**

दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन स्थित श्री रामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ के दशहरा समारोह को लेकर विशेष उत्साह है। इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को लेकर लोगों की नजर बनी हुई है। कार्यक्रम में रावण, कुंभकर्ण



दिल्ली-एनसीआर में रावण दहन के साथ जलेगा 30 फीट का कॉकरोच।

और मेघनाद के पुतलों के साथ नकली दवाइयों की कालाबाजारी करने वालों को दर्शाने वाला पुतला भी तैयार किया गया है। इसके जरिए समाज में फैली गलत गतिविधियों के खिलाफ संदेश देने की कोशिश की जाएगी। **नकली दवाओं के कारोबार पर भी निशाना** इस बार दशहरा आयोजनों में केवल धार्मिक परंपराओं तक सीमित न रहकर सामाजिक मुद्दों को भी जगह दी जा रही है। नकली दवाइयों की कालाबाजारी करने वालों के पुतले के जरिए ऐसे कारोबार से लोगों को होने वाले नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया जाएगा। आयोजनों में रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाएगा।

221 फीट के रावण और 30 फीट के कॉकरोच की चर्चा

दिल्ली-एनसीआर में इस बार विशाल पुतलों के साथ अनोखी आकृतियां भी लोगों का ध्यान खींच रही हैं। 221 फीट ऊंचे रावण के पुतले की चर्चा सोशल मीडिया पर भी हो रही है। वहीं, 30 फीट के कॉकरोच के पुतले को लेकर भी लोगों में उत्सुकता है। ऐसे पुतले दशहरा समारोहों को अलग पहचान देने के साथ दर्शकों के लिए खास आकर्षण बन सकते हैं। **शाम को होंगे रावण दहन के कार्यक्रम** दशहरा के अवसर पर दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न रामलीला मैदानों में शाम को पुतला दहन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें परिवारों के साथ पहुंचने वाले लोगों को रामलीला, रावण दहन और आतिशबाजी देखने का अवसर मिलेगा।

दशहरा ग्राउंड में मिक्सर झूले पर हादसा, दो लोग घायल; पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के विकासपुरी इलाके में दशहरा ग्राउंड में लगे मिक्सर झूले का गेट टूटने से दो लोग घायल हो गए। हादसा देर रात करीब 1:36 बजे हुआ। घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मेले में लगाए गए झूलों की सुरक्षा व्यवस्था और आयोजकों की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। **देर रात हुआ हादसा, दो लोग घायल**

जानकारी के अनुसार, विकासपुरी के एफ ब्लॉक स्थित दशहरा ग्राउंड में मेला लगा हुआ है। इसी दौरान मिक्सर झूले का गेट अचानक टूट गया, जिससे दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें



अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। **आरएमएल अस्पताल में चल रहा इलाज** हादसे में घायल दोनों लोगों को पहले माता चानन देवी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। पुलिस ने दर्ज की एफआईआर घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

50 साल पुराने पुल की बदलेगी सूरत, आगरा में 90 दिन तक यातायात प्रभावित; ट्रेनों पर भी असर

एजेंसी ,नई दिल्ली आगरा में करीब 50 साल पुराने खेरिया मोड़-ईदगाह रेल ओवर ब्रिज की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। रेलवे ने पुल के आधा दर्जन से अधिक गर्डर बदलने की तैयारी की है। इसके चलते आरओबी को 90 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और यातायात को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट किया गया है। मरम्मत के तहत बैकहो लोडर से पुल की डामर सड़क हटाई गई है। गर्डर के ऊपर लगे लोहे के एंगल और अन्य सामान भी निकाले जा रहे हैं। यह काम पांच से सात दिनों तक चलने की संभावना है। **नई दिल्ली-आगरा रेल खंड पर लगेगा मेगा ब्लॉक** रेलवे जल्द ही नई दिल्ली-आगरा रेल खंड पर मेगा ब्लॉक लेने जा रहा है। इससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो सकता है। कई ट्रेनों के रूट बदले जा सकते हैं, जबकि कुछ ट्रेनें रद्द भी हो सकती हैं। इस रेल खंड पर प्रतिदिन 450 से अधिक ट्रेनें चलती हैं, जिनमें करीब 350 यात्री ट्रेनें शामिल हैं। आगरा कैंट स्टेशन से रोजाना लगभग 26 हजार यात्री सफर करते हैं। ऐसे में यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी जाती है।



सांकेतिक तस्वीर।

बावल में डीबीजी कंपनी के स्क्रैप यार्ड में लगी आग, दशहरे की छुट्टी से टला बड़ा हादसा

एजेंसी, नई दिल्ली हरियाणा के बावल औद्योगिक क्षेत्र में दशहरा के अवसर पर मंगलवार को मोबाइल फोन निर्माता डीबीजी कंपनी के स्क्रैप यार्ड में भीषण आग लग गई। आग से वहां रखा स्क्रैप का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि त्योहार के चलते कंपनी में छुट्टी थी और कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, बावल के सेक्टर-5 स्थित प्लॉट नंबर-10 में डीबीजी कंपनी का संचालन होता है। मंगलवार को कंपनी के स्क्रैप यार्ड में अज्ञात कारणों से आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। कंपनी परिसर में तैनात सुरक्षा गार्ड ने धुआं उठता देखकर तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जानकारी जुटा रहे हैं।

दशहरा 2026 ट्रैफिक अलर्ट: दिल्ली-नोएडा के कई इलाकों में डायवर्जन, यात्रा से पहले जान लें जरूरी बातें



एआई जेनरेटेड इमेज

एजेंसी, नई दिल्ली दशहरा, रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रमों को देखते हुए दिल्ली और नोएडा के कई इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है। लोगों को जाम से बचाने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए कुछ मार्गों पर बदलाव किए गए हैं। ऐसे में अगर आप दशहरे के मौके पर कहीं जाने की योजना बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले रास्तों की जानकारी जरूर ले लें। पूर्वी दिल्ली में बढ़ सकती है भीड़ दशहरा के अवसर पर पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होने के कारण भीड़ बढ़ने की आशंका है। इससे प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें और संभव हो तो वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। नोएडा में भी यातायात पर असर नोएडा में भी दशहरा कार्यक्रमों के चलते कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। लोगों को परेशानी से बचने के लिए ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करना चाहिए। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में लागू डायवर्जन की विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक ट्रैफिक एडवाइजरी देखना जरूरी है।

टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर फायरिंग मामले में सोनीपत कनेक्शन, अब समीर का नाम आया सामने

एजेंसी, नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर फायरिंग के मामले में सोनीपत कनेक्शन को लेकर जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। रेहान के बाद अब सोनीपत के गांव देवडू निवासी 18 वर्षीय समीर का नाम भी सामने आया है। मामले में एसटीएफ की जांच के बीच समीर के परिजनों ने दावा किया है कि वारदात वाली रात ही टीम उसे पूछताछ के लिए घर से अपने साथ ले गई थी। परिवार के मुताबिक, समीर अब तक पुलिस के पास है। **रेहान के बाद समीर का नाम आया सामने**

समीर का नाम पहले भी उस समय चर्चा में आया था, जब इंस्टाग्राम पर हथियार के साथ उसकी तस्वीर अपलोड होने का मामला सामने आया था। अब टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर फायरिंग के मामले में सोनीपत कनेक्शन की जांच के दौरान उसका नाम सामने आने से पुलिस की पड़ताल तेज



होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस मामले में समीर की भूमिका को लेकर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

समीर की मां मंजू ने बताया कि उनका बेटा परिवार में सबसे छोटा है और 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा है। उनके अनुसार, समीर नियमित रूप से स्कूल जाता है। परिवार का कहना है कि उसकी स्कूल में उपस्थिति का रिकॉर्ड भी जांचा जा सकता है। मंजू ने यह भी दावा किया कि वर्ष 2021 में, जब समीर करीब 14 वर्ष का था, तब उसकी किडनी में गंभीर समस्या हो गई थी। परिवार ने उसकी बीमारी का हवाला देते हुए अपनी चिंता जाहिर की है।

ग्रेटर नोएडा में गरबा कार्यक्रम के दौरान बवाल, 10 युवकों पर बदसलूकी और जान से मारने की धमकी का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित निराला एस्पायर सोसायटी में गरबा उत्सव के दौरान जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि बाहर से आए करीब 10 युवकों ने महिलाओं के साथ अभद्रता की और विरोध करने पर निवासियों से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपों के मुताबिक, युवक नशे में धुत थे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने सुरक्षा गार्ड और सोसायटी के निवासियों पर थार चढ़ाने का प्रयास किया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। घटना के दौरान आरोपी सोसायटी के मुख्य गेट पर लगा बूम बैरियर तोड़कर वाहन समेत फरार हो गए। गरबा उत्सव के दौरान हुई इस घटना से सोसायटी के निवासियों में नाराजगी है। महिलाओं के साथ कथित अभद्रता और सुरक्षा गार्ड को कुचलने के प्रयास को लेकर मामला गंभीर हो गया है।

फरीदाबाद में 50 लाख की साइबर ठगी का खुलासा, 29 लाख रुपये फ्रीज; 6 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के फरीदाबाद में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जहां व्हाट्सएप पर कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की फोटो लगाकर कर्मचारी से 50 लाख रुपये ठग लिए गए। मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वहीं, ठगी की रकम में से 29 लाख रुपये बैंक खातों में फ्रीज कराए गए हैं। **सीएमडी की फोटो देखकर कर्मचारी ने भेजे पैसे**

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, सेक्टर-28 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि 17 सितंबर को उसके व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से संदेश आया था। उस नंबर की प्रोफाइल फोटो पर उसकी कंपनी के सीएमडी की तस्वीर लगी हुई थी। इस वजह से कर्मचारी को लगा कि संदेश कंपनी



लाखों की ठगी करने वाला गिरोह

के वरिष्ठ अधिकारी की ओर से भेजा गया है। **एक करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का आया मैसेज**

आरोपितों ने सीएमडी की पहचान का इस्तेमाल करते हुए कर्मचारी को एक बैंक खाते में एक करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। संदेश को अधिकारी का आदेश समझकर शिकायतकर्ता ने कंपनी के खाते से 50 लाख रुपये बताए गए बैंक खाते में भेज दिए। बाद में जब ठगी का पता चला, तो पीड़ित ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दर्ज कराई। **छह आरोपित गिरफ्तार, 29 लाख रुपये फ्रीज**

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। इसके अलावा बैंक खातों में ठगी की रकम में से 29 लाख रुपये फ्रीज कराए गए हैं, ताकि राशि को आगे निकाले जाने से रोका जा सके। यह मामला दिखाता है कि साइबर ठग किस तरह वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल करके कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं।

दशहरे 2026 ट्रैफिक अलर्ट: दिल्ली-नोएडा के कई इलाकों में डायवर्जन, यात्रा से पहले जान लें जरूरी बातें

एआई जेनरेटेड इमेज

एजेंसी, नई दिल्ली दशहरा, रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रमों को देखते हुए दिल्ली और नोएडा के कई इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है। लोगों को जाम से बचाने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए कुछ मार्गों पर बदलाव किए गए हैं। ऐसे में अगर आप दशहरे के मौके पर कहीं जाने की योजना बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले रास्तों की जानकारी जरूर ले लें। पूर्वी दिल्ली में बढ़ सकती है भीड़ दशहरा के अवसर पर पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होने के कारण भीड़ बढ़ने की आशंका है। इससे प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें और संभव हो तो वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। नोएडा में भी यातायात पर असर नोएडा में भी दशहरा कार्यक्रमों के चलते कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। लोगों को परेशानी से बचने के लिए ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करना चाहिए। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में लागू डायवर्जन की विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक ट्रैफिक एडवाइजरी देखना जरूरी है।

मेरठ कांड: फांसी की सजा के बाद भावुक हुए दोषी, परिवार ने हाईकोर्ट में पैरवी की तैयारी की

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में चर्चित नीला ड्रम और सांप कांड में मृत्युदंड की सजा पाने वाले चार दोषियों साहिल, मुस्कान, रविता और अमरदीप से उनके परिजनों ने जेल में मुलाकात की। सजा सुनाए जाने के बाद परिवार के सदस्यों से हुई इन मुलाकातों के दौरान भावुक कर देने वाले दृश्य सामने आए। रविता अपनी मां को देखकर रोने लगी, जबकि मुस्कान के बारे में बताया जा रहा है कि वह अपने बच्चों से मिलने के लिए बेचैन है। दोषियों के परिजनों ने अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने और कानूनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। **मां को देखकर रोने लगी रविता**

दोनों मामलों में अदालतों द्वारा मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद रविता की मां मुनेश देवी पहली बार उससे मिलने जेल पहुंचीं। मां और बेटी के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। मुलाकात के दौरान



रविता भावुक हो गई और अन्य बंदियों के सामने ही रोने लगी। मुनेश देवी ने बेटी को समझाया कि परिवार उसके साथ खड़ा है और कानूनी लड़ाई में उसे अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। परिवार का कहना है कि आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत दोषियों को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

साहिल से मिलने पहुंचा भाई

दूसरी ओर, साहिल का भाई दिव्यांश भी जेल में उससे मुलाकात करने पहुंचा। दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई।

मृत्युदंड की सजा के बाद परिवार के सदस्य दोषियों से मिलकर उनका हाल जान रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई पर चर्चा कर रहे हैं। परिजनों ने जेल प्रशासन को लिखित रूप से जानकारी दी है कि वे अपना वकील नियुक्त करेंगे और हाईकोर्ट में मामले की मजबूती से पैरवी करेंगे। उनका उद्देश्य निचली अदालत के फैसले को चुनौती देकर कानूनी राहत पाने का प्रयास करना है।

आगरा में आलू किसानों ने बीज से खींचे हाथ, 4716 क्विंटल में करीब 2000 क्विंटल की बुकिंग बाकी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के आगरा में पिछले दो साल से आलू की मंदी झेल रहे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बाजार में आलू के कम भाव और सरकारी बीज की ऊंची कीमतों के कारण किसान नया बीज खरीदने से कतरा रहे हैं। इसका असर सरकारी आलू बीज की बुकिंग पर साफ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बार अब तक केवल 190 किसानों ने सरकारी आलू बीज के लिए बुकिंग कराई है, जबकि पिछले वर्षों में दो से ढाई हजार किसान आवेदन करते थे। आगरा जिले को कुल 4716 क्विंटल आलू बीज आवंटित किया गया है, जिसमें करीब दो हजार क्विंटल बीज की बुकिंग अभी बाकी है। **कम भाव ने तोड़ी किसानों की कमर** पिछले साल आगरा जिले में करीब 85 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में आलू की बोआई हुई थी और पैदावार भी अच्छी रही थी। हालांकि, पूरे सीजन में किसानों को आलू का संतोषजनक भाव नहीं मिल पाया।

दशहरे पर ग्रेटर नोएडा में दिखेगा भव्य नजारा, 70 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में दशहरा पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस त्योहार पर शहर के विभिन्न स्थानों पर रामलीला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा। साथ ही रंग-बिरंगी इको-फ्रेंडली आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। पर्व को लेकर लोगों में उत्साह है और आयोजन स्थलों पर तैयारियां की जा रही हैं।



असत्य पर सत्य की जीत

गौर सिटी में होगा सबसे ऊंचे रावण का दहन

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी स्थित राधाकृष्ण पार्क में आयोजित रामलीला में शहर का सबसे ऊंचा 70 फीट का रावण दहन किया जाएगा। इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। रावण के साथ कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन भी दशहरे के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहेगा।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा दशहरा देशभर में उत्साह के साथ मनाया जाने वाला प्रमुख त्योहार है। यह पर्व भगवान श्रीराम की रावण पर विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। इस दिन विभिन्न शहरों और कस्बों में रामलीला के मंचन के बाद रावण दहन किया जाता है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ कार्यक्रमों में शामिल होकर त्योहार की खुशियां मनाते हैं।

आगरा में त्योहारी सीजन की धूम, 700 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद; कारों और बाइकों की बंपर बिक्री



सांकेतिक तस्वीर।

एजेंसी, नई दिल्ली आगरा में नवरात्र से शुरू हुआ त्योहारी सीजन दशहरा और दीपावली तक बाजारों में रौनक बनाए हुए है। इस दौरान शहर में करीब 700 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कारोबार की उम्मीद जताई जा रही है। कारों, दोपहिया वाहनों, आभूषणों और इलेक्ट्रॉनिक सामान की बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। दशहरा के मौके पर शहर में करीब एक हजार कारों और दो हजार से अधिक दोपहिया वाहनों की डिलीवरी की तैयारी है। दीपावली तक लगभग तीन हजार कारों और 10 हजार बाइक व स्कूटी की डिलीवरी का अनुमान है। वाहनों की मांग बढ़ने से कई मॉडलों पर वेटिंग भी चल रही है। त्योहारी खरीदारी के दौरान लोग इलेक्ट्रॉनिक सामान और आभूषण खरीदने को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, रियल एस्टेट कारोबार में भी तेजी देखी जा रही है। दूसरी ओर, पेंट बाजार में मांग बढ़ने के बावजूद मजदूरों की कमी की समस्या बनी हुई है। लोकल सर्किल्स के 'मूड ऑफ द कंज्यूमर' सर्वे के अनुसार, त्योहारी सीजन में एक शहरी परिवार औसतन 20 हजार रुपये की खरीदारी कर सकता है। इससे कारोबारियों को बिक्री बढ़ने और बाजार में आर्थिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन में आगरा के बाजारों में कपड़ों, मिठाइयों, सजावटी सामान और घरेलू उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है। कारोबारियों को उम्मीद है कि दीपावली तक खरीदारी में तेजी बनी रहेगी और स्थानीय व्यापार को बड़ा फायदा मिलेगा।

प्रशांत भूषण को योगेंद्र यादव की दोटूक, बोले- आंदोलन में अति उत्साह फायदे की जगह नुकसान करेगा

सत्ता परिवर्तन की मांग पर योगेंद्र यादव ने दिखाया आईना, बोले- पहले जनता की आवाज सुनिए

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रशांत भूषण के 'रेजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन के बयान पर मचे राजनीतिक घमासान के बीच उनके पुराने साथी और स्वराज इंडिया के प्रमुख योगेंद्र यादव ने अलग राय रखी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल जनता के बीच सत्ता परिवर्तन की मांग नहीं है। आंदोलन के नेताओं को अपनी राय जनता पर थोपने से बचना चाहिए। उनके मुताबिक, अति उत्साह में उठाया गया कोई भी कदम आंदोलन को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। योगेंद्र यादव राजनीतिक विश्लेषण और चुनावी गणित को समझने के लिए जाने जाते हैं। वह कई बार कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मंच पर भी नजर आ चुके हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करते समय जनता की भावनाओं और उसकी वास्तविक मांगों को प्राथमिकता देना जरूरी है। नेताओं को जनता से केवल एक कदम आगे रहकर उसकी अगुवाई करनी चाहिए, न कि उससे बहुत आगे निकल जाना चाहिए। **प्रशांत भूषण और नेहा**



प्रशांत भूषण ने सीजेपी के मंच से की थी रेजीम जेंच की बात।

बोरा के बयान से शुरू हुआ विवाद

हाल ही में वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने सीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन को 'रेजीम चेंज' की लड़ाई बताया था। वहीं, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की प्रमुख नेहा बोरा ने बांग्लादेश में हुए हिंसक जेन जी विरोध प्रदर्शनों को रास्ता दिखाने वाला बताया था। इन प्रदर्शनों के बाद वहां सत्ता परिवर्तन हुआ था। भाजपा ने इन बयानों को लेकर आंदोलन के उद्देश्यों पर सवाल उठाए।

इसके बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके को सफाई देनी पड़ी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन गांधीवादी रास्ते पर चलते हुए निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहा है, न कि सत्ता परिवर्तन की। **'आंदोलन में जनता की राय सबसे अहम'** एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में योगेंद्र यादव ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं की राय और आम जनता की सोच में अंतर हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं की सोच से बदलाव आता, तो देश में बहुत पहले परिवर्तन हो चुका होता। उनके अनुसार, आंदोलन का घोषित उद्देश्य तय करना राजनीतिक समझ का विषय है। नेताओं को अपनी मांगों के बजाय जनता की आवाज सुननी चाहिए। आज आंदोलन को ताकत इसलिए मिल रही है क्योंकि इसमें राजनीतिक दलों और संगठनों से बाहर निकलकर आम लोग भी शामिल हो रहे हैं। योगेंद्र यादव ने अपने साथियों से अपील की कि वे आम लोगों की बात सुनें और अपने अति उत्साह में ऐसी मांगें न उठाएं, जिनसे आंदोलन कमजोर पड़ जाए। **'आज जनता रेजीम चेंज नहीं, निष्पक्ष चुनाव चाहती है'**

योगेंद्र यादव ने कहा कि संभव है कि आने वाले समय में जनता सत्ता परिवर्तन की मांग करने लगे, लेकिन फिलहाल उनके आकलन के मुताबिक ऐसी स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक की मौजूदा मांग निष्पक्ष चुनाव कराने की है। जनता चाहती है कि चुनाव निष्पक्ष हों, भले ही उसमें भाजपा जीते या हारे। उन्होंने कहा कि यदि छह महीने तक आंदोलन चलता रहे, निष्पक्ष चुनाव की मांग पर कोई समाधान न निकले और उत्तर प्रदेश के चुनाव के बाद भी लोगों को लगे कि सभी विकल्प खत्म हो चुके हैं, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं।

700 मीटर लंबे गौर चौक अंडरपास का 95% काम पूरा, अब पेंटिंग से संवारा जा रहा रूप

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौर चौक पर बन रहे अंडरपास का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब 700 मीटर लंबे इस अंडरपास का 95 प्रतिशत फिनिशिंग और पेंटिंग का काम पूरा हो चुका है। अंडरपास को खूबसूरत और आकर्षक बनाने के लिए इसकी अंदरूनी दीवारों पर रंग-बिरंगी कलाकृतियां बनाई जा रही हैं। इनमें भगवान बुद्ध की तस्वीरों के साथ प्राकृतिक दृश्यों को भी उकेरा जा रहा है। इसे दीपावली से पहले आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है। अंडरपास शुरू होने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के करीब दो लाख लोगों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

दीवारों पर दिखेंगी बुद्ध की तस्वीरें और प्राकृतिक दृश्य

गौर चौक अंडरपास को केवल यातायात की सुविधा तक सीमित न रखते हुए इसे आकर्षक रूप देने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंदर की दीवारों पर सुंदर और रंगीन पेंटिंग बनाई जा रही हैं। भगवान बुद्ध की कलाकृतियों के साथ प्रकृति से जुड़े दृश्य भी दीवारों



की खूबसूरती बढ़ाएंगे। इससे अंडरपास से गुजरने वाले लोगों को एक अलग अनुभव मिलेगा। सजावट पूरी होने के बाद यह अंडरपास क्षेत्र की सुंदरता में भी योगदान देगा। करीब 700 मीटर लंबे इस अंडरपास का अधिकांश काम पूरा हो चुका है।

फिलहाल फिनिशिंग और पेंटिंग के शेष कार्य को पूरा करने पर ध्यान दिया जा रहा है। योजना है कि दीपावली से पहले इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाए। हालांकि, इसके शुरू होने की अंतिम तारीख की आधिकारिक पुष्टि होने पर ही स्थिति स्पष्ट होगी।गौर चौक ग्रेटर नोएडा वेस्ट का एक महत्वपूर्ण यातायात केंद्र है। आसपास की आवासीय सोसायटियों में रहने वाले लोगों को रोजाना इस मार्ग से गुजरना पड़ता है। व्यस्त समय में वाहनों की अधिक संख्या के कारण यहां जाम की समस्या होती है। अंडरपास चालू होने से यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इससे करीब दो लाख लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सकती है और उनका सफर पहले की तुलना में आसान हो सकता है। निर्माण कार्य के साथ-साथ अंडरपास की फिनिशिंग और सजावट पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। करीब 95 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद अब शेष कार्य को जल्द पूरा करने की तैयारी है। इसे दीपावली से पहले शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

बजौरा स्कूल में 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' पर निबंध प्रतियोगिता, छात्रों को दिया ईमानदारी का संदेश



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। एनएचपीसी पार्वती-द्वितीय पावर स्टेशन के सत्यनिष्ठा क्लब द्वारा दिनांक 19 अक्तूबर को सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बजौरा में 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता एवं पैम्फलेट प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी पीढ़ी को ईमानदारी, पारदर्शिता और एक भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूक करना था। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचारों के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता और देश की समृद्धि में सत्यनिष्ठा के महत्व को रेखांकित किया। प्रतिभागियों ने निबंधों के जरिए समाज में नैतिक आचरण की आवश्यकता पर अपने उत्कृष्ट विचार साझा किए। इस विशेष कार्यक्रम में पार्वती-द्वितीय पावर स्टेशन के सतर्कता अधिकारी निर्मल चंद, पाठशाला के उप प्रधानाचार्य कश्मीर सिंह ठाकुर तथा अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे। निर्मल चंद ने छात्रों को संबोधित करते हुए सतर्कता और सत्यनिष्ठा के महत्व को समझाया। पाठशाला प्रशासन ने एनएचपीसी के इस प्रयास की सराहना की। प्रतियोगिता के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। एनएचपीसी प्रबंधन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों, समन्वयक टीम और प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

प्रो. धूमल ने विजयादशमी पर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। प्रो. धूमल ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्री राम के आदर्श हमें सत्य, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बिरला टेक्सटाइल मिल्स में राम नवमी पर सजा डांडिया महोत्सव



भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। सतलुज टेक्सटाइल्स एंड इंडस्ट्रीज ग्रुप की इकाई बिरला टेक्सटाइल मिल्स, बद्दी में राम नवमी के अवसर पर भव्य डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा, मधुर संगीत और रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ कमर्शियल हेड जीके लोढ़ा, एवीपी (एचआर एवं आईआर) एच.के. तिवारी, डीजीएम सचिन मिन्हास, एजीएम तुषार, हेमा जोशी और रीना ठाकुर की उपस्थिति में हुआ। महोत्सव के दौरान प्रतिभागियों ने पारंपरिक संगीत की धुनों पर डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर लगाए गए विभिन्न खान-पान के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच आपसी सौहार्द, एकता और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देना था। महोत्सव ने सभी को साथ मिलकर खुशियां बांटने और आपसी संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

सोलन में आरएसएस ने मनाया स्थापना दिवस, स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने मंगलवार को विजयदशमी के उपलक्ष्य में सोलन में स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने पथ संचलन करते हुए शहर के मॉल रोड का भ्रमण किया और दशहरा मैदान स्थित ठोडो ग्राउंड में कार्यक्रम का समापन हुआ। संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता गुरदीप साहनी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दुर्गा क्लब में शस्त्र पूजन के साथ हुई। इसके बाद स्वयंसेवक कतारबद्ध होकर पथ संचलन करते हुए मॉल रोड से गुजरे और ठोडो ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष सोलन में संघ के शताब्दी वर्ष के प्रथम उत्सव का आगाज किया गया था। गुरदीप साहनी ने कहा कि संघ के विस्तार और समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस वर्ष विभिन्न स्थानों पर शाखाएं लगाई गईं तथा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत गृह संपर्क अभियान और हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदू समाज के लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा समाज के प्रमुख लोगों की सहभागिता से प्रमुख जन संगोष्ठी भी आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक विदेशी शासन के अधीन रहा और उस दौरान समाज में एकजुटता की कमी थी। आज देश स्वतंत्र है और समाज को संगठित बनाए रखना आवश्यक है। संघ के कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश देना है। साहनी ने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं के हाथों में शस्त्र शक्ति के प्रतीक के रूप में दर्शाए जाते हैं। इसी प्रकार संघ के स्वयंसेवक भी शस्त्रों को शक्ति के प्रतीक के रूप में धारण कर पथ संचलन करते हैं।

कांगड़ा में रामलीला उत्सव धूमधाम से मनाया, अमित वर्मा ने भेंट किए 21 हजार

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगर परिषद मैदान कांगड़ा में आयोजित रामलीला की नवमी संध्या पर जनहित संगठन के अध्यक्ष एवं समाजसेवी अमित वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान रामलीला सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश मेहरा ने उन्हें शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। सभा की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। अमित वर्मा ने रामलीला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि कलाकारों का शानदार अभिनय और दर्शकों की भारी उपस्थिति कार्यक्रम को विशेष बना रही है। उन्होंने रामलीला सभा कांगड़ा को 21 हजार रुपये सहयोग राशि के रूप में भेंट किए तथा भविष्य में भी सहयोग जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर मंदिर बाजार कांगड़ा के अनुपम शर्मा ने कलाकारों के लिए 3100 रुपये दिए, जबकि विधायक पवन काजल ने कलाकारों को 11 हजार रुपये की सहायता प्रदान की।

चड़ी में आरएसएस का भव्य पथ संचलन, नशामुक्त समाज का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष और विजयदशमी के अवसर पर मंगलवार को घरोह खंड की ओर से चड़ी बाजार में भव्य पथ संचलन आयोजित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन, सामाजिक एकता और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बार एसोसिएशन धर्मशाला के अध्यक्ष अंकुर सोनी ने बढ़ते नशे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि समाज को इस बुराई के खिलाफ एकजुट होकर आगे आना होगा। उन्होंने पारिवारिक और राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण पर भी जोर दिया। मुख्य वक्ता एवं संघ के जिला कार्यवाह सुधीर कुमार ने कहा कि संघ की शाखाएं संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख केंद्र हैं। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया का सीमित और सकारात्मक उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने विजयदशमी को संघ के लिए विशेष महत्व का दिन बताते हुए संगठन की स्थापना और राष्ट्रसेवा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभाग कार्यवाह सुशील कुमार, खंड संघचालक अशोक कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भगवान रघुनाथ की रथयात्रा के साथ आज होगा अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा का आगाज

347 देवी-देवताओं के आगमन से देवमय होगा ढालपुर, सात दिन तक सजेगा आस्था का महाकुंभ

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवभूमि कुल्लू में अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव-2026 का आगाज आज भगवान रघुनाथ जी की भव्य रथयात्रा के साथ होगा।

सात दिनों तक चलने वाले इस देव महाकुंभ में सैकड़ों देवी-देवताओं के आगमन से ढालपुर मैदान आस्था, परंपरा और देव संस्कृति के रंग में रंग जाएगा। भगवान रघुनाथ जी के जयघोष से कुल्लू घाटी गूंज उठेगी और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों को देवभूमि की अनूठी संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इस वर्ष उत्सव के लिए 347 देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया है। देवी-देवताओं के आगमन के साथ ही ढालपुर में पारंपरिक देव मिलन, धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक गतिविधियों का सिलसिला शुरू होगा। सात दिनों तक देव आस्था का यह अद्भुत संगम कुल्लू की प्राचीन परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेगा।



- दशहरे में दिखेगा परंपरा व आधुनिकता का संगम, लेजर व ड्रोन शो होंगे आकर्षण
- देव धुनों व जयघोष से गूंजेगी कुल्लू घाटी, ग्लोबल डांस में दिखेगी सांस्कृतिक झलक

अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा होगी। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, देव धुनों और श्रद्धालुओं के जयघोष के बीच निकलने वाली रथयात्रा के साथ ही दशहरा उत्सव की औपचारिक शुरुआत होगी। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले देवी-देवताओं के साथ देवलुओं और कारदारों की मौजूदगी इस आयोजन को विशेष बनाएगी। इस बार दशहरा उत्सव में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ आधुनिक तकनीक का भी आकर्षण देखने को मिलेगा।

लेजर शो और ड्रोन शो दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेंगे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से कुल्लू की सांस्कृतिक पहचान और उत्सव की भव्यता को नए अंदाज में प्रस्तुत करने की तैयारी है। उत्सव के दौरान ढालपुर में ग्लोबल डांस कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। विभिन्न देशों की सांस्कृतिक झलक और पारंपरिक नृत्य दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय कला एवं संस्कृति से परिचित करवाएंगे। इससे कुल्लू दशहरा धार्मिक आयोजन के साथ-साथ वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच भी बनेगा। दशहरा उत्सव के सात दिनों के दौरान ढालपुर में सैकड़ों देवी-देवताओं की मौजूदगी से पूरा क्षेत्र देवमय नजर आएगा। देव परंपराओं, लोक संस्कृति, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और उत्सवी माहौल के बीच कुल्लू का नजारा अद्भुत होगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन हिमाचल की देव संस्कृति को करीब से देखने और समझने का विशेष अवसर बनेगा। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा अपनी विशिष्ट देव परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के कारण विश्वभर में अलग पहचान रखता है।

आज भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा के साथ शुरू होने वाला यह महापर्व अगले सात दिनों तक कुल्लू को आस्था, उल्लास और संस्कृति के रंगों से सराबोर रखेगा।

मंडी में बुराई पर अच्छाई का दिया संदेश...



मंडी के एतिहासिक पडुल मैदान में रावण दहन के लिए एकत्रित हुआ शहरियों का हुजूम।

त्योहारों की छुट्टियों में फिर गुलजार हुई पर्यटन नगरी धर्मशाला, 50 से 70 फीसदी तक पहुंची होटल ऑक्यूपेंसी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। त्योहारों के मौसम और छुट्टियों के चलते पर्यटन नगरी धर्मशाला एक बार फिर सैलानियों की गुलजार होने लगी है। धर्मशाला की खूबसूरत वादियों का दीदार करने पहुंच रहे पर्यटक मैक्लोडगंज, भागसूनाग, नड्डी और खनियारा की खड़ौता घाटी, थातरी व लूंटा जैसे पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं। वहीं, कई पर्यटक धर्मशाला के राज्य शहीद स्मारक पहुंचकर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ यहां के शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। त्योहारों की छुट्टियों में परिवार के साथ घूमने निकले सैलानियों के पहुंचने से पर्यटन कारोबार को भी गति मिलने लगी है।

धर्मशाला पहुंच रहे पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण, साफ-सफाई और स्थानीय लोगों के सहयोग की सराहना कर रहे हैं। धौलाधार की पहाड़ियों और बर्फ से ढकी चोटियों का आकर्षक नजारा पर्यटकों को खूब लुभा रहा है। मैक्लोडगंज और भागसूनाग में घूमने के साथ सैलानी नड्डी से धौलाधार की वादियों को निहार रहे हैं। वहीं, खनियारा क्षेत्र की खड़ौता घाटी, थातरी और लूंटा की प्राकृतिक खूबसूरती भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही है।

जडेनुआ में शामलात भूमि पर अवैध खनन, जेसीबी और दो टिप्पर जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, साराहां। पच्छाद क्षेत्र के जडेनुआ में सरकारी शामलात भूमि पर कथित अवैध खनन कर बजरी और ग्रेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस थाना पच्छाद की टीम ने मौके पर पहुंचकर एक जेसीबी मशीन और दो टिप्पर पाए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान सड़क किनारे पहाड़ी की कटाई दिखाई दी। मौके पर जेसीबी से खुदाई कर निकाली गई बजरी और ग्रेवर टिप्पर में भरी जा रही थी। जांच में जमीन सरकारी शामलात भूमि पाई गई। पुलिस ने जेसीबी चालक नितिन चौहान, टिप्पर चालक अजय पुंडीर और रोहन कुमार सहित संबंधित व्यक्तियों पर मिलीभगत से अवैध खनन और सामग्री चोरी करने के आरोप में कार्रवाई की है। सतीश ठाकुर, संजीव ठाकुर और बृजपाल सहित आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आगामी जांच में जुटी है।

पाइनग्रोव स्कूल के छात्रों ने दशहरे पर श्रमिकों को बांटे कपड़े, शिविर में दी स्वास्थ्य सुविधाएं

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। पाइनग्रोव स्कूल सुबाथू के सोशल सर्विस क्लब की ओर से दशहरा पर्व के मौके पर नए निर्माण स्थल पर कार्यरत श्रमिकों के लिए चिकित्सा शिविर एवं वस्त्र वितरण अभियान का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य श्रमिकों की बुनियादी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना और उन्हें दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करवाना रहा।

अभियान के दौरान स्कूल के सात विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए शिविर के सुचारू संचालन में सहयोग दिया। शिविर में श्रमिकों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। इसके साथ ही श्रमिकों को वस्त्र प्रदान किए गए, ताकि उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सके। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों के बच्चों को खिलौने भी वितरित



किए गए। वहीं शिविर में उपस्थित सभी लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। इस पहल से श्रमिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी सहायता के साथ-साथ जरूरी वस्तुएं भी उपलब्ध हुईं।

पाइनग्रोव स्कूल की इस पहल ने विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और समाज के जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशील बनने का अवसर प्रदान किया। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सहानुभूति, सहयोग, उत्तरदायित्व और सामुदायिक सेवा की भावना विकसित होती है। यह अभियान शिक्षा के साथ सामाजिक मूल्यों को जोड़ने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रहा।

350 विद्यार्थियों की प्रतिभा, रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर का भव्य वार्षिकोत्सव

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकास नगर में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास, सांस्कृतिक विविधता व रचनात्मकता से परिपूर्ण वातावरण में किया गया।

समारोह में 350 विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटिका, अभिनय और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और शैक्षिक उद्देश्यों को प्रोत्साहित करना रहा।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एंटी करप्शन ब्यूरो पुलिस अधीक्षक मुनीष डडवाल ने शिरकत की। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष इंजीनियर आरसी लखनपाल, वाइस चेयरपर्सन चंद्रप्रभा लखनपाल, डायरेक्टर पंकज लखनपाल, प्रधानाचार्य इंजीनियर नैना लखनपाल, अकादमिक प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा, उपप्रधानाचार्य अश्विनी कुमार तथा मुख्य अध्यापिका कंचन



लखनपाल सहित विद्यालय प्रबंधन के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के स्वागत भाषण का दायित्व वंशिका लखनपाल ने निभाया। समारोह का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ, जिसे कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने विभिन्न रसों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने शृंगार रस, कक्षा तीसरी-ब की छात्राओं ने हास्य रस, कक्षा छठी-ब के छात्रों ने रौद्र रस तथा कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने भयानक रस की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। कक्षा छठी-सी के छात्र-छात्राओं ने वीर रस का सजीव चित्रण कर साहस, पराक्रम और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय पौराणिक कथाओं और साहित्य को भी मंच पर जीवंत किया। समुद्र मंथन पर आधारित प्रस्तुति तथा यूवी एक्ट ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं, कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने शिक्षा के महत्व पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर ज्ञान, संस्कार और शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने 'करण, शौर्य और त्याग की गाथा' के माध्यम से वीरता, समर्पण और बलिदान के मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। समारोह में मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धक गतिविधियों का भी समावेश रहा।

आरएस बाली बने चंडीगढ़ में कांग्रेस के पर्यवेक्षक



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नगरोटा बगवां के विधायक एवं एचपीटीडीसी अध्यक्ष आरएस बाली को कांग्रेस आलाकमान ने 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत चंडीगढ़ का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी को हिमाचल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नियुक्ति पर बाली ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य मताधिकार की रक्षा, मतदाता सूचियों में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत करना है। बाली ने कहा कि चंडीगढ़ में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

रावण के दस शीश के रूप में आज भी समाज में विद्यमान हैं अनेक बुराइयां : ज्ञान विज्ञान समिति



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा मंडी के पड्डल ग्राउंड में बेटी बचाओ अभियान के तहत समाज में व्याप्त बुराइयों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष संदेश दिया गया। समिति ने कहा कि रावण के दस शीश आज भी विभिन्न सामाजिक बुराइयों के रूप में हमारे समाज में विद्यमान हैं, जिनका दहन करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

समिति के जिला सचिव गजेंद्र शर्मा ने बताया कि हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति पिछले 20 वर्षों से रावण दहन की गतिविधि आयोजित करती आ रही है। समिति का उद्देश्य केवल रावण के पुतले का दहन करना नहीं, बल्कि समाज में मौजूद बुराइयों को समाप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करना भी है। उन्होंने कहा कि आज भी बेटियों के साथ भेदभाव, छेड़छाड़, बलात्कार जैसी घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। बेटियों को समान अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव नहीं आएगा, तब तक वास्तविक अर्थों में बुराइयों का अंत संभव नहीं है। समिति ने समाज में मौजूद दस प्रमुख बुराइयों को रावण के दस शीशों के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनके उन्मूलन का आह्वान किया। इनमें बेटियों के साथ भेदभाव, छेड़छाड़, बलात्कार, महिला हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, जातिगत भेदभाव, नशाखोरी, अंधविश्वास तथा भ्रष्टाचार जैसी सामाजिक बुराइयां शामिल हैं। इस अवसर पर समिति ने उपस्थित लोगों से पर्चों के माध्यम से भी अपील की कि वे इन बुराइयों को समाप्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ और अपने परिवार, आसपास के समाज तथा सार्वजनिक जीवन में समानता, सम्मान, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा दें।

दशहरा बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक : अनुराग ठाकुर

- हमीरपुर के सांसद ने हिमाचल प्रदेशवासियों को दी दशहरे की शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दशहरे के पावन अवसर पर हिमाचल प्रदेश के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि विजयादशमी का यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और नई ऊर्जा लेकर आए तथा प्रदेश और देश में खुशहाली एवं आपसी सद्भाव को और मजबूत करे।



अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि दशहरा भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरवशाली परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। भगवान श्री राम के आदर्श हमें सत्य, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। विजयादशमी का पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों को त्याग कर सकारात्मक सोच, दृढ़ संकल्प और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस पावन अवसर पर आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लें तथा हिमाचल प्रदेश की शांति, प्रगति और समृद्धि में अपना योगदान दें।

अनुराग सिंह ठाकुर 24 अक्तूबर 2026 को अपने 52वें जन्मदिन के अवसर पर समीरपुर स्थित आवास पर आम जनता से मुलाकात करेंगे। इस दौरान क्षेत्र के लोग उनसे मिलकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दे सकेंगे। उनका जन्मदिन आम जनता, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के साथ संवाद एवं आत्मीय मुलाकात का अवसर भी बनेगा।

कांगड़ा में पूर्व सैनिक को गोली मारी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की बालकरूपी पंचायत में मंगलवार सुबह एक पूर्व सैनिक को गोली मार दी गई। 58 साल के महेंद्र सिंह अपने कुत्ते को घुमाने घर से निकले थे, तभी उनकी टांग में गोली लगी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के शत्रुघ्न के रूप में हुई है। घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, महेंद्र सिंह और आरोपी बद्दी की एक निजी फैक्ट्री में साथ काम करते थे। महेंद्र सिंह ने मार्च में नौकरी छोड़ दी थी। शत्रुघ्न उन्हें बद्दी से घर छोड़ने पहले भी आया था। ग्राम पंचायत प्रधान अजय राणा ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से एक देसी कट्टा भी बरामद हुआ है। गोली चलाने की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जंगल में सर्च अभियान चला रही है।

नौवीं और दसवीं के पंजीकरण का आखिरी मौका, 16 नवंबर तक भरें फॉर्म

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध सरकारी और निजी स्कूलों में नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। विद्यार्थी 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करवा सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि पंजीकरण विवरण में सुधार के लिए 17 से 25 नवंबर तक संशोधन अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान विद्यार्थियों के नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, लिंग, श्रेणी और ऐच्छिक विषयों में सुधार किया जा सकेगा। उन्होंने स्कूल प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित समय में पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें और सभी विवरण प्रवेश रजिस्टर से मिलाकर जांचें। किसी भी प्रकार की गलती या देरी के लिए संबंधित स्कूल के प्रधानाचार्य जिम्मेदार होंगे। तकनीकी सहायता के लिए बोर्ड के आईटी प्रकोष्ठ के नंबर 01892-242120 और 01892-242173 पर संपर्क किया जा सकता है।

हरिद्वार में हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने सीखे मर्म चिकित्सा के गुर



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों ने हरिद्वार में पांच दिवसीय शैक्षणिक एवं प्रायोगिक शिविर में मर्म चिकित्सा और एक्यूप्रेशर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्राध्यापक चर्चित कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, पतंजलि योगपीठ सहित विभिन्न संस्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा आरती में भी भाग लिया। शिविर में विद्यार्थियों को मर्म बिंदुओं और एक्यूप्रेशर की तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करेंगे। योग विभाग के निदेशक सुनील कुमार ने कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति संत प्रकाश बंसल ने कहा कि विद्यार्थियों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़ना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए किया प्रेरित



भारतेन्दु संवाददाता, भरमौर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूलन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रधान अंग्रेज कपूर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि उपप्रधान सुनील कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। अंग्रेज कपूर ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए अनुशासन, सहयोग और समाज सेवा को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम अधिकारियों सोनू ठाकुर और जगदंबा रानी ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

करवा चौथ पर बिलासपुर में सजेगा 'हिमानी कलेक्शन', 24 से 27 अक्तूबर तक ज्वेलरी प्रदर्शनी



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। करवा चौथ और दिवाली के त्योहारों के मद्देनजर पालमपुर के प्रतिष्ठित बूढ़ा मल एंड संस ज्वेलर्स की ओर से 24 से 27 अक्तूबर तक बिलासपुर के पूर्णिमा मॉल में चार दिवसीय आभूषण प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसमें ग्राहकों को 'हिमानी कलेक्शन' के तहत पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों में आकर्षक तथा अल्ट्रा लाइटवेट ज्वेलरी की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए संस्थान के एमडी मानिक अग्रवाल ने बताया कि कलेक्शन को महिलाओं की पसंद और बदलते फैशन ट्रेंड को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ग्राहकों को पुराने सोने के आभूषणों के बदले नए आभूषण खरीदने की सुविधा भी मिलेगी। इसके अलावा, मौके पर कैरेट मीटर से सोने की शुद्धता जांचने की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में 1 लाख रुपए से अधिक की आभूषण खरीद पर ग्राहकों को एक सोने का सिक्का उपहार में दिया जाएगा। गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बूढ़ा मल एंड संस ज्वेलर्स को वर्ष 2026 में मुंबई में आयोजित बिजनेस अवॉर्ड समारोह में हिमाचल प्रदेश के विश्वसनीय और सर्वश्रेष्ठ ज्वेलरी ब्रांड के सम्मान से नवाजा गया है।

धार्मिक आयोजनों से प्रेम, सद्भाव व भाईचारे की भावना होती है मजबूत : अमित वर्मा



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगरकोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा की ओर से आयोजित रामलीला में कांगड़ा जनहित संगठन के अध्यक्ष व समाजसेवी अमित वर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने रामायण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। रामलीला के मंचन को देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कलाकारों ने हनुमान के लंका प्रवेश, लंकनी से सामना, माता सीता से भेंट, अशोक वाटिका उजाड़ने और रावण दरबार सहित विभिन्न दृश्यों का शानदार मंचन कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अमित वर्मा ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। रामलीला बच्चों और युवाओं को सत्य के मार्ग पर चलने तथा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर रामलीला निर्देशक अजय बिजला सहित सुभाष काला, संजीव बत्रा, रविंद्र सलैया, अनिल कुमार नीलू, बादल भाटिया और अन्य सदस्य व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिलासपुर कॉलेज में कार्यशाला, स्वयंसेवकों ने सीखे सीपीआर व प्राथमिक उपचार के गुर



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब (आरआरसी) की ओर से जीवनरक्षक कौशल, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन प्रतिक्रिया विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला में एम्स की स्वास्थ्य शिक्षिका डॉ. अंजलि ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार के महत्व की जानकारी दी तथा सीपीआर सहित विभिन्न जीवनरक्षक तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने आपात स्थिति में घबराने के बजाय शांत रहकर उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. सोनिया राठौर ने कहा कि समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने जीवनरक्षक कौशल को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए युवाओं से आपातकाल में जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

पठानकोट में रिश्वत लेते एसएचओ गिरफ्तार, विजिलेंस ने क्वार्टर से दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में विजिलेंस टीम ने सोमवार को धारकलां थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर गुलशन कुमार को कथित तौर पर एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। विजिलेंस इंस्पेक्टर विक्रांत सलारिया ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, धारकलां के मधुबन होटल में वेटर व ग्राहकों के बीच हुई मारपीट के मामले में रिश्वत मांगने की शिकायत विजिलेंस को मिली थी। आरोप है कि पहले पांच लाख रुपए मांगे गए, जिसके बाद सौदा 2.50 लाख रुपए में तय हुआ। इसकी पहली किस्त के रूप में एक लाख रुपये दिए जाने थे। विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए एसएचओ को उसके क्वार्टर से गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि पठानकोट-डलहौजी हाईवे स्थित होटल में सिगरेट की कीमत को लेकर विवाद हुआ था, जो मारपीट में बदल गया। इस घटना में सारटी निवासी लखविंदर कुमार घायल हुए थे। उनकी शिकायत पर धारकलां पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। विजिलेंस टीम मामले में आगे की कानूनी जांच कर रही है।

त्योहारी सीजन में ट्रेनें फुल, 25 नवंबर तक कंफर्म टिकट का संकट

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। दिवाली और छठ पूजा के चलते लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। जम्मू तवी, कटड़ा और उधमपुर से पठानकोट के रास्ते देश के विभिन्न हिस्सों में जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में 25 नवंबर तक सीटें फुल होने से यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। पूजा सुपरफास्ट, जम्मू मेल, उत्तर संपर्क क्रांति, हिमगिरी सुपरफास्ट, मूरी एक्सप्रेस और अर्चना सुपरफास्ट सहित कई ट्रेनों में भारी वेटिंग चल रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब यात्रियों को तत्काल टिकट और स्पेशल ट्रेनों का सहारा है। पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर टिकट लेने पहुंच रहे यात्रियों को निराश लौटना पड़ रहा है। दरभंगा निवासी संदीप चौधरी, संगीत मिश्रा, अमित यादव और रोहन विश्वास ने त्योहार परिवार के साथ मनाने की इच्छा जताते हुए टिकटों की कमी पर चिंता व्यक्त की। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनें चलाने और अतिरिक्त डिब्बे लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि 20 नवंबर के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होगी।

क्रीड़ा भारती अर्की ने वॉलीबॉल किट का किया अनावरण



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। विजयदशमी के अवसर पर बातल दशहरा मेला कमेटी के मंच पर क्रीड़ा भारती अर्की की ओर से वॉलीबाल किट का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं समाजसेवी सरताज राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए किट का अनावरण किया। इस अवसर पर प्रांत गो सेवा प्रमुख दिनेश शास्त्री, जिला कार्यवाह मुकेश शर्मा और व्यवस्था प्रमुख नरेंद्र कपिला विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल गतिविधियों से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है और वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रह सकते हैं। क्रीड़ा भारती अर्की की टोली क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती अर्की के अध्यक्ष अजय ठाकुर, मंत्री आसिफ चौधरी, सचिव गौरव ठाकुर सहित रजनीश, विक्की, कपिल, ईशान, दीपक और आदित्य मौजूद रहे।

शक्तिपीठों में नवरात्र में 10.25 लाख श्रद्धालुओं ने नवाया शीश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सात प्रमुख शक्तिपीठों और मंदिरों में शारदीय नवरात्र के दौरान 10 लाख 25 हजार 726 श्रद्धालुओं ने शीश नवाया।

11 से 19 अक्तूबर तक चले नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव के दौरान इन मंदिरों में कुल एक ला ख 4 हजार 520 वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई। सबसे ज्यादा श्रद्धालु बिलासपुर जिले के श्री नयना देवी मंदिर पहुंचे, जहां 3 लाख 95 हजार 226 लोगों ने दर्शन किए। प्रदेश पुलिस के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को ये जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से मंदिरों में भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था पुलिस के लिए अहम रही। पहाड़ी इलाकों में स्थित कई मंदिरों तक पहुंचने के रास्ते संकरे हैं और पार्किंग की जगह भी सीमित है। ऐसे में श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन, मंदिर न्यास, होमगार्ड और अन्य एजेंसियों ने मिलकर व्यवस्था संभाली।

नयना देवी मंदिर में सबसे ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे, ज्वालामुखी दूसरे स्थान पर

नवरात्र के नौ दिनों में सात प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या के मामले में श्री नैना देवी मंदिर पहले स्थान पर रहा। यहां 3 लाख 95 हजार 226 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। दूसरे स्थान पर कांगड़ा जिले का श्री ज्वालामुखी मंदिर रहा, जहां 1 लाख 80 हजार श्रद्धालु पहुंचे। श्री चिंतपूर्णी मंदिर में 1 लाख 39 हजार लोगों ने शीश नवाया। त्रिलोकपुर स्थित श्री बाला सुंदरी मंदिर में 1 लाख 6 हजार 600 श्रद्धालु पहुंचे। श्री चामुंडा देवी मंदिर में 70 हजार 500, श्री बृजेश्वरी देवी मंदिर में 69 हजार 400 और श्री बगलामुखी मंदिर में 65 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इन सात शक्तिपीठों-मंदिरों में श्रद्धालुओं की कुल संख्या 10 लाख 25 हजार 726 रही। इस दौरान वाहनों की संख्या 1 लाख 4 हजार 520 दर्ज की गई।



मुख्यमंत्री सुक्खू ने की पुलिसकर्मियों की सराहना

मुख्यमंत्री सुक्खू ने नवरात्र के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुचारू दर्शन की व्यवस्था करने पर हिमाचल प्रदेश पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की अहम जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने पुलिस, जिला प्रशासन, मंदिर न्यास, होमगार्ड और अन्य संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने मुख्यमंत्री की सराहना के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रोत्साहन पुलिस बल को अधिक समर्पण, संवेदनशीलता और पेशेवर तरीके से जनता की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा। डीजीपी ने नवरात्र के दौरान तैनात जिला पुलिस प्रमुखों, पर्यवेक्षण अधिकारियों और अन्य पुलिसकर्मियों के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने प्रदेश आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा तथा सुविधा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भीड़ और यातायात संभालने के लिए पुलिस की तैनाती

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक नवरात्र के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारों को व्यवस्थित रखने, यातायात नियंत्रित करने, पार्किंग की व्यवस्था करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किए। पुलिसकर्मियों ने लंबे समय तक ड्यूटी देकर श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू बनाए रखने में योगदान दिया। मंदिरों में दर्शन के लिए आने वाले लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार निगरानी रखी। इस व्यवस्था में मंदिर प्रबंधन, स्वयंसेवकों और स्थानीय लोगों ने भी सहयोग दिया। पुलिस ने श्रद्धालुओं से भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

धर्मशाला में नवंबर में होगा विधानसभा का शीतकालीन सत्र : कुलदीप पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि धर्मशाला में विधानसभा का शीतकालीन सत्र नवंबर माह में आयोजित करने का प्रस्ताव है। उन्होंने सोमवार देर शाम को जिला स्तरीय शाहपुर दशहरा उत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से बातचीत हुई है। पर्यटकों और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नवंबर में सत्र आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। इससे पूर्व शाहपुर पहुंचने पर विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने विधानसभा अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर एसडीएम डॉ. गणेश ठाकुर सहित विभिन्न अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

स्वयं सहायता समूह से आरती ने चुनी आत्मनिर्भरता की राह

थुनाग मिनी सचिवालय में कैंटीन चलाकर हर महीने कमा रहीं 15 हजार रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे 'सुक्खू सरकार' के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में मंडी जिला के थुनाग क्षेत्र की ग्राम पंचायत उड़ीधार की आरती कुमारी स्वयं सहायता समूह के सहयोग से कैंटीन चलाकर अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे रही हैं।

आरती कुमारी सरस्वती स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह के माध्यम से उन्हें थुनाग मिनी सचिवालय में कैंटीन चलाने का अवसर मिला। वर्ष 2024 से वह एक अन्य महिला के साथ मिलकर कैंटीन का संचालन कर रही हैं। इस पहल से दोनों महिलाओं को रोजगार मिला है और वे अपनी आजीविका अर्जित कर रही हैं। आरती कुमारी के अनुसार, कैंटीन के माध्यम से उन्हें हर महीने लगभग 15 हजार रुपए की आय हो जाती है। इससे वह घर का खर्च चलाने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई की जरूरतों को भी पूरा करने में सहयोग कर रही हैं। स्वरोजगार से जुड़ने के बाद उन्हें परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां निभाने में मदद मिली है और आत्मनिर्भर बनने की राह प्रशस्त हुई है।



आरती कुमारी ने बताया कि उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत दो लाख रुपये का ऋण मिला है, जिस पर 4 प्रतिशत ब्याज दर लागू है। इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूह को केंद्र सरकार की ओर से 15 हजार रुपए तथा प्रदेश सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की स्टार्टअप राशि भी मिली है। इन आर्थिक सहयोगों से समूह की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में सहायता मिल रही है।

आरती ने महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार और विशेषतौर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। इससे वे अपनी आजीविका चलाने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी योगदान दे रही हैं।

भगवती प्रसाद ने दिया सामाजिक एकता का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरिपुर मंडल की ओर से गोवर्धन धारी मंदिर में विजयादशमी एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांगड़ा विभाग के विभाग प्रचारक भगवती प्रसाद मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने संघ की स्थापना, इतिहास और सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना समाज को संगठित करने और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से की थी। उन्होंने सामाजिक एकता, अनुशासन और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने का आह्वान किया। भगवती प्रसाद ने पंच परिवर्तन की अवधारणा के तहत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं शतायु रामेश्वरी लाल शर्मा ने की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, बाल स्वयंसेवकों और मातृशक्ति ने भाग लिया।

20 करोड़ की करलोटी-कपाहड़ा पेयजल योजना अंतिम चरण में, 25 हजार लोगों को मिलेगा लाभ



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हो रही करलोटी-कपाहड़ा पेयजल योजना का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है।

तकनीकी शिक्षा एवं नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने बताया कि योजना की टेस्टिंग शुरू हो चुकी है। इसके शुरू होने से 11 ग्राम पंचायतों के 31 गांवों की करीब 25 हजार आबादी को पेयजल समस्या से राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जनसमस्याएं सुनते हुए मंत्री ने बताया कि योजना के तहत मल्यावर के पास सतलुज नदी से पानी उठाया जा रहा है। दो चरणों में तैयार हो रही इस परियोजना के अंतर्गत सोहनी देवी मंदिर के समीप बने टैंक तक पानी पहुंचाने की टेस्टिंग सफल रही है। इससे कोटलू, कपाहड़ा, करलोटी, छत, संडयार, पपलाह और पलासला सहित आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। धर्माणी ने कहा कि घुमारवीं में सतलुज नदी पर आधारित तीन पेयजल योजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें दो अंतिम चरण में हैं। वहीं, औहर, बकरोआ, अवारी और पनोह पंचायतों में 15 करोड़ रुपये की सिंचाई योजना का कार्य जारी है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 75 करोड़ रुपए की एक अन्य परियोजना भी स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सीवरेज नेटवर्क स्थापित करने के लिए डीपीआर को मंजूरी दिलाने की प्रक्रिया भी जारी है। इस दौरान मंत्री ने अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जोगिंद्रनगर में आरएसएस का भव्य पथ संचलन, 100 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से जोगिंद्रनगर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेला ग्राउंड से शुरू हुए पथ संचलन में करीब 100 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में समाजसेवी नरेंद्र ठाकुर मुख्यातिथि, जबकि प्रांत व्यवस्था प्रमुख मनोज कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन और ध्वज वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद स्वयंसेवकों ने अनुशासित तरीके से नगर के मुख्य मार्गों से पथ संचलन किया। स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया और करतल ध्वनि से उत्साह बढ़ाया। इस दौरान शस्त्र पूजन की परंपरा भी निभाई गई। मुख्य अतिथि नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह पर्व सत्य, सदाचार और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से समाज सेवा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने राष्ट्र निर्माण, संगठन और सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयंसेवकों से सेवा भाव के साथ कार्य करने की अपील की। आयोजकों के अनुसार, चोपड़ा, बरोट, पत्थर और लड़भड़ोल में भी पथ संचलन आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

धर्मशाला कॉलेज के छात्रों ने तीन दिवसीय शैक्षणिक दौरे में सीखा सतत पर्यटन का महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के टूर एंड ट्रैवल मैनेजमेंट विभाग की ओर से 17 से 19 अक्तूबर 2026 तक तीन दिवसीय शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने बरोट, राजगुंधा, बिलिंग और बीड़ जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सतत पर्यटन, ग्रामीण आजीविका और पर्यटन प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इस फील्ड स्टडी का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर पर्यटन स्थलों की वास्तविक परिस्थितियों, स्थानीय समुदायों की भूमिका और पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियों से परिचित करवाना था। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन करने के साथ स्थानीय निवासियों से संवाद किया तथा पर्यटन स्थलों के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। बरोट की उहल नदी घाटी में विद्यार्थियों ने ट्राउट मछली पालन और एग्रोटूरिज्म की संभावनाओं को समझा। उन्होंने जाना कि



मछली पालन केंद्र पर्यटकों के लिए शैक्षणिक और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम बनकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं। वहीं, बरोट से राजगुंधा तक के पहाड़ी मार्गों और लापास जलप्रपात के आसपास के प्राकृतिक परिदृश्यों का अध्ययन करते हुए विद्यार्थियों ने जियोटूरिज्म तथा संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर जानकारी हासिल की। दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने कैंपिंग स्थलों पर रहकर आउटडोर हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट का अनुभव भी प्राप्त किया। स्थानीय लोगों के साथ बातचीत के माध्यम से उन्होंने पर्यटन गतिविधियों का सामुदायिक जीवन और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभावों को समझा। विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कटोच ने प्राकृतिक स्थलों को जीवंत प्रयोगशाला के रूप में उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को सतत पर्यटन और पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पर्यटन से मिलने वाले सामाजिक-आर्थिक लाभों के साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय पर्यटन हितधारकों के साथ संवाद कर पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों, सामूहिक प्रबंधन और पर्यटन व्याख्या केंद्रों की स्थापना जैसे सुझाव भी रखे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक दौरे विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, पेशेवर कौशल और सामुदायिक समझ को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हटली क्षेत्र को बड़ी सौगात, बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय में आज से शुरू होगा कामकाज



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के हटली क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। बलद्वाड़ा में नवनिर्मित मिनी सचिवालय में बुधवार से विभिन्न सरकारी विभागों का कामकाज शुरू होगा। यह जानकारी सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर ने मिनी सचिवालय भवन का निरीक्षण करने के उपरांत प्रेस वार्ता के दौरान दी। विधायक दलीप ठाकुर ने कहा कि बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस भवन का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने किया था और इसके निर्माण के लिए बजट का प्रावधान भी पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में किया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए प्रयासों का लाभ अब जनता को मिलने जा रहा है। दलीप ठाकुर ने बताया कि मिनी सचिवालय में विभिन्न सरकारी विभागों के कार्यालय स्थानांतरित होने से हटली क्षेत्र सहित आसपास की दर्जनों पंचायतों के हजारों लोगों को एक ही छत के नीचे सरकारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से छुटकारा मिलेगा और समय व धन की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। बलद्वाड़ा मिनी सचिवालय के शुरू होने से सरकारी कामकाज में तेजी आएगी और आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक दलीप ठाकुर ने कहा कि सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और जनता की समस्याओं का समाधान करवाने के लिए उनके प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

धर्मशाला में 24 अक्तूबर को खुलेगा आम आदमी पार्टी का दूसरा राज्यस्तरीय कार्यालय

भारतेन्द्र संवाददाता, धर्मशाला। आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश में अपने संगठन के विस्तार की तैयारी में जुट गई है। पार्टी शिमला के बाद धर्मशाला में अपना दूसरा राज्यस्तरीय कार्यालय खोलने जा रही है। यह कार्यालय सिविल लाइंस में वार मेमोरियल के समीप स्थापित होगा और कांगड़ा, चंबा, ऊना तथा हमीरपुर जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने बताया कि कार्यालय का उद्घाटन 24 अक्तूबर 2026 को प्रदेश प्रभारी ऋतुराज गोविंद झा करेंगे। इस अवसर पर कांगड़ा क्षेत्र के प्रभारी सौरव बेहल सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। भंडारी के अनुसार, 'हिमाचल जोड़ो' सदस्यता अभियान के तहत अब तक 23 हजार से अधिक लोग पार्टी से जुड़ चुके हैं। नए कार्यालय का उद्देश्य जिला और बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने के साथ जनता की समस्याओं को सुनना और जनहित के मुद्दे उठाना है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 की शुरुआत में कांग्रेस और भाजपा के कई नेता पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, आगामी विधानसभा चुनावों में राजनीतिक समीकरणों पर इसका क्या असर पड़ेगा, यह आने वाला समय बताएगा।



बेसहारा पशुओं को गौशाला भेजने की मुहिम तेज अब तक 42 पशु सुरक्षित आश्रय में पहुंचाए

भारतेन्द्र संवाददाता, नाहन। नाहन शहर को बेसहारा पशुओं की समस्या से राहत दिलाने और बेजुबान पशुओं के संरक्षण के उद्देश्य से विधायक अजय सोलंकी की पहल पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वदिवार को दो बड़ी गाड़ियों और एक पिकअप के माध्यम से 20 पशुओं को कोटला बड़ोग गौशाला के लिए रवाना किया गया। इससे पहले 22 पशुओं को गौशाला भेजा जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल 42 पशुओं को गौशाला पहुंचाया जा चुका है। पशुओं को रवाना करने से पहले पशु चिकित्सक द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, ताकि उनकी सेहत और देखभाल सुनिश्चित की जा सके। यह पूरी प्रक्रिया विधायक अजय सोलंकी की देखरेख में संपन्न हुई। विधायक अजय सोलंकी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति का टैग लगा हुआ पालतू पशु खुले में आवारा घूमता हुआ पाया जाता है, तो संबंधित मालिक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सूचना के अभाव में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता से वंचित रहा एसपीएस का खिलाड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। एसपीएस इंटरनेशनल स्कूल, अनंत नगर ततहार की दसवीं कक्षा के विद्यार्थी आदर्श को समय पर सूचना न मिलने के कारण अंडर-19 राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने से वंचित रहना पड़ा। हमीरपुर में प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद मामला सामने आया, जिसके चलते विद्यालय प्रबंधन ने संबंधित विभाग की सूचना व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। प्रधानाचार्य नरेंद्र ने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को प्रतियोगिता की तिथि, स्थान व आवश्यक दिशा-निर्देश समय पर उपलब्ध करवाना जरूरी है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर सूचना पहुंचाने में हुई चूक का पता लगाने तथा लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करने की मांग की। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थी के हित में नियमानुसार अन्य अवसर प्रदान करने की संभावना पर विचार करने व भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए चयनित खिलाड़ियों को समय पर लिखित सूचना उपलब्ध करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

धौलाधार की गोद में छात्रों की 'ओपन लैब' बरोट घाटी में समझे भूस्खलन के खतरे

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। किताबों से आगे बढ़कर भूगर्भीय वास्तविकताओं को समझने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय ढलियारा के भूविज्ञ

फसल नुकसान पर केंद्र से गुहार

किसानों को राहत दिलाने के लिए धामी सरकार की केंद्र से सिफारिश

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में नौ और 10 अक्टूबर को हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को फसल क्षति की भरपाई के लिए धामी सरकार अब केंद्र से अतिरिक्त आर्थिक सहायता मांगने की तैयारी कर रही है। ओलावृष्टि के कारण प्रदेश में 17 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। राज्य सरकार ने पहले ही प्रभावित किसानों को आपदा राहत के निर्धारित मानकों के अनुरूप सहायता देने के साथ अतिरिक्त आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इसके बावजूद सरकार का प्रयास है कि किसानों को हुए नुकसान के अनुपात में अधिक राहत मिल सके।

ओलावृष्टि से ऊधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों में फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आपदा राहत के मानकों के तहत 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति वाले क्षेत्र का रकबा 16 हेक्टेयर से ज्यादा बताया गया है। फसलों को हुए नुकसान से किसानों के सामने आर्थिक संकट गहराने की आशंका है। इसे देखते हुए राज्य सरकार प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है।

◆ ओलावृष्टि से 17 हजार हेक्टेयर फसल प्रभावित

किसानों को अतिरिक्त सहायता दिलाने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र भेजने की तैयारी की जा रही है। हाल ही में रबी सीजन की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने भी केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। कृषि मंत्री जोशी के अनुसार, अब इस संबंध में औपचारिक पत्र भेजा जाएगा, ताकि केंद्र सरकार से प्रभावित किसानों के लिए अतिरिक्त मदद प्राप्त हो सके।

पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान, युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ेगी सरकार

पैराग्लाइडिंग से स्वरोजगार की उड़ान भरेंगे उत्तराखंड के युवा

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के पहाड़ अब युवाओं के लिए पर्यटन की संभावनाओं के साथ स्वरोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध करा रहे हैं। प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण पर विशेष जोर दे रही है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवा आवश्यक लाइसेंस हासिल कर व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ सकेंगे और पर्यटकों को पैराग्लाइडिंग कराने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे।



यूटीडीबी अब तक प्रदेश के 141 युवाओं को पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण दे चुकी है। इन युवाओं को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि व्यावहारिक अनुभव देकर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में दक्ष बनाना और उन्हें अपने ही प्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में पौड़ी जिले के बिलखेत में इन दिनों उड़ान अभ्यास संचालित किया जा रहा है। इसमें 17 युवा हिस्सा ले रहे हैं। उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में पैराग्लाइडिंग की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। अभ्यास के दौरान युवाओं को उड़ान भरने और पैराग्लाइडिंग संचालन का व्यावहारिक अनुभव दिया जा रहा है, ताकि वे आगे चलकर इस क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से काम करने के लिए तैयार हो सकें। उत्तराखंड में प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ों और अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साहसिक पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे सकती हैं।

पहाड़ों में रोजगार के अवसर

इससे होटल, परिवहन और अन्य पर्यटन सेवाओं से जुड़े लोगों को भी लाभ मिल सकता है। युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने की यह पहल प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लाइसेंस प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षित युवा पैराग्लाइडिंग के माध्यम से अपनी आजीविका अर्जित करने के साथ उत्तराखंड को साहसिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में योगदान दे सकेंगे।



देहरादून में न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस विधानसभा चुनाव से पहले तैयारी तेज

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। *उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी देहरादून जिले की विभिन्न विधानसभा सीटों पर उत्तराखंड न्याय यात्रा निकालेगी। यात्रा के माध्यम से कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा सरकार को घेरने की तैयारी में है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यात्रा के मार्ग, जनसभाओं, नुक्कड़ सभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने पर विचार-विमर्श हुआ।*

प्रीतम सिंह ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि युवा रोजगार के लिए परेशान हैं, जबकि आम नागरिक महंगाई और भ्रष्टाचार से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्याय यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जनता की समस्याओं को सुनेगी और उनके समाधान के लिए आवाज उठाएगी।

न्यूज ब्रीफ

प्रमोद मंद्रवाल ने गांवों में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। कांग्रेस नेता प्रमोद मंद्रवाल ने कोट और पौड़ी विकासखंड के बणगांव, कालेश्वर, कोली, मझेड़ा, खोन, नखोन, गेंड और मंजेली समेत कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, रोजगार और महंगाई से जुड़े मुद्दे उठाए। मंद्रवाल ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं की अनदेखी की है। उन्होंने मनरेगा का नाम बदलकर जी-राम-जी योजना किए जाने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे ग्राम प्रधानों और श्रमिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ग्रामीण समस्याओं के प्राथमिकता से समाधान की जरूरत बताई। इस दौरान कुलदीप आर्य, संजय कपटियाल, विपिन कुमार और अमित मंद्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। विश्वप्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट 11 नवंबर को भैयादूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजयदशमी के अवसर पर तीर्थ पुरोहितों और मंदिर समिति ने वैदिक परंपराओं के अनुसार कपाट बंद होने की तिथि और शुभ मुहूर्त निर्धारित किया। मंदिर समिति के अनुसार, 11 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजकर 28 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कपाट बंद होंगे। इसके बाद मां यमुना की उत्सव डोली खरसाली स्थित खुशीमठ मंदिर में विराजमान होगी। शीतकाल के दौरान छह महीने तक श्रद्धालु खरसाली में मां यमुना के दर्शन और पूजा-अर्चना कर सकेंगे।



दीपावली पर उल्लुओं के शिकार की आशंका, उत्तराखंड में वन विभाग अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। दीपावली पर उल्लुओं समेत अन्य वन्यजीवों के शिकार और तस्करी की आशंका को देखते हुए उत्तराखंड वन विभाग ने राज्यभर में अलर्ट जारी किया है। इसके तहत वन्यजीवों को पकड़ने, उनका शिकार करने, अवैध रूप से रखने और उनके परिवहन व कारोबार पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक नीना ग्रेवाल ने सभी वन प्रभागों के डीएफओ और संरक्षित क्षेत्रों के निदेशकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त करने के साथ जरूरत के अनुसार रात में सघन निगरानी करने को कहा गया है, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुमगढ़ में गुलदार का आतंक, 12 बकरियां मारीं

भारतेन्दु संवाददाता, बागेश्वर। कपकोट के ग्राम पंचायत सुमगढ़ के तोक बांसे में गुलदार ने दो पशुपालकों की 12 बकरियों को मार डाला। घटना शाम करीब साढ़े सात बजे की बताई जा रही है। गुलदार के लगातार हमलों से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, 10 दिन के भीतर गुलदार के हमले की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 10 अक्टूबर को भी गुलदार ने इसी क्षेत्र में छह बकरियों को मार डाला था। इस बार गुलदार ने बकरी पालक जैत राम की सात वर्षीय लख्खा समेत पांच बकरियों को मार दिया। वहीं, दयाल राम की तीन वर्षीय बोक्के समेत तीन बकरियों को भी निवाला बना लिया। प्रभावित परिवारों के लिए बकरी पालन आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में बकरियों की मौत से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार कई दिनों से रात के समय गांव के आसपास दिखाई दे रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन और वन विभाग से प्रभावित पशुपालकों को उचित मुआवजा देने तथा गुलदार के आतंक से निजात दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

सिमोग में दशहरा समारोह में शामिल हुए संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज

हिमाचल समेत पड़ोसी राज्यों से सिमोग पहुंचे श्रद्धालु, उत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अनिल थपलियाल

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज मंगलवार को जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग पहुंचे। यहां उन्होंने शिलगुर विजट महाराज के दर्शन कर मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद वह दशहरा पर्व पर आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक और खेलकूद कार्यक्रमों में शामिल हुए। इन कार्यक्रमों का आयोजन टौंस वैली युवा विकास समिति, ग्राम कोटी, खत विशायल की ओर से किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद सतपाल महाराज ने जमुना कृष्णधाम, हरिपुर कालसी में मां यमुना की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

सतपाल महाराज ने विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार दशहरा पर्व का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि सिरमौर और शिमला जिले की सीमा पर स्थित सराहण और चूड़धार से आराध्य देव शिरगुल महाराज का विजयादशमी के अवसर पर जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग में आगमन हुआ है। इस अवसर को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि शिरगुल महाराज के दर्शन के लिए उत्तराखंड के साथ हिमाचल प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सिमोग पहुंचते हैं। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाता है।

दशहरा उत्सव के दौरान जौनसारी संस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिलती है। स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर ढोल-दमाऊ की थाप पर लोकनृत्य करते हैं।

धार्मिक आस्था के साथ संस्कृति का संगम



इसके साथ आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिताएं भी कार्यक्रम को खास बनाती हैं। ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को सहेजने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर भीम सिंह चौहान, जबर सिंह नेगी, डॉ. श्याम कुंवर, शांति चौहान, अमित नगी, गीता राम शर्मा, संत राम चौहान, सूरत सिंह चौहान, केशर सिंह चौहान और बीर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

24 अक्टूबर से शुरू होगी आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन



भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जिले के आदि कैलाश क्षेत्र में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन 2.0 की तैयारियों का जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने मंगलवार को गुंजी पहुंच कर जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने और धावकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल का निरीक्षण करने के साथ सेना, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने मैराथन मार्ग पर डॉक्टरों और एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था करने, स्नैक्स एवं पानी की सुविधा वाले केंद्र स्थापित करने और स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों को मैराथन मार्ग से मलबा, पत्थर और अन्य अवरोध समय पर हटाकर उसे सुरक्षित एवं सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। आयोजन से जुड़े अधिकारियों को धावकों के लिए ठहरने, बैठने, तंबू, शौचालय और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने को भी कहा गया।

पिथौरागढ़ में बनेगा नया हेलीपोर्ट, नैनीसैनी का दबाव होगा कम

भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में हवाई सेवाओं के विस्तार और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में नया कदम उठाने की तैयारी की जा रही है। नैनीसैनी हवाई अड्डे पर विमानों के साथ हेलीकाप्टरों की बढ़ती आवाजाही के कारण दबाव बढ़ रहा है। इसे कम करने के लिए नगर के आसपास अलग हेलीपोर्ट बनाने की कवायद शुरू की गई है। प्रशासन ने इसके लिए दो स्थानों पर जमीन चिह्नित की है। प्रस्तावित हेलीपोर्ट के निर्माण से नैनीसैनी हवाई अड्डे पर हेलीकाप्टरों की आवाजाही का दबाव कम होने की उम्मीद है। साथ ही भविष्य में अन्य विमान कंपनियों के लिए पिथौरागढ़ से हवाई सेवाएं शुरू करने की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। पिथौरागढ़ जिले में धार्मिक और साहसिक पर्यटन की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। कैलास मानसरोवर यात्रा, आदि कैलास यात्रा और ऊं पर्वत के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। इस वर्ष अब तक करीब 68 हजार लोग जिले में आ चुके हैं।

नैनीताल में 25 हजार से अधिक गैस कनेक्शन ब्लॉक



भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी। नैनीताल जिले में घरेलू गैस कनेक्शनों की ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिले में इंडेन और भारत गैस के कुल 25,878 उपभोक्ताओं के कनेक्शन ई-केवाईसी लंबित होने के कारण ब्लॉक कर दिए गए हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को अब तब तक घरेलू गैस सिलिंडर नहीं मिल सकेगा, जब तक वे ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं कर लेते।

जिले में इंडेन गैस के करीब 1,98,788 घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें से 19,878 उपभोक्ताओं ने अब तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। इसी तरह भारत गैस के लगभग 40 हजार उपभोक्ताओं में से छह हजार ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है। इस तरह दोनों कंपनियों के कुल 25,878 उपभोक्ता ई-केवाईसी नहीं कराने के कारण प्रभावित हुए हैं। यह व्यवस्था 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलिंडर के उपभोक्ताओं पर लागू की गई है।

गैस सिलिंडर की आपूर्ति दोबारा शुरू कराने के लिए उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द ई-केवाईसी करानी होगी। जिन उपभोक्ताओं के गैस कनेक्शन से आधार कार्ड जुड़ा हुआ है, वे घर पर सिलिंडर पहुंचाने वाले वाहन चालक की मदद से भी ई-केवाईसी करा सकते हैं। इससे उन्हें प्रक्रिया पूरी करने के लिए अलग से गैस एजेंसी जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वहीं, जिन उपभोक्ताओं का आधार कार्ड गैस कनेक्शन से जुड़ा नहीं है, उन्हें संबंधित गैस एजेंसी में जाकर समस्या का समाधान कराना होगा। इसके बाद ई-केवाईसी पूरी होने पर ही गैस सिलिंडर की आपूर्ति बहाल हो सकेगी। ऐसे में उपभोक्ताओं को असुविधा से बचने के लिए समय रहते सत्यापन कराना चाहिए।

मसूरी में आस्था, लोक संस्कृति और परंपरा के रंगों में रंगा दशहरा

जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठी मसूरी, धूमधाम से मना दशहरा



सुनील सोनकर

मसूरी। पर्यटन नगरी मसूरी में दशहरे का पर्व आस्था, उल्लास और पारंपरिक संस्कृति के रंगों के बीच धूमधाम से मनाया गया। सनातन धर्म सभा की ओर से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में जहां भगवान राम के जीवन से जुड़ी झांकियों ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया, वहीं उत्तराखंड की लोक संस्कृति, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोक कलाकारों के नृत्य ने पर्व की रौनक बढ़ा दी।

बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही और जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत कर भगवान राम की झांकियों पर पुष्पवर्षा की। गांधी चौक पर रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। दशहरे के अवसर पर श्री सनातन धर्म मंदिर में विधि-विधान से भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर से बैंड-बाजों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ भव्य शोभायात्रा शुरू हुई।

शोभायात्रा मलिंगार चौक, गुरुद्वारा चौक, लंढौर बाजार, घंटाघर, कुलड़ी और माल रोड होते हुए गांधी चौक पहुंची। रास्तेभर श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते रहे और धार्मिक वातावरण भक्तिमय बना रहा।शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, राम दरबार, वनवासी राम परिवार, भगवान शिव और मां दुर्गा की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। इन झांकियों के माध्यम से धार्मिक आस्था और भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह झांकियों पर पुष्पवर्षा कर भगवान राम का स्वागत किया।

धार्मिक उत्साह के बीच लोक संस्कृति ने मोहा मन

स्थानीय लोक कलाकार पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य करते हुए आगे बढ़े, जिससे शोभायात्रा में धार्मिक उत्साह के साथ लोक संस्कृति का रंग भी देखने को मिला। मसूरी की दशहरा शोभायात्रा में धार्मिक आस्था के साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत भी दिखाई दी। पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पर्व को स्थानीय रंग दिया। पर्यटन नगरी के बाजारों से गुजरती शोभायात्रा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे।

सदाचार की राह पर चलने का संदेश

रावण दहन के साथ ही लोगों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। रावण दहन के बाद शोभायात्रा वापस श्री सनातन धर्म मंदिर पहुंची, जहां भगवान श्रीराम का राजतिलक किया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। धार्मिक आयोजन ने शहर के पारंपरिक उत्सव की झलक पेश की। दशहरे के माध्यम से लोगों ने एक बार फिर यह संदेश याद किया कि असत्य और अहंकार चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। इस मौके पर सनातन धर्म मंदिर सभा के अध्यक्ष दीपक गुप्ता, मंत्री नीरज अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी, कांग्रेस नेता उपेंद्र थापली, गोविंद पुंडीर, अमित गुप्ता, अनिल गोयल, अनुज तायल, वैभव तायल, उपेंद्र पंवार, संदीप अग्रवाल, रवि गोयल, अतुल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विजयदशमी पर घोषित हुई बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि

बदरीनाथ धाम में 12 नवंबर से होंगीं पंच पूजाएं, 16 को कपाट होंगे बंद



भारतेन्दु संवाददाता, चमोली

विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष 16 नवंबर को रात 9 बजकर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजयदशमी के अवसर पर मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक समारोह में बदरीनाथ के रावल अमरनाथ नंबूदरी ने वैदिक मंत्रोच्चार और पंचांग गणना के बाद कपाट बंद होने की तिथि की घोषणा की। इसके साथ ही धाम में शीतकालीन तैयारियों का कार्यक्रम भी तय हो गया है। कपाट बंद होने से पहले 12 नवंबर से पंच पूजाएं शुरू होंगी।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ के अनुसार, 12 नवंबर को भगवान गणेश की पूजा के साथ पंच पूजाओं का शुभारंभ होगा। 13 नवंबर को आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद किए जाएंगे। 14 नवंबर को खड्ग-पुस्तक पूजन के साथ वेद ऋचाओं का वाचन बंद होगा, जबकि 15 नवंबर को माता लक्ष्मी को कढ़ाई भोग अर्पित कर भगवान बदरीविशाल के दरबार में विराजमान होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। 16 नवंबर को माता लक्ष्मी गर्भगृह में विराजमान होंगी और भगवान कुबेर तथा उद्धव जी मंदिर परिसर में पहुंचेंगे।

17 नवंबर से शीतकालीन प्रवास

17 नवंबर को भगवान उद्धव और कुबेर जी की उत्सव डोलियां योग बदरी मंदिर, पांडुकेश्वर के लिए रवाना होंगी, जहां शीतकाल में उनकी पूजा-अर्चना होगी। भगवान गरुड़ जी ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर पहुंचेंगे। वहीं, 18 नवंबर को आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी भी नृसिंह मंदिर में विराजमान होगी। इसके साथ ही वर्ष 2026 की बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि शीतकाल में भी श्रद्धालुओं की आस्था बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित किया जाएगा।

गैरसैंण को जिला बनाने की मांग तेज, विधानसभा सत्र में उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, गोपेश्वर। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण को जिला बनाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। बहुगुणा विचार मंच ने प्रदेश सरकार से आगामी विधानसभा सत्र में गैरसैंण को जिला बनाने और बद्री गाय संरक्षण महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा करने का आग्रह किया है। मंच के गढ़वाल एवं कुमाऊं संयोजक हरीश पुजारी ने कहा कि गैरसैंण को केवल ग्रीष्मकालीन राजधानी तक सीमित रखने के बजाय उसे पूर्ण प्रशासनिक पहचान दी जानी चाहिए। क्षेत्र की जनता लंबे समय से गैरसैंण को जिला बनाने की मांग कर रही है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। हरीश पुजारी ने कहा कि गैरसैंण को जिला बनाने से स्थानीय लोगों को जिला स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासनिक इकाइयों को मजबूत करना जरूरी है। इससे लोगों को सरकारी कार्यों के लिए दूर स्थित जिला मुख्यालयों तक जाने की परेशानी से राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। पर्वतीय राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्था तय करते समय भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंच ने आगामी विधानसभा सत्र में बद्री गाय संरक्षण महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा करने की मांग भी उठाई है। पुजारी के अनुसार, इस संस्थान की स्थापना से बद्री गाय के संरक्षण, पशुपालन को बढ़ावा देने और पर्वतीय क्षेत्रों में आजीविका के अवसर बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

तैयारी कुंभ-2027 के लिए हरिद्वार में सफाई अभियान, 35 नोडल अधिकारी तैनात

हरिद्वार में आज से महास्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के मद्देनजर हरिद्वार को स्वच्छ बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिले में 21 अक्टूबर से सात नवंबर तक महास्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अभियान को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए 35 क्षेत्रों और संस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी नामित किए हैं। इस अभियान का उद्देश्य शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना और गंगा घाटों सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा बनाए रखना है।

यह अभियान उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में भी चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ गंगा घाटों पर विशेष सफाई की जाएगी। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों, संत समाज, व्यापार मंडलों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

35 विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारी

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अभियान के संचालन और निगरानी के लिए विभिन्न विभागों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य सौंपे हैं। शहरी क्षेत्रों की सफाई के लिए नगर आयुक्त, वन क्षेत्रों के लिए प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ), शैक्षणिक संस्थानों के लिए मुख्य शिक्षाधिकारी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह औद्योगिक क्षेत्रों की सफाई का दायित्व जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक को सौंपा गया है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंडों पर सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और परिवहन विभाग को दी गई है। स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), जबकि धार्मिक स्थलों की सफाई के लिए जिला पर्यटन अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जीपीएस लोकेशन के साथ भेजनी होंगी तस्वीरें



अभियान की निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने सभी नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन सफाई कार्य की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को सफाई से पहले और बाद की तस्वीरें जीपीएस लोकेशन के साथ स्वच्छता कंट्रोल रूम के व्हाट्सएप नंबर 8273371714 पर भेजनी होंगी। इससे संबंधित क्षेत्रों में सफाई कार्य की प्रगति और उसके परिणामों का आकलन किया जा सकेगा। प्रशासन का उद्देश्य अभियान के दौरान जवाबदेही सुनिश्चित करना और सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही को रोकना है।